{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 17 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 145
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स – 83,277.15
निफ्टी – 25,682.75
सोना – 1,56,440
चांदी – 2,68,000
डॉलर – 90.79

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

साल का पहला सूर्य ग्रहण आज

नई दिल्ली। साल का पहला सूर्य ग्रहण मंगलवार को लगने वाला है। यह सूर्य ग्रहण कुंभ राशि और धनिष्ठा नक्षत्र में लगने वाला है। यह एक वलयाकार या कंकण सूर्य ग्रहण होगा। इस तरह के ग्रहण में सूर्य और पृथ्वी के बीच में चंद्रमा ठीक केंद्र में आ जाता है, जिससे सूर्य किनारों से किसी चमकदार रिंग की तरह दिखाई देता है। खगोलविद इसे रिंग ऑफ फायर कहते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस सूर्य ग्रहण में चंद्रमा सूर्य के लगभग 96 फीसदी हिस्से को ढक देगा। यह सूर्य ग्रहण दोपहर 3 बजकर 26 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 57 मिनट तक रहने वाला है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हुआ अचानक डाउन

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, पूर्व में ट्विटर, सोमवार शाम करीब 7 बजे अचानक डाउन हो गया, जिसके बाद यूजर्स को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। यूजर्स को अपनी फीड लोड करने में परेशानी का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें खाली स्क्रीन दिख रही थी। आउटेज का पता लगाने वाले पोर्टल डाउन डिटेक्टर के अनुसार, आउटेज की रिपोर्ट की संख्या बढ़कर 25,000 से अधिक हो गई। डाउन डिटेक्टर के आंकड़ों के अनुसार, एक्स ऐप के 53 प्रतिशत यूजर्स अपने अकाउंट्स में लॉग इन नहीं कर पा रहे थे, जबकि वेबसाइट के 16 प्रतिशत यूजर्स ने समस्याओं की सूचना दी। आउटेज का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका, और एक्स ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। यह इंटरनेट सेवाओं को प्रभावित करने वाली नवीनतम घटना है। पिछले साल नवंबर में, भारत और विश्व भर में मंगलवार को एक्स के हजारों यूजर्स को सेवा में व्यवधान का सामना करना पड़ा, साथ ही उन अन्य वेबसाइटों को भी जो ऑनलाइन रहने के लिए क्लाउडफ्लेयर के इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करती हैं।

लैंड फॉर जॉब मामले में सियासी बयानबाजी तेज

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब मामले में आज लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई के आरोप मानने से इनकार कर दिया है। इस मामले में अब बिहार में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एक तरफ आरजेडी का कहना है कि लालू यादव को केंद्र की सरकार फंसा रही है। इनका सारा तंत्र ईडी, सीबीआई, आईटी सब लालू यादव के खिलाफ काम करता है। वहीं दूसरी तरफ कई बीजेपी के नेता पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उन्हें कुछ नहीं होता है। वहीं दूसरी तरफ इस मामले पर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने पलटवार किया है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि लालू जी पर यह मामले कब हुए जब वह पॉवर में थे।

हंगामे के बीच शुरू हुआ मप्र का बजट सत्र

कांग्रेस का विषाक्त कफ सीरप, भागीरथपुरा कांड पर हंगामा, 26 मिनट के संबोधन में राज्यपाल ने सरकार की उपलब्धियों और आगामी लक्ष्यों का खाका किया पेश, कहा मप्र को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र पहले ही दिन शोर-शराबे और राजनीतिक टकराव के बीच शुरू हुआ। सत्र की औपचारिक शुरुआत राज्यपाल मंगू भाई पटेल के अभिभाषण से हुई। करीब 26 मिनट के संबोधन में उन्होंने सरकार की उपलब्धियों और आगामी लक्ष्यों का खाका पेश किया, लेकिन बीच-बीच में विपक्ष के विरोध और नारेबाजी से सदन का माहौल गरमाता रहा। राज्यपाल ने कहा कि देश अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल वातावरण, भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, वर्ष 2047 तक मध्य प्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य और 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा का उल्लेख किया। अभिभाषण में पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण, उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के प्रयास और नई शिक्षा नीति के तहत किए गए सुधारों का भी जिक्र किया गया।

सत्र के पहले दिन सदन में हंगामे के बीच राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का विस्तृत खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने समृद्ध, समावेशी और आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने का दृष्टिपत्र तैयार किया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास, कृषि उन्नति और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीतियां लागू की गई हैं। हाल ही में आयोजित निवेश सम्मेलनों से प्रदेश में बड़े निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। सत्र के पहले दिन विपक्षी सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई और नारेबाजी की। हालांकि, राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पूरा किया और सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पास करने के बाद सदन को मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

बुनियादी ढांचे और बड़े प्रोजेक्ट्स पर जोर

अभिभाषण में प्रदेश में चल रही बड़ी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया। लाड़ली बहना, संपदा 2.0, यूनिपे-डीबीटी, ई-एचआरएमएस, एमपीएसएसओ और सायबर तहसील जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों से सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जीआईएस, ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक के माध्यम से नगरीय नियोजन, भूमि प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और जल संरक्षण में डेटा आधारित निर्णय प्रणाली को सशक्त बनाया गया है। सड़क, सिंचाई, शहरी विकास और औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के जरिए प्रदेश को तेज विकास पथ पर ले जाने की बात कही गई। साथ ही सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर भी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

दूध उत्पादन में नई ऊंचाई का लक्ष्य

अभिभाषण में पशुपालन और डेयरी क्षेत्र का भी विशेष उल्लेख किया गया। राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने मध्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में कई योजनाएं शुरू की हैं। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक, पशु स्वास्थ्य सेवाओं और डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 23 लाख से अधिक एमएसएमई इकाईयां स्थापित हैं, जिनमें 1 करोड़ 25 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। साथ ही, प्रदेश में 6 हजार 670 से अधिक डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कार्यरत है। राज्यपाल ने कहा कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवास, सडक़, पेयजल और शिक्षा सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति पर कार्य कर रही है।

किसानों के हित में सरकार प्रतिबद्ध

राज्यपाल ने कहा कि सरकार वर्ष 2026 को समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की थीम पर मना रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि क्षेत्र में सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। फसल विविधीकरण, सिंचाई विस्तार और समर्थन मूल्य व्यवस्था को मजबूत करने पर सरकार का विशेष ध्यान है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मिशन ऑफ नेचरल फॉर्मिंग को प्रभावी तरीके से लागू किया है। राज्यपाल ने कहा कि मेरी सरकार ने विरासत के साथ विकास के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए मध्य प्रदेश को देश के अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। हमारा अन्नदाता समृद्ध होगा, हमारी मातृशक्ति स्वावलंबी बनेगी और प्रदेश का युवा मात्र जॉब सीकर तक सीमित न रहकर वैश्विक स्तर का जॉब क्रिएटर बनकर उभरेगा।

विपक्ष का विरोध

अभिभाषण के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने हस्तक्षेप करते हुए आरोप लगाया कि नल-जल योजना और इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों जैसे गंभीर मुद्दों को भाषण में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बावजूद राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पूरा किया। राज्यपाल के प्रस्थान के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई, जहां विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जो अंश पढ़ा नहीं जा सका, उसे पढ़ा हुआ माना जाएगा। इसके बाद सदन की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित कर दी गई।

कर्ज पर सियासत तेज

बजट सत्र के साथ ही प्रदेश के बढ़ते कर्ज को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि बजट जनता केंद्रित होना चाहिए, न कि कर्ज आधारित। वहीं भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और विधायक पन्ना लाल शाक्य ने पलटवार करते हुए कहा कि लिया गया कर्ज विकास और जनकल्याण योजनाओं पर खर्च हो रहा है। शाक्य ने बयान दिया कि जिसके पास घी है वह घी पी रहा है, जिसके पास पानी है वह पानी पिए विधायक का ये बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया।

राज्यपाल ने अधूरा छोड़ा अभिभाषण

राज्यपाल के सदन से जाने के बाद कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, जहां विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जो हिस्सा पढ़ा नहीं जा सका, उसे पढ़ा हुआ माना जाएगा। इसके बाद सदन की कार्यवाही अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले निर्धारित समय से करीब 8 मिनट विलंब से पहुंचे राज्यपाल ने ठीक 11 बजकर 09 मिनट पर अभिभाषण की शुरुआत की और ठीक 11 बजकर 27 मिनट पर समाप्त कर दिया। मप्र विधानसभा में आज राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हुए हंगामें सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल जहां इंदौर के प्रदूषित जल से हुई मौतों के मामले पर हंगामा कर नारेबाजी कर रहे थे वहीं सत्ता पक्ष इस हंगामे का जवाब मेजें थपथपाकर दे रहे थे।

रेप के आरोपों से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला-

शादी से पहले कैसे बना सकते हैं फिजिकल रिलेशन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रेप के आरोपों से जुड़े एक मामले में शादी से पहले फिजिकल रिलेशनशिप को लेकर हैरानी जताई। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि हम यह नहीं समझ पाते कि एक लडक़ा और लडक़ी शादी से पहले शारीरिक संबंध कैसे बना सकते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हो सकता है हम पुराने ख्यालों के हों लेकिन शादी से पहले लडक़ा और लडक़ी अजनबी होते हैं। आपको बहुत सावधान रहना चाहिए। शादी से पहले किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना के साथ जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिस पर एक महिला से शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है। आरोप है कि व्यक्ति पहले से शादीशुदा था और बाद में उसने दूसरी महिला से शादी कर ली।

सरकारी वकील के मुताबिक, लगभग 30 साल की युवती की 2022 में एक मैट्रिमोनियल साइट पर शख्स से मुलाकात हुई थी। आरोप है कि शख्स ने युवती से शादी का वादा करके दिल्ली और बाद में दुबई में कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने दावा किया है कि शख्स के कहने पर वह दुबई गई थी। वहां उसकी सहमति के बिना आरोपी ने अश्लील वीडियो रिकॉर्ड किए, और विरोध करने पर उन्हें वायरल करने की धमकी दी। शिकायतकर्ता को बाद में पता चला कि शख्स ने 19 जनवरी, 2024 को पंजाब में दूसरी शादी कर ली थी। इस मामले में निचली अदालत और दिल्ली हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपी की तरफ से किया गया शादी का वादा शुरू से ही झूठा था, क्योंकि वह पहले से ही शादीशुदा था। हाईकोर्ट के आदेश से असंतुष्ट होकर आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

युवती शादी से पहले दुबई क्यों गई

जस्टिस नागरत्ना ने सवाल किया कि युवती शख्स से मिलने दुबई क्यों गई। जब सरकारी वकील ने बताया कि दोनों शादी करने की प्लानिंग कर रहे थे, तो जस्टिस ने कहा- अगर महिला शादी को लेकर इतनी गंभीर थी, तो उसे शादी से पहले दुबई नहीं जाना चाहिए था। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- यह ऐसा मामला नहीं है जिनमें मुकदमा चलाया जाए और सजा दी जाए। क्योंकि संबंध आपसी सहमति से बने थे। कोर्ट ने आरोपी के वकील से युवती को मुआवजा देकर मामले को खत्म करने का निर्देश दिया। बेंच ने युवती के वकील को भी समझौते की संभावना तलाशने के लिए कहा और दोनों पक्षों के विचार जानने के लिए मामले की सुनवाई बुधवार को स्थगित कर दी।

जेईई मेन परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित, 12 उम्मीदवारों को मिले 100 प्रतिशत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने सोमवार को जेईई मेन परीक्षा के 2026 सत्र 1 के परिणाम जारी कर दिए हैं। परीक्षार्थी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपना परिणाम देख और डाउनलोड कर सकते हैं। एनटीए ने पहले ही यह घोषणा की थी कि 16 फरवरी को ही परिणाम जारी किया जाएगा। इसके अनुसार, सोमवार सुबह पहले फाइनल आंसर की जारी की गई और शाम को परिणाम घोषित कर दिया गया। जेईई मेन परीक्षा में 100 पर्सेंटाइल नंबर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है। इसमें कुल 12 स्टूडेंट शामिल हैं, जिनमें श्रेयस मिश्रा (दिल्ली), नरेन्द्रबाबू गारी महित (आंध्र प्रदेश), शुभम कुमार (बिहार), कबीर छिल्लर (राजस्थान), चिरंजीब कर (राजस्थान), भावेश पात्रा (ओडिशा), अनय जैन (हरियाणा), अर्णव गौतम (राजस्थान), पासला महित (आंध्र प्रदेश), माधव विराडिया (महाराष्ट्र), पुरोहित निमय (गुजरात) और विवान शरद माहिश्वरी (तेलंगाना) के नाम शामिल हैं।

इस साल सभी श्रेणियों में कुल 13,04,653 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। इनमें से 4,52,825 उम्मीदवार सामान्य श्रेणी, 1,60,958 उम्मीदवार ईडब्ल्यूएस, 5,17,336 उम्मीदवार ओबीसी-एनसीएल, 1,29,902 उम्मीदवार अनुसूचित जाति और 43,632 उम्मीदवार अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के थे।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में 4 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। मुंबई में फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर पर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच और हरियाणा के झज्जर की बहादुरगढ़ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संयुक्त ऑपरेशन के तहत हरियाणा के बहादुरगढ़ से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों को मुंबई लाने की तैयारी है। हरियाणा एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि मुंबई में रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद मुंबई पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने उनसे संपर्क किया था। इसके बाद हरियाणा एसटीएफ और मुंबई पुलिस ने मिलकर बहादुरगढ़ से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनका नाम ऋतिक यादव, दीपक, सनी और सोनू है। सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। उन्होंने आगे बताया कि दीपक मुख्य शूटर था, जो विदेश में बैठे हरि बॉक्सर और आरजू के संपर्क में था। उसी ने रोहित शेट्टी के घर पर गोली चलाई थी। वहीं, उसके साथी सन्नी और सोनू ने घर के बाहर रेकी की थी। आरोपी ऋतिक ने दीपक और उसके साथियों को छिपने में मदद की।

एसआईआर पर फिर याचिका देख नाराज हुए सीजेआई...

हम तय करें आपके पिता, माता कौन

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में हो रहे एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। इस बार याचिका दाखिल कर एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाया गया हैं। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने जमकर नाराजगी जाहिर की है। खास बात है कि एसआईआर के मुद्दे को लेकर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार और ईसीआई यानी भारत निर्वाचन आयोग में तनातानी जारी है।रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद जिमफरहाद नोवाज ने याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी सूची के इस्तेमाल को चुनौती दी है। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, आर्टिकल 32 में आप चाहते हैं कि हम यह तय करें कि आपके पिता, माता और आदि कौन हैं। यह आर्टिकल 32 याचिका का मजाक है।

रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को आयोग के अधिकारी ने जानकारी दी है कि 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। अधिकारी ने बताया कि नामों की वर्तनी में हुई गलती और विसंगतियों से संबंधित सुनवाई 27 दिसंबर को शुरू हुई और पूरे राज्य में विद्यालयों, क्लब कक्षों और प्रशासनिक भवनों में स्थापित शिविरों में जारी रही। उन्होंने बताया, चुनाव अधिकारी अब 21 फरवरी तक दस्तावेजों की जांच करने वाले है। अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित की जानी है। अधिकारी ने बताया कि सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) के पास लंबित कोई भी दस्तावेज सोमवार तक अपलोड होने चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान करीब 58 लाख नाम (मृत/दोहराव /स्थानांतरित मतदाता) इसतरह के पाए गए, जिन्हें सूची से हटाना उचित समझा गया और दिसंबर में प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया।

पटाखा फैक्ट्री में आग, 8 की मौत

भिवाड़ी। राजस्थान के भिवाड़ी की केमिकल-पटाखा फैक्ट्री में 8 लोग जिंदा जल गए। उनके शव निकाल लिए गए हैं। 1 मजदूर अब भी फंसा है। घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। हादसा खुशखेड़ा करौली इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। एडीएम सुमिता मिश्रा ने बताया- पुलिस को गश्त के दौरान घटना का पता चला। तुरंत रेस्क्यू शुरू किया गया। इस फैक्ट्री में केमिकल के साथ पटाखे भी बनाए जाते थे। फैक्ट्री मालिक का नाम राजेंद्र है। खुशखेड़ा और भिवाड़ी रीको फायर स्टेशन से दमकल की गाडियां मौके पर पहुंचीं। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

11 दिन बाद राजपाल को मिली जमानत

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव को आखिरकार जमानत मिल गई है। वो 2018 के एक चेक बाउंस मामले में कानूनी जांच के घेरे में थे। अदालत में तय की गई भुगतान शर्तों को पूरा न करने पर उन्हें फरवरी के पहले हफ्ते में तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था। एक्टर 11 दिन से जेल की सलाखों के पीछे बंद थे। पिछले हफ्ते उनकी जमानत याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। अदालत ने 9 करोड़ रुपये का भुगतान बार-बार न करने की वजह से उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि अब इस मामले में उन्हें आखिरकार राहत मिल गई है। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों द्वारा आर्थिक मदद की पेशकश के कुछ दिनों बाद, सोमवार 16 फरवरी को राजपाल यादव को जमानत मिल गई। हालांकि ये जमानत अंतरिम है। कोर्ट से उन्हें 18 मार्च तक की ही रिहाई के आदेश दिए हैं।

कुछ ना कहना

सीएम सरमा के खिलाफ हेट स्पीच याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा के कथित 'मिया मुस्लिम' बयानों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर दायर हेट स्पीच याचिकाओं पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने याचिकाकर्ताओं को पहले असम हाईकोर्ट का रुख करने की सलाह दी और इसी के साथ ही गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मामले की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने को कहा।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि असम के 'बॉस' के खिलाफ एसआईटी रिपोर्ट कौन देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री आदतन ऐसे बयान देते रहे हैं, संविधान की शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं और अब तक उनके खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। सिंहवी ने सात ऐसे मामलों का हवाला दिया, जिनमें शीर्ष अदालत ने कार्रवाई के आदेश दिए थे।

यह याचिका कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया और उसकी नेता एन्नी राजा की ओर से दायर की गई थी। पीठ ने अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट आने पर कड़े सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि चुनावी माहौल शुरू होते ही शीर्ष अदालत को 'राजनीतिक अखाड़ा' बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है और सीधे सुप्रीम कोर्ट आना हाईकोर्ट की शक्तियों को कमतर आंकने जैसा है।

महिलाओं के साथ धार्मिक और धार्मिक स्थलों पर हो रहे भेदभाव पर सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट की जांबो बैंच

याचिकाओं पर सात अप्रैल से आखिरी सुनवाई शुरू करेगी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा है कि 9 जजों की एक बेंच महिलाओं के साथ धार्मिक और धार्मिक स्थलों पर होने वाले भेदभाव से जुड़े याचिकाओं पर सात अप्रैल से आखिरी सुनवाई शुरू करेगी। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर पर आए फैसले की समीक्षा का मामला शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की एक बेंच ने कहा कि इस मामले में भारत के चीफ जस्टिस 9 सदस्यीय संवैधानिक बेंच का गठन करने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों से कहा है कि वे 14 मार्च या इसके पहले अपनी लिखित दलीलें दायर करें। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र की ओर से कहा कि हमारी ओर से सबरीमाला फैसले की समीक्षा के लिए दायर याचिका का समर्थन किया है। सबरीमाला पर सुनाए गए फैसले में केरल में पहाड़ी पर स्थित पवित्र मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को घुसने की अनुमति दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले सभी पक्षों के लिए वकील कृष्णा कुमार सिंह को नोडल काउंसल बनाया है।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

वन अधिकार, पोर्टल स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाईन पर कलेक्टर हुए सख्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

16 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया गया कि वन मित्र पोर्टल पर वन अधिकार पट्टा के लिए दर्ज आवेदनों का शीघ्र निराकरण कर पात्र व्यक्तियों को पट्टे प्रदान किये जाए। इसी प्रकार वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन किये जाने के प्रकरणों का शीघ्रता से निरकारण करने कहा गया। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में लगाये जा रहे शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण करने कहा गया। ड्रग इंस्पेक्टर को मेडिकल स्टोर्स एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को होटल, रेस्टारेंट आदि का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिये गए।

इसी प्रकार नगरीय निकायों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गए। बैठक में जल संसाधन विभाग के अधीक्षण यंत्री एवं वैनगंगा संभाग के कार्यपालन यंत्री के अनुपस्थित रहने पर उनका 02 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। समाधान एक दिन में सेवा पोर्टल का अधिक से अधिक लोग उपयोग कर सके इसके लिए इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये गए। सभी अधिकारियों को एमपी ई-ऑफिस कार्यप्रणाली के अंतर्गत ऑनलाईन प्राप्त होने वाले पत्रों एवं फाइलों का निराकरण करने कहा गया। समीक्षा के दौरान एमपी ई-आफिस के माध्यम से पत्रों एवं फाइलों का निराकरण नही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी गई।

बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि समय सीमा में नाट अटेंडेंट वाली शिकायतों के प्रकरण में संबंधित अधिकारी को उसका 01 दिन का वेतन काटने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के लंबित पाए जाने पर जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को 500 दिनों से अधिक की लंबित 65 शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गए। 19 फरवरी को शाम 06 बजे बालाघाट रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 250 तीर्थ यात्रियों को व्यवस्थित रूप से रवाना करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि रेलवे स्टेशन पर सभी यात्रियों का स्वागत सत्कार करने की व्यवस्था की जाए।

खेलो एमपी यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को कलेक्टर ने किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले एथलेटिक्स खिलाडियों का 16 फरवरी को कलेक्टर कार्यालय बालाघाट में सम्मान किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा प्रदेश के गोल्डन बॉय रवि प्रकाश बिसेन सहित अन्य खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल पहनाकर शुभकामनाएं दी गईं। कलेक्टर श्री मीना ने यूथ

गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले इन युवा खिलाडियों को शुभकामना देते हुए कहा कि वे खेल के साथ अपनी पढाई पर भी ध्यान दे। उनकी इस सफलता से जिले के अन्य युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे आने की प्रेरणा मिलेगी।

भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स को मध्यप्रदेश का ओलंपिक कहा गया, जिसका स्लोगन मध्यप्रदेश की जय, हम सब की विजय रहा। इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। मराठा बूढ़ी, विकासखंड किरनापुर निवासी रवि प्रकाश बिसेन एवं उनकी टीम ने एथलेटिक्स के 110 मीटर हर्डल्स, 400 मीटर हर्डल्स और 4म100 मीटर रिले रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए बालाघाट के लिए तीन स्वर्ण पदक अर्जित किए। रिले रेस में रवि के साथ रविंद्र बिरनवार, देवेंद्र पारधी और निखिल अटरे शामिल रहे।

प्रतियोगिता में बालाघाट ने एथलेटिक्स मेडल टैली में प्रदेश के 55 जिलों में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा भाला फेंक स्पर्धा में प्रकाश मैरावी ने रजत पदक तथा नूपुर दशहरे ने कांस्य पदक हासिल किया। तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले रवि प्रकाश बिसेन को बेस्ट एथलीट के रूप में राज्यपाल मंगुभाई छगनभाई पटेल, खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक राकेश गुप्ता द्वारा रनर-अप ट्रॉफी प्रदान की गई। यह ट्रॉफी बालाघाट टीम के लिए गर्व का विषय रही।

सम्मान समारोह के दौरान खिलाडियों ने भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतने का संकल्प व्यक्त किया। इस उपलब्धि पर जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष नरेश धुवारे, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, प्रशिक्षक, कोच, खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं खेल प्रेमियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

आम सूचना

सर्व साधारण जनता को सुचित किया जाता है कि उपहार पानेवाला श्री सोहेल कुरैशी S/o श्री इकबाल कुरैशी निवासी वार्ड नं 10 रजा नगर तहसील-जिला-बालाघाट के द्वारा दिनाक 13/02/2026 को ग्राम बूढ़ी खसरा नं-141/3/3/1 रकबा-0.008 हेक्टेयर पी.एच.नं. 13/1 तहसील-जिला-बालाघाट के आवास का मकान उपहार दाता पिता श्री इकबाल कुरैशी S/o श्री रमज़ान कुरैशी निवासी वार्ड नं 10 जिला-बालाघाट के द्वारा अपने पुत्र को दानपत्र निष्पादित किया गया है, दानपत्र सब रजिस्ट्रार बालाघाट के कार्यालय के द्वारा पंजीयन क्रमांक MP56IGR16762026A100175770 है, जिसकी लिंक रजिस्ट्री क्रेता श्री मो. इकबाल कुरैशी S/o श्री रमज़ान कुरैशी निवासी मटन मार्केट वार्ड नं 10 तहसील-जिला-बालाघाट के द्वारा दिनाक 20/02/2013 को ग्राम-बूढ़ी पी.एच.नं.-13/1 खसरा नं 141/3 रकबा का भाग -0.015 हेक्टेयर / 1650 वर्गफुट को विक्रेता श्री सुधीर कुमार तिवारी पुत्र श्री बलराम प्रसाद तिवारी वार्ड नं 18 तहसील-जिला-बालाघाट से खरीदा था। सेल डीड सब रजिस्ट्रार बालाघाट के कार्यालय के द्वारा पुस्तक संख्या ए1 ग्रंथ संख्या 9051 दस्तावेज संख्या 4696 देकर पंजीबद्ध किया गया है, जो रख-रखाव के अभाव में गुम हो चुका है जिसकी लिखित शिकायत थाना कोतवाली में दिनाक 04/02/2026 को की गई है।

श्री सोहेल पुत्र श्री इकबाल कुरैशी निवासी वार्ड नंबर 10 रजा नगर, तहसील-जिला-बालाघाट के द्वारा केपरी हाउसिंग फाइनेंस शाखा बालाघाट से अपने अचल मकान संपत्ति को बंधक कर ऋण लिया जा रहा है, यदि किसी, व्यक्ति संस्था या वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति है, या वह अचल संपत्ति पर अपना अधिकार रखता है, या अचल संपत्ति की लिंक रजिस्ट्री प्राप्त हो चुकी है तो वह प्रकाशन के 7 दिनो के अंदर केपरी हाउसिंग शाखा बालाघाट के अधिवक्ता चित्रेश बहादुर श्रीवास्तव के पास आकर अपनी आपत्ति करवा सकता है। इसके उपरान्त किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य नही होगी तथा शून्य होगी एवम केपरी हाउसिंग फाइनेंस शाखा बालाघाट पर बंधनकारी नहीं होगी।

बालाघाट

चित्रेश बहादुर श्रीवास्तव

आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की अनंतिम चयन सूची जारी

07 दिवस के भीतर दावा आपत्ति आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग, बालाघाट (नवीन) द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए 10 जनवरी 2026 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए थे। विकासखंड स्तरीय चयन समिति द्वारा आवेदनों का परीक्षण करने के उपरांत अनंतिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। इस अनंतिम वरीयता सूची पर 07 दिनों के भीतर दावे आपत्ति आमंत्रित किये गए है।

परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री शैलेंद्र चौकसे ने बताया कि आंगनवाडी सहायिका के लिए नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड क्रमांक 19 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 43 में मनीषा तरामडे का प्रथम वरीयता, रीना शेंडे को द्वितीय और ईशिका बोरकर को तृतीय वरीयता दी गई है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 05 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 16 में प्रीति डोंगरे को प्रथम, वंदना बाघेश्वर को द्वितीय तथा कृष्णा मानेश्वर को तृतीय वरीयता में रखा गया है। वार्ड क्रमांक 03 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 75 में फिजा अंजुम को प्रथम, संतोषी अहिंगरे को द्वितीय और फिरदौस को तृतीय वरीयता प्राप्त हुई है। वार्ड क्रमांक 24 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 52 में निधि मेश्राम का प्रथम, चेताली कालसर्पे का द्वितीय और अदिति शर्मा को तृतीय वरीयता तथा वार्ड क्रमांक 13 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 34 में नेहा मेश्राम को प्रथम, प्रतिमा बारमाटे को द्वितीय और समीक्षा उइके को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। इस अनंतिम वरीयता सूची पर यदि किसी अभ्यर्थी को सूची पर दावा आपत्ति करना है तो वह mponline द्वारा तैयार चयन पोर्टल https://chayan.mponline.gov.in के माध्यम से 07 दिनों के भीतर ऑनलाइन दावा आपत्ति प्रमाण के साथ दर्ज कर सकता है। निर्धारित समय के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

आजीविका मिशन से जुड़कर कुल्पा की महिलाओं के जीवन में आयी खुशियां

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बना महिलाओं का समूह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। *जिले के लांजी विकासखंड के ग्राम कुल्पा की 13 साधारण लेकिन दृढ़ निश्चयी महिलाओं ने जब कृष्णा आजीविका स्व-सहायता समूह की शुरुआत की, तब उनके पास सीमित संसाधन थे, लेकिन हौसले असीमित थे। छोटे-छोटे सपनों और बड़े इरादों के साथ बना यह समूह आज पूरे गांव में आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुका है।*

समूह के गठन के साथ ही सभी सदस्यों ने अनुशासन और एकजुटता को अपनी ताकत बनाया। पहले 11 सूत्रों का पालन शुरू किया गया, जो समय के साथ बढ़कर 13 सूत्र हो गए। नियमित बैठकें, हर माह बचत, समय पर ऋण वापसी और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया ने समूह को मजबूत आधार दिया। यही अनुशासन आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी पूंजी बना। शुरुआती छह महीनों में ब्लॉक कार्यालय के मार्गदर्शन से समूह को 13 हजार रुपये की चक्रीय निधि प्राप्त हुई। यह राशि सदस्यों ने छोटे-छोटे ऋण के रूप में ली और समय पर लौटा दी। इसी के साथ समूह में आर्थिक लेन-देन की निरंतर प्रक्रिया शुरू हुई और आत्मविश्वास बढ़ता गया।

इसके बाद बैंक सखी के सहयोग से समूह को प्रथम सीसीएल के रूप में 01 लाख रुपये का ऋण मिला। दस सदस्यों ने इस राशि को कृषि कार्य में लगाया और 12 महीनों में ब्याज सहित पूरी राशि बैंक को लौटा दी। यह सफलता उनके लिए नई उड़ान का आधार बनी। द्वितीय सीसीएल के तहत 02 लाख रुपये प्राप्त हुए। पुस्तकला दीदी ने खेत में बोर कराने के लिए 40 हजार रुपये लिए, इमला शेंडे दीदी ने जनरल स्टोर्स और पान दुकान के लिए 30 हजार रुपये, आशा नागपुर, श्याम कला और सत्यभामा बोपचे दीदियों ने बकरी पालन के लिए राशि ली। वहीं नीरा दशहरे दीदी ने 50 हजार रुपये अपनी बेटियों की पढ़ाई में लगाए। सभी ने 12 माह के भीतर ऋण ब्याज सहित चुका दिया।

तृतीय सीसीएल में समूह को 03 लाख रुपये प्राप्त हुए। वछला दशहरे दीदी ने ऑनलाइन सेंटर शुरू किया, पुस्तकला वर्मा दीदी ने ट्रैक्टर खरीदा और रामबती दमाहे दीदी ने सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया। इन गतिविधियों ने न केवल उनकी आय बढ़ाई बल्कि गांव में रोजगार के अवसर भी सृजित किए। चतुर्थ सीसीएल के रूप में पुन: 03 लाख रुपये प्राप्त हुए। मीरा फूंडे दीदी ने 50 हजार रुपये से बकरी पालन, विमला नगपुरे दीदी ने 70 हजार रुपये से खेत में बोर, इमला शेंडे दीदी ने 50 हजार रुपये दुकान विस्तार और वछला दशहरे दीदी ने 01 लाख 30 हजार रुपये से कपड़ा दुकान की शुरुआत की। ग्राम संगठन से 01 लाख 10 हजार रुपये की ष्टढ्ढस्न राशि भी मिली, जिससे पुस्तकला वर्मा दीदी ने 50 हजार रुपये से दूसरा ट्रैक्टर खरीदा और नीरा दशहरे दीदी ने 50 हजार रुपये से अपनी बेटियों की उच्च शिक्षा जारी रखी।

आज इस समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो चुकी हैं। वछला दीदी की मासिक आय लगभग 20 हजार रुपये, पुस्तकला दीदी की 25 हजार रुपये, रामबती और इमला शेंडे दीदी की लगभग 15 हजार रुपये तथा विमला नागपुर दीदी की 08 हजार रुपये हो गई है। बकरी पालन और कृषि से जुड़ी अन्य दीदियां भी 04 से 05 हजार रुपये मासिक आय अर्जित कर रही हैं।

सबसे प्रेरणादायक कहानी है नीरा दशहरे दीदी की। उन्होंने समूह से मिले सहयोग और ऋण का सदुपयोग करते हुए अपनी तीनों बेटियों को शिक्षित किया। आज उनकी तीनों बेटियां नौकरी कर रही हैं और लगभग 01 लाख रुपये मासिक आय अर्जित कर रही हैं। यह उपलब्धि न केवल एक मां के संघर्ष की जीत है, बल्कि पूरे समूह की सामूहिक शक्ति का प्रमाण भी है।

अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की हत्या पर अधिवक्ताओं में आक्रोश

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने लांजी अधिवक्ता संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश में अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गहरा आक्रोश फैल गया है। शिवपुरी जिले के करेरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी 2026 को दिनदहाड़े गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस जघन्य घटना ने पूरे प्रदेश के अधिवक्ता समुदाय को झकझोर दिया है और न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधिवक्ता समुदाय में रोष और विरोध

इस घटना के बाद मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद ने 15 फरवरी 2026 को विशेष सामान्य सभा बुलाई, जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव क्रमांक 03/जी.बी./2026 पारित किया गया। इसमें हत्या की कड़ी निंदा की गई और अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू करने की मांग की गई। परिषद के आह्वान पर 16 फरवरी 2026 को पूरे प्रदेश में अधिवक्ताओं ने न्यायालयीन कार्य का बहिष्कार किया और प्रतिवाद दिवस मनाया। एसडीएम/तहसीलदार कार्यालयों में मुख्यमंत्री और शासन के नाम ज्ञापन सौंपे गए।

मुख्य मांगें

तत्काल प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और फास्ट-ट्रैक सुनवाई। अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ठोस कदम। अधिवक्ताओं का कहना है कि पिछले 20 वर्षों से यह मांग उठ रही है, लेकिन सरकार केवल आश्वासन देती रही है। यदि 7 दिनों में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो व्यापक आंदोलन, भोपाल में सीएम हाउस का घेराव और अन्य कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। अधिवक्ताओं का तर्क है कि यदि न्याय दिलाने वाले स्वयं असुरक्षित रहेंगे, तो आम जनता का न्याय व्यवस्था पर विश्वास डगमगा जाएगा।

लांजी अधिवक्ता संघ ने सौंपा ज्ञापन

लांजी अधिवक्ता संघ ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान चितरंजन दास मचिया, जय प्रकाश खानोरकर, शाहबाज क़ादरी, अजाज़ डी ख़ान, एन आर समरिते, रमनकुमार झा, लोकेश बिहोने, नरेंद्र नागपुरे, आशीष नेवारे, अनमोल तिड़के, कृष्णा कुमार खोबरगाड़े, बबीता पशीने, वेंकट रमन सोनवाने, रवि तिड़के, नीलकंठ भटेरे, जितेंद्र कुमार रहंगड़ाले, नीलोफर खान, शशि प्रभा श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

दिवंगत अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अधिवक्ता समुदाय ने शासन से संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

शराब नहीं देने पर तीन युवकों ने शराब दुकान के कर्मचारी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटोरी में शराब दुकान के एक कर्मचारी को तीन लोगों ने शराब नहीं देने पर मारपीट कर दिए और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीती रात 3ः00 बजे करीब यह घटना ग्राम कटोरी के शिव मंदिर के पास उस समय हुई जब शराब दुकान का यह कर्मचारी शायरी का कार्यक्रम देखने के लिए गया था। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में विकास गोवारी ग्राम कटोरी निवासी सहित तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा प्रसाद लिल्हारे 36 वर्ष ग्राम मंगलेगांव निवासी पिछले 1 वर्ष से शराब दुकान कटोरी में काम करता है और वहीं पर रहता है। 15 फरवरी की रात दुर्गा प्रसाद शराब दुकान बंद करने के बाद, शराब दुकान के बाजू वाले कमरे में सो रहा था। रात करीब 12:30 बजे बाहर से आवाज आई, तब दुर्गा प्रसाद कमरे से बाहर आया देखा। सामने कटोरी निवासी विकास गोवारी अपने दो साथियों के साथ खड़ा था और वे दुर्गा प्रसाद से शराब मागने लगे। दुर्गा प्रसाद ने उन्हें बोला की दुकान बंद हो गई है सुबह आना बोलकर उसने शराब नही दी। उसके बाद विकास और उसके दोनों साथी शराब नही देने पर दुर्गा प्रसाद को धमकाते हुए वहा से चले गए। रात्रि में ग्राम कटोरी के शिव मंदिर के पास दुयम शायरी का कार्यक्रम था। रात 3ः00 बजे दुर्गा प्रसाद शायरी का कार्यक्रम देखने के लिए गांव के शिव मंदिर तरफ गया था और वह कार्यक्रम देख रहा था। तभी विकास गोवारी अपने दो साथियों के साथ उसके पास आयेऔर अश्लील गालियां देने के साथ तीनों शराब नहीं देने की रंजिश को लेकर उसे हाथ भूसे लकड़ी से मारपीट करने लगे। विकास ने एक बड़ा पत्थर उठाकर दुर्गा प्रसाद के सिर में मार दिया ।जिससे उसका सिर फट गया और तीनों दुर्गा प्रसाद को शराब नहीं देने पर जान से मार डालने की धमकी देकर फरार हो गये। तीनों युवक द्वारा की गई मारपीट में दुर्गा प्रसाद घायल हो गया था। जिसका इलाज खैरलांजी के अस्पताल में करवाया गया। खैरलांजी पुलिस ने दुर्गा प्रसाद लिल्हारे द्वारा की गई रिपोर्ट पर विकास गोवारी और उसके दो साथियों के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की सम्बंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

ई-अटेंडेंस नही लगाने वाले शिक्षकों का वेतन काटने के आदेश

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 16 फरवरी को जिले के सभी विकासखंड के बीईओ एवं बीआरसी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान एवं सर्व शिक्षा अभियान के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समनव्यक श्री जीपी बर्मन, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया भी उपस्थित थी। बैठक में ई-अटेंडेंस, छात्रवृत्ति वितरण, विद्यार्थियों के नामांकन, ड्रापआउट पुस्तक वितरण, मेंटर विजिट एवं एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक शाला व आंगनवाडी की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि शिक्षकों की हमारे शिक्षक एप्प पर ई-अटेंडेंस अनिवार्य रूप से लगायी जाए और इसमें कमी नही आना चाहिए। ई-अटेंडेंस नही लगाने वाले शिक्षको का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि कोई भी छात्र छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित नही रहना चाहिए। छात्रवृत्ति के लिए ओटीआर एवं प्रोफाईल अपडेशन का कार्य पूर्ण नही करने वाले प्राचार्यों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। समीक्षा में पाया गया कि विकासखंड बालाघाट, बैहर, बिरसा एवं खैरलांजी में प्रोफाईल अपडेशन का कार्य संतोषजनक नही है। इस पर इन विकासखंडों के खण्ड शिक्षा अधिकारियों को 17 फरवरी तक यह कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि जिन अशासकीय शालाओं द्वारा इसमें सहयोग नही दिया जा रहा है उनके विरूद्ध कार्यवाही करें।

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जिले के 259 हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल भवनों में मरम्म्त, सुधार एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण के कराये गए कार्यों की यू-डाइस पोर्टल पर शीघ्रता से एंट्री करने के निर्देश दिये गए। स्कूल भवनों के अनुरक्षण के लिए जिन शालाओं में प्राचार्यों द्वारा कार्य कराया गया है, उसकी सूची राशि सहित उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही शाला भवनों के अनुरक्षण के लिए मिली राशि किस-किस मद में खर्च की गई है इसकी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने कहा गया। इस दौरान बताया गया कि जिले के नवेगांव एवं कोथुरना स्कूल में बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की जनवरी 2026 में स्वीकृति प्राप्त हुई है। इन शालाओं में बालिका शौचालय का कार्य शाला प्रबंधन समिति द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है और मार्च के प्रथम सप्ताह में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा।

सर्व शिक्षा अभियान के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने नवीन सत्र में प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं मे छात्र छात्राओं के नामांकन मे वृद्धि करने एवं ड्रापआउट में कमी लाने के निर्देश दिये और कहा कि इसकी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से एंट्री की जाए और बालाघाट जिले की प्रदेश में अच्छी स्थिति होना चाहिए। पाठ्य पुस्तक वितरण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में पाठ्यपुस्तक वितरण की पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री की जा चुकी है। बैठक में प्राथमिक शाला एवं उसके करीब में संचालित आंगनवाडी केंद्रो की पोर्टल पर शीघ्रता से एंट्री करने के निर्देश दिये गए। समीक्षा के दौरान सर्व शिक्षा अभियान के दोनो सहायक परियोजना समन्वयक का कार्य संतोषजनक नही पाए जाने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश दिये गए।

हॉक फोर्स कनकी एवं मॉयल एकादश भरवेली ने जीता मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में खेले जा रहे स्व पत्रकार सुदेश पौराणिक स्व सुनील बिसेन ओम भारद्वाज मुकेश बढ़ई सुरेन्द्र शुक्ला अनीश खान स्मृति हीरो सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन का पहला मैच अधिवक्ता एकादश एवं हॉक फोर्स के बीच खेला गया।जिसमें बतौर अतिथि डॉ दिनेश धुर्वे युवा

समाजसेवी,प्रवेश मलेवार अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, महेंद्र बिसेन सचिव जिला अधिवक्ता संघ,दिलीप चौधरी उपाध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, डॉ जसबीर सिंह सौंधी मौजूद रहे। हॉक फोर्स के कप्तान शक्ति सिंह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 208 रन बनाए जिसमें लक्की ने 55 रन मुकेश सागर 57 रन राहुल मड़ावी 36 रन का योगदान दिया।अधिवक्ता एकादश की ओर से लक्की भाटिया,पंचम खैरवार ने दो दो विकेट एवं अभिषेक डहाके ,कमलेश उइके ने एक एक विकेट प्राप्त किए।निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी अधिवक्ता एकादश अपने सभी विकेट खोकर 115 रन ही बना सकी।जिसमें लक्की भाटिया 32 रन,दयाल वासनिक 23 रन का योगदान दिया। हॉक फोर्स की ओर से टीकाराम ने 4 विकेट,अजय मिश्रा,मुकेश सागर,शैलेन्द्र यादव ने एक एक विकेट हासिल किए।

हॉक फोर्स ने 93 रन से मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया

मुकेश सागर को हरफन मौला खेल की बदौलत मैन ऑफ द मैच चुना गया।दूसरा मैच राजा भोज फाउंडेशन एवं मॉयल एकादश भरवेली के बीच खेला।जिसमें बतौर अतिथि आनंद कोछड़ युवा समाजसेवी एवं विशाल बिसेन जिला अध्यक्ष क्षत्रिय पंवार संगठन, डॉ सौरभ वरदानी, डॉ विश्वेश्वर विरुलकर सहयोग हॉस्पिटल उपस्थित रहे।मॉयल एकादश भरवेली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।मॉयल एकादश भरवेली ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 208 रन बनाए जिसमें सोनू मडावी ने 94 रन,दीपक तांबे ने 32 रन धनपाल दुरयाम ने 22 रन का योगदान दिया।राजा भोज की ओर से तपन राजा चौधरी,कार्तिक बिसेन, मोजेश बघेल ने एक एक विकेट प्राप्त किए।जवानी पारी खेलने मैदान में उतरी राजा भोज फाउंडेशन 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी।राजा भोज फाउंडेशन की ओर से निखिल पारधी ने 58 रन,मोजेश बघेल ने 64 रन का दिया।मॉयल एकादश भरवेली की ओर से मोंटू ने 3 विकेट सोमू ने 2 विकेट प्राप्त किए।इस प्रकार मॉयल एकादश भरवेली ने 33 रन से मैच जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया।मॉयल एकादश भरवेली के सोनू मडावी को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया। मैच के दौरान अंपायर की भूमिका अजय शुक्ला, संदीप भीमटे, चंद्रेश चौहान,सोनू यादव एवं स्कोरिंग शुभम मेश्राम एवं कमेंट्री रजनीश राहंगडाले,आकाश श्रीवास्तव अजय बिसेन, द्वारा की गई। प्रतियोगिता के चौथे दिन का पहला मैच डॉ बी आर अंबेडकर एजुकेशन सोसाइटी एवं मेडिकल एकादश के मध्य सुबह 9 बजे एवं दूसरा मैच मॉयल एकादश भरवेली एवं हॉक फोर्स कनकी के बीच दोपहर 1 बजे खेला जाएगा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत भोज महासचिव ओमेंद्र,उपाध्यक्ष श्रवण शर्मा,रजनीश राहंगडाले,रफी अहमद अंसारी,यमलेश बंजारी,महेंद्र अमूले, आकाश श्रीवास्तव,सुनील कोरे,नईम खान,अरविंद अग्निहोत्री,संजय बिसेन, अजय नारायण तिवारी योगेश देशमुख,संदीप आश्वले, योगेश गौतम, हितेश ठाकरे, अशोक शुक्ला,अखिलेश ठाकुर,मनीष जैन, अनुराग झा, माही चौहान,गुणेश्वर सहारे, गुड्डू गोंड ,देवेंद्र रनगिरे गजोधर, कमल कोडले सहित समस्त साथियों ने खेलप्रेमी जनता से उपस्थिति का आग्रह किया है।

कक्षा 12वीं का संस्कृत प्रश्नपत्र की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

17 फरवरी को 10वीं का अंग्रेजी विषय की परीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 16 फरवरी को माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के तहत जिलेभर में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत विषय का प्रश्नपत्र हल किया। परीक्षा सभी निर्धारित केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार किसी भी परीक्षा केंद्र पर नकल का कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। अब 17 फरवरी को कक्षा 10वीं का अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र आयोजित किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है। जिले में इन दिनों माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित की जा रही हैं। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं अलग-अलग तिथियों में विभिन्न विषयों के साथ संपन्न हो रही हैं। 16 फरवरी को कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत विषय का प्रश्नपत्र हल किया। इसके लिए जिले में कुल 59 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा में 2059 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 2023 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जबकि 36 अनुपस्थित रहे। राहत की बात यह रही कि जिले के किसी भी परीक्षा केंद्र पर नकल का एक भी प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। दोनों कक्षाओं की परीक्षाओं का समय सुबह 9ः00 बजे से दोपहर 12ः00 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए विशेष उड़नदस्ता दल सक्रिय है तथा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार अब तक जिले में एक भी

नकल प्रकरण सामने नहीं आया है। वहीं आगामी दिनों में परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य की तैयारी भी शुरू की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार संबंधित शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद शीघ्र ही जिले में उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

साकरी टोला में मारपीट एक व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम साकरी टोला में की गई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति इट्ठल राव पिता चेनूलाल बिहोने 50 वर्ष ग्राम साकरी टोला चौकी किन्हीं निवासी को किरनापुर के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में राकेश पिता ताराचंद बिहोने ग्राम साकरी टोला निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इट्ठल राव बिहोने अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 15 फरवरी को 1ः00 इट्ठलराव का बेटा कृष्णा बिहाने अपने छोटे भाई चेतन और राकेश बिहोने के साथ गायमुख झिरिया टोला ककोड़ी मेला घूमने गए थे। 3ः00 बजे करीब राकेश मेला से अकेले अपने घर वापस हो गया था। कृष्णा ने सोचा कि उसका छोटा भाई चेतन शाम तक मेला देखकर गांव के अन्य लोगों के साथ घर वापस आ जाएगा और यह सोचकर वह अपने घर आ गया था। किंतु शाम 5ः30 बजे तक चेतन घर नहीं लौटा था । चेतन के गांव में दिखाई नहीं देने पर कृष्णा ने अपने पिता इट्ठल राव के साथ चेतन को गांव और मेले में जाकर ढूंढे किंतु वह दिखाई नहीं दिया। शाम 7ः00 बजे उन्होंने राकेश बिहोने से पूछे, उस समय वह गांव के सेवक राम भटेरे के घर के सामने आंगन में था। चेतन के बारे में पूछने पर राकेश भड़क गया और वह इट्ठल राव को मुझे पूछने वाला कौन होता है, कहकर अश्लील गालियां देने लगा। इट्ठलराव ने उसे गालियां देने से मना किया तभी राकेश ने विट्ठल राव को हाथ घूसे से मारपीट कर दिया और पास में रखी स्टिल की गिलास सिर में मारा , जिससे इट्ठल राव का सिर फट गया। इसी दौरान गांव मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव किये। मारपीट में इट्ठल राव घायल हो गया था। जिसे 108 एंबुलेंस से किरनापुर अस्पताल ले जाकर भर्ती किये। किरनापुर पुलिस ने कृष्णा पिता इट्ठलराव बिहोने 22 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर राकेश बिहोने के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 18 फरवरी को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 18 फरवरी 2026 को प्रात: 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (छ्ड्डस्रू) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे समस्त कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है।

कायदी रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास में जलभराव, कीचड़ और मलबा से छात्र-छात्राएं परेशान

जान जोखिम में डालकर पार करनी पड़ रही रेलवे लाइन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी रेलवे लाइन पर स्थित ग्राम कायदी के रेलवे स्टेशन के समीप बने अंडरपास में लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण जलभराव और कीचड़ की गंभीर समस्या बनी हुई है। रेलवे विभाग की लापरवाही के चलते राहगीरों, ग्रामीणों और विशेष रूप से विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।अंडरपास में पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण तो किया गया है। लेकिन उसमें भी कीचड़ और मलबा जमा होने से पानी की निकासी पूरी तरह बाधित है। परिणामस्वरूप अंडरपास में स्थायी रूप से पानी भरा रहता है और कीचड़ जमा हो जाता है।अंडरपास में कीचड़ मलबा होने के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं को मजबूरन रेलवे स्टेशन के पास से ही ऊपर रेलवे क्रॉसिंग पार कर आना-जाना पड़ रहा है। विद्यालय समय के दौरान ट्रेनों का लगातार आवागमन बना रहता है, जिससे हर दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पूर्व में भी रेलवे विभाग को समस्या से अवगत कराया गया था।लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है।

2 दिन में सफाई कर दी जाएगी- पीडब्ल्यूआई सतीश पाटिल

इस संबंध में रेलवे विभाग के पीडब्ल्यूआई सतीश पाटिल से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने आश्वासन दिया है कि कायदी रेलवे स्टेशन के समीप स्थित अंडरपास की पूर्ण रूप से साफ-सफाई आगामी दो दिनों में करवा दी जाएगी, ताकि जलभराव की समस्या का समाधान हो सके।

अस्पताल परिसर में खड़ी रही एम्बुलेंस, कॉल सेंटर ने कहा- आने में लगेगा समय, जननी एक्सप्रेस वाहन की देरी से प्रसव उपरान्त नवजात की मौत

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

भोपाल कॉल सेंटर पर सूचना देने के घंटों बाद भी नही पहुंची जननी एक्सप्रेस

म.प्र. सरकार की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की घोषणा धरातल पर खोखली साबित हो रही है जिसका एक ताजा उदाहरण लालबर्रा क्षेत्र में देखने को मिला है। जहां 15 फरवरी की रात करीब 3 बजे ग्राम पंचायत बकोड़ा निवासी 26 वर्षीय श्रीमती भूमेश्वरी पंचेश्वर को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। जिसके पश्चात परिजनों ने तत्काल आशा कार्यकर्ता को सूचना दी। जिसके बाद आशा कार्यकर्ता के द्वारा डायल 108/जननी कॉल सेंटर पर जानकारी दी कि महिला को तत्काल लालबर्रा अस्पताल लेकर जाना है। किन्तु उन्होने कहा कि समय लगेगा। वहीं प्रसव पीड़ा अत्यधिक होने के कारण महिला ने घर पर ही एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया। उसके बाद भी जननी एक्सप्रेस (108) वाहन नही पहुंच पाई और नवजात ब'चें को समय पर उपचार नही मिलने से उसकी मौत हो गई। इस तरह से स्वास्थ्य विभाग की 'जननी एक्सप्रेस' भोपाल कॉल सेंटर सेवा की लापरवाही के कारण एक नवजात को दुनिया देखने से पहले ही अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं परिजनों का आरोप है कि गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा से तड़प रही थी। लेकिन भोपाल कॉल सेंटर में कॉल करने पर उनके द्वारा वाहन एक घंटे बाद आने की बात कही गई। लेकिन इसकी जानकारी भोपाल कॉल सेंटर के कर्मचारियों के द्वारा लालबर्रा अस्पताल में सेवा देने वाली जननी एक्सप्रेस वाहन को नही दी गई। जबकि जननी एक्सप्रेस (108) वाहन अस्पताल में ही खड़ी थी। अगर भोपाल कॉल सेंटर के कर्मचारी लालबर्रा अस्पताल में खड़ी 108 वाहन के कर्मचारियों को जानकारी दे देते कि बकोड़ा से प्रसव के लिए महिला को अस्पताल लेकर आना है और समय पर जननी एक्सप्रेस वाहन की मदद मिल जाती तो नवजात बच्चें की मौत नही होती। वहीं लालबर्रा अस्पताल में उपलब्ध जननी एक्सप्रेस वाहन के कर्मचारी का कहना है कि हमें कोई कॉल नही आया कि बकोड़ा से प्रसव के लिए महिला को अस्पताल लेकर आना है। भोपाल के कॉल सेंटर के गैर जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्यवाही करने एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करने की मांग पीड़ितजनों ने शासन-प्रशासन से की है।

बाइक पर अस्पताल ले जाने को मजबूर हुए परिजन

आपकों बता दे कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल तक पहुंचाने के लिए जननी एक्सप्रेस (108) वाहन प्रारंभ की गई है। जिसका संचालन कॉल सेंटर भोपाल से किया जाता है। जब किसी को जननी एक्सप्रेस/108 वाहन की आवश्यकता होती है तो उन्हे भोपाल कॉल सेंटर पर फोन करना पड़ता है जहां पूरी जानकारी देने के बाद उनके द्वारा जिस एरिया से कॉल आया है उस एरिया के जननी एक्सप्रेस (एम्बुलेंस) वाहन के कर्मचारी को जानकारी दी जाती है। ताकि पीड़ित को समय पर वाहन की सुविधा मिल सके। लेकिन बीती रात्रि में प्रसव पीड़ा से तड़प रही बकोड़ा निवासी 26 वर्षीय श्रीमती भूमेश्वरी पंचेश्वर के परिजन व आशा कार्यकर्ता ने जननी एक्सप्रेस वाहन की मदद लेने के लिए जननी एक्सप्रेस कॉल सेंटर भोपाल फोन लगाये। जिनके द्वारा कहा गया कि एक घंटा लगेगा वाहन को पहुंचने में। जिसके बाद प्रसव पीढ़ा अत्यधिक बढ़ने पर महिला ने घर पर ही स्वस्थ बालक को जन्म दिया। उसके बाद भी जननी एक्सप्रेस वाहन नही पहुंचा। तो परिजन मजबूरी में प्रसूता और नवजात को मोटरसाइकिल पर बैठाकर लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद नवजात ब'चे को मृत घोषित कर दिया। हालांकि महिला की स्थिति स्वस्थ है और उसका उपचार जारी है। जबकि जिस समय 108/जननी एक्सप्रेस कॉल सेंटर भोपाल फोन किया गया था। उस समय लालबर्रा अस्पताल में जननी एक्सप्रेस वाहन खड़ी थी। इस तरह से प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को कॉल सेंटर भोपाल के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण समय पर जननी एक्सप्रेस की मदद नही मिल पाई। वहीं पीड़ित परिवार ने स्वास्थ्य विभाग और कॉल सेंटर के कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाये है और उनका कहना है कि जिस समय मदद मांगी गई, उस समय जननी वाहन लालबर्रा अस्पताल परिसर में ही खड़ा था किन्तु भोपाल कॉल सेंटर के कर्मचारियों ने बिना वस्तुस्थिति जाने एक घंटे की देरी की बात कही। अगर समय पर एम्बुलेंस मिल जाती तो ब'चे को बचाया जा सकता था। आगे कहा कि सरकार ने गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए करोड़ों खर्च कर जननी एक्सप्रेस शुरू की है, लेकिन कॉल सेंटर की लापरवाही और जमीनी समन्वय की कमी के कारण आज मेरे बच्चें की मौत हो गई। परिजन एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

मोटरसाइकिल से आये थे अस्पताल - भूमेश्वरी

श्रीमती भूमेश्वरी पंचेश्वर ने बताया कि प्रसव पीड़ा होने पर रात में आशा कार्यकर्ता को सूचना दी गई। जिसके बाद आशा कार्यकर्ता ने जननी एक्सप्रेस को फोन लगाई कि 108/जननी एक्सप्रेस वाहन जल्दी भेंजों, लेकिन वहां से गाड़ी नहीं होने की जानकारी मिली। ऐसी स्थिति में घर पर ही डिलीवरी हो गई, जिसके बाद मोटरसाइकिल से बच्चें एवं मुझे अस्पताल लाया गया किन्तु बच्चें की मौत हो गई। अगर जननी एक्सप्रेस समय पर आ जाती तो बच्चें की जान बच जाती।

जननी एक्सप्रेस वाहन नही पहुंचा - यशलाल

यशलाल बिसेन ने बताया कि मेरी बहु गभर्वती थी, जिसे रविवार एवं सोमवार की रात करीब 3 बजे प्रसव पीड़ा हुई तो आशा कार्यकर्ता को जानकारी दी गई। जिनके द्वारा जननी एक्सप्रेस वाहन के कॉल सेंटर में फोन लगाया गया तो उन्होने कहा कि वाहन खाली नही है, समय लगेगा। वहीं वाहन समय पर नही आने के कारण घर पर ही बहु ने एक स्वस्थ बच्चें को जन्म दिया, लेकिन जननी एक्सप्रेस वाहन नही आया। जिसके बाद मोटरसाइकिल से नवजात ब'चें एवं बहु को लेकर लालबर्रा अस्पताल आये किन्तु बच्चें की मौत हो चुकी थी। श्री बिसेन ने बताया कि जब हम अस्पताल पहुंचे तो जननी एक्सप्रेस वाहन अस्पताल परिसर में खड़ी थी किन्तु उनका कहना था कि हमें आगे से कोई फोन नही आया है। इस तरह से जननी एक्सप्रेस कॉल सेंटर की लापरवाही से नवजात बच्चें की मौत हुई है। श्री बिसेन ने बताया कि शासन के द्वारा गरीबों के लिए योजना प्रारंभ की गई है परंतु जब गरीबों को आवश्यकता पड़ती है जननी एक्सप्रेस वाहन उपलब्ध नहीं हो पाती है, अस्पताल में खड़ी रहने के बाद भी बाहर होने की बात कही जाती है, प्रशासन से मांग है कि दोषियों पर कार्यवाही करें।

बुट्टा ह. में संगीतमय शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ जारी

हवन-पूजन एवं भंडारा का आयोजन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के पावन उपलक्ष्य पर शिव मंदिर समिति के तत्वाधान में गत दिवस से संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ जारी है। जिसका समापन 17 फरवरी को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण कर किया जायेगा। इस संगीतमय शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक एवं शाम 7.30 बजे से रात 11.30 बजे पंडित शिवानंद जी महाराज अपनी सुमधुर वाणी में भगवान भोलेनाथ की विविध जीवन लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दे रहे है। वहीं महाशिवरात्रि पर्व के दिन 15 फरवरी को भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती के प्रसंग और भोलेनाथ के महिमा का बखान किया गया। साथ ही भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती विवाह प्रसंग के दौरान उपस्थित श्रध्दालुजनों ने झुमते हुए कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं इस 7 दिवसीय शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ से पुरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है और बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। आयोजन सत्य सांई सेवा समिति संरक्षक लक्ष्मीनारायण झंझाड़े ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर प्राचीन शिव मंदिर परिसर में गत दिवस से संगीतमय शिव महारपुराण ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथावाचक पंडित शिवानंद जी महाराज अपनी सुमधुर वाणी से भगवान भोलेनाथ की विविध जीवन लीलाओं का रसपान करा रहे है एवं भजनों और भगवान के प्रसंगों से क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। श्री झंझाड़े ने बताया कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के विशेष अवसर पर कथा वाचक के द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह पर अत्यंत मनमोहक वर्णन किया गया और भोलेनाथ की महिमा का बखान सुनते ही पंडाल में उपस्थित श्रध्दालु भाव-विभोर हो उठे एवं भजनों की धुन पर जमकर झूमे। इस शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ से पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है। आगे बताया कि 17 फरवरी को इस आध्यात्मिक महोत्सव का हवन-पूजन एवं भंडारे के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

देवों के देव महादेव के जयकारों के साथ भगवान भोलेनाथ की निकली शिव बारात

झांकिया रही आकर्षण का केन्द्र, श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में हवन-पूजन एवं भंडारा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति के तत्वाधान में गत 8 फरवरी से सात दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा था। जिसका समापन हवन-पूजन, वरिष्ठजनों का सम्मान एवं भंडारारूपी महाप्रसादी वितरण के साथ सोमवार को किया गया। वहीं इस 7 दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ महायज्ञ चित्रकूट धाम (उत्तर प्रदेश) से पधारे विद्वान आचार्य पंडित अशोक कुमार पाण्डेय एवं आचार्य पंडित विमल मिश्रा के सानिध्य में संपन्न करवाया गया। वहीं महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 फरवरी को शाम में श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर से देवों के देव महादेव के जयकारों के साथ भगवान भोलेनाथ की डीजे एवं जीवंत झाकियों के साथ शिव-बारात निकाली गई। यह शिव बारात नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंची जहां भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती का विवाह संपन्न करवाया गया। इस दौरान शिव भक्तजनों के द्वारा शिव बारात में जमकर नृत्य भी किया गया। साथ ही इस शोभायात्रा में भगवान भोलेनाथ सहित अन्य भगवानों की जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। 16 फरवरी को शाम 6 बजे मंदिर में हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ और उपस्थितजनों ने हवनकुंड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात महाआरती की गई। जिसके बाद करीब 35 वरिष्ठजनों को शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तत्पश्चात भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया और क्षेत्रीय श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। चर्चा में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर-लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर गत दिवस से श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ जारी था। जिसके समापन पर विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करवाये गये है। साथ ही यह भी बताया कि महाशिवरात्रि पर्व के दिन मंदिर से भगवान शिव की बारात डीजे की धुन पर निकाली गई और पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद यह शिव बारात मंदिर पहुंची जहां भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती का विवाह संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अधि. संजयकुमार सक्सेना की निर्मम हत्या के विरोध में कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। म.प्र. के शिवपुरी जिले के करेरा अधिवक्ता संघ के सदस्य अधिवक्ता संजयकुमार सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई निर्मम हत्या के विरोध में पूरे प्रदेश सहित लालबर्रा में भी अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। रा'य अधिवक्ता परिषद के आव्हान पर 16 फरवरी को लालबर्रा तहसील अधिवक्ता संघ के सभी सदस्यों ने न्यायिक कार्य से विरत रहकर प्रतिवाद दिवस मनाया और कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ता संजयकुमार सक्सेना की हत्या करने वाले आरोपियों को फांसी की सजा देने एवं अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है। वहीं अधिवक्ता संघ के द्वारा शिवपुरी जिले के करेरा अधिवक्ता संघ के सदस्य अधि. संजयकुमार सक्सेना की हत्या के विरोध में लालबर्रा अधि. संघ के द्वारा प्रतिवाद दिवस मनाकर न्यायिक कार्य से विरत रहे और दिनभर उन्होने कोई न्यायिक कार्य नही किये। जिससे तहसील कार्यालय स्थित न्यायालय परिसर में सन्नाटा पसरा रहा और अधिवक्ताओं के द्वारा काम नही करने से दुर-दराज से आये पक्षकारों को भी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों ने कहा कि हम लोगों को न्याय दिलवाने के लिए काम कर रहे है, लेकिन अधिवक्ताओं पर हमला किया जा रहा है। गत दिवस शिवपुरी जिले के करेरा अधि. संघ के सदस्य अधि. संजयकुमार सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर निर्मम हत्या की गई है। इस घटना से पूरे प्रदेशभर के अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। अधिवक्ता प्रदेश में नही है सुरक्षित जिससे न्याय प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसलिए सरकार से मांग है कि अधिवक्ता संजयकुमार सक्सेना के हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने एवं अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है। इस अवसर पर अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

यह घटना निंदनीय है - अमित

अधि. अमित अग्रवाल ने बताया कि अपराधियों के हौसले बुलंद हो गये हैं, दिनदहाड़े करेरा शिवपुरी के अधिवक्ता संजयकुमार सक्सेना की गोली मारकर हत्या की गई है। यह घटना निंदनीय है, जिसके विरोध में आज प्रदेशभर के अधिवक्ताओं के द्वारा प्रतिवाद दिवस मनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया है। सरकार से मांग है कि अधि. प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें उक्त मांगे पूरी नही होने पर अधिवक्ता साथी सड़क पर उतरकर आंदोलन करने बाध्य होगें।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में मनाया गया प्रतिवाद दिवस - अजय

वरिष्ठ अधि. अजय कौशल ने बताया कि शिवपुरी में अधिवक्ता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या करने के विरोध में पूरे प्रदेश के अधिवक्ता प्रतिवाद दिवस मना रहे हैं। उसी के तहत लालबर्रा में भी प्रतिवाद दिवस मनाया गया है और इस तरह की घटनाओं को देखते हुए अधिवक्ता साथियों ने प्रदेश सरकार से प्रोटक्शन एक्ट लागू करने, दोषियों पर कठोर कार्यवाही और अधि. स्व. संजय सक्सेना के परिवार को आर्थिक सहयोग देने की मांग की है।

अधि. प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें सरकार - पवन

अधि. संघ लालबर्रा पूर्व सचिव पवन गौतम ने बताया कि अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के द्वारा अधि. संजयकुमार सक्सेना शिवपुरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस घटना से प्रदेशभर के अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही यह भी बताया कि विगत कई वर्षों से अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट की मांग की जा रही है परंतु सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है और निरंतर अधिवक्ताओं के साथ इस तरह की अपराधी घटनाएं घटित हो रही है। लालबर्रा अधिवक्ता संघ के द्वारा कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर सरकार सेअधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है।

पांढरवानी शांतिधाम में भोलेनाथ का किया गया जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्राम पंचायत पांढरवानी अंतर्गत आने वाली ग्राम उदासीटोला-पांढरवानी के शांतिधाम में स्थित बाबा भोलेनाथ के प्रतिमा स्थल में पांढरवानी पंचायत के द्वारा 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित श्रध्दालुओं के द्वारा भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया तत्पश्चात विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। इस दौरान पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने उपस्थितजनों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं उपस्थित श्रध्दालुजनों ने बताया कि टेंगनीकला मार्ग के उदासीटोला के समीप स्थित शांतिधाम में सरपंच अनीस खान के द्वारा विगत 8 से 9 वर्ष पूर्व भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा की स्थापना की गई है। आज महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखने की कामना की है और ग्रामीणजन भी पहुंचकर भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-पाठ कर आशीर्वाद प्राप्त किये। इस अवसर पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित ग्रामीणजन व श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

समाज में एकता, आस्था और प्रेम देने निकली शिव बारात-प्रदीप जायसवाल

जागेश्वर शिव मंदिर से निकली शिव बारात,पंचमुखी शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का माता पार्वती के साथ विवाह सम्पन्न

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

महाशिवरात्रि पर्व पर नगर के श्री जागेश्वर शिव मंदिर से भक्तों ने शिव बारात निकाली। इस शिव बारात में भगवान भोलेनाथ को दूल्हा बनाकर शिव गणों के साथ माता गौरा संग ब्याह रचाने पंचमुखी शिव मंदिर के लिए निकले। जिसमें हजारों शिवभक्तों के साथ पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल और विधायक विवेक पटेल भी शामिल हुए । जहाँ वे बारात में बज रहे बैंडबाजों की मधुर धुन पर भक्तों के साथ जमकर थिरके,शहर के मुख्य स्थानों से निकली शिव बारात में मुख्य आकर्षण महादेव के स्वरूप व उनके साथ भुत,प्रेत की फौज भस्म की होली खेलते हुए ढोल नगाड़ों की धुन पर झूमते नाचते हुए निकले। शहर में निकली इस शिव बारात का अनेकों जगह शिवभक्तों द्वारा पूजन अर्चन कर बारात का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान जहाँ जहाँ से भगवान भोलेनाथ की बारात गुजरी वह स्थल शिव भक्ति में रमा नजर आया। भगवान भोलेनाथ की यह बारात पुराने रामपायली मार्ग स्थित श्री जागेश्वर शिव मंदिर से निकाली गई जो गोलीबारी चौक, गाँधी चौक,आंबेडकर चौक,दुर्गा माता मंदिर,नेहरू चौक,जय स्तंभ चौक होते हुए नगरपालिका के सामने स्थित पंचमुखी शिव मंदिर पहुंची। जहां भगवान शिव जी का माता पार्वती के साथ विवाह संपन्न हुआ।

शिव बरातियों पर जगह जगह हुई पुष्प वर्षा

बारात पहुंचने के पश्चात समिति के द्वारा शिव की बरात में शामिल बरातियों का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर भगवान शिव की झांकी,भुत,प्रेत की आकर्षक झाकियों ने सजाई गई थीं। वहीं देवी जानरण के माध्यम से भगवान शिव के भजन प्रस्तुत किये जिसके बाद भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई। ततपश्चात भगवान शिव के साथ माता पार्वती का विवाह सम्पन्न किया गया ।

जागेश्वर शिव मंदिर से निकली शिव बारात

महाशिवरात्री पर्व के पावन अवसर पर नगर में स्थित जागेश्वर शिव मंदिर से भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया। जहाँ पूरे दिन भक्तों के द्वारा पूजा अर्चना की गई जिसके बाद भगवान् शिव का अर्धनारीश्वर श्रृंगार कर महाआरती की गई। तत्पश्चात् शाम करीब ६ बजे भगवान भोले शंकर की बारात शोभायात्रा के रूप में निकाली गई। इस दौरान शिव भक्त जमकर शिव भजनों पर झूमते नजर आयें।

शिव बारात में जीवंत झांकी रही आकर्षण का केंद्र

शिव बारात शोभायात्रा में भगवान शिव की जीवन झांकी आकर्षण का केंद्र रही। वहीं भगवान शिव के साथ भूत पिशाच और भगवान राम भगवान लक्ष्मण हनुमान जी चिम्पांड़ी की जीवंत झांकी भी इस शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र बनी रही। जहां पर शिव भक्तों के द्वारा जमकर भगवान शिव के गीतों पर नृत्य किया गया। वहीं शस्त्र प्रदर्शन और आतिशबाजी प्रमुख रूप से की गई। जिसे देखने के लिए मार्गो और गलियों में लोगों की भीड़ उनके घरों के सामने लग गई। सभी इस शोभायात्रा शिव बारात को देखकर काफी प्रसन्न चित्त नजर आयें।

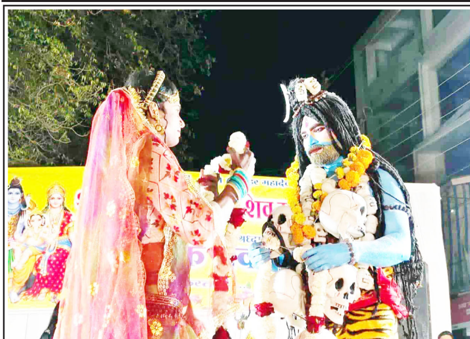

पंचमुखी शिव मंदिर में धूमधाम से हुआ विवाह

जागेश्वर शिव मंदिर से निकली भगवान शिव की शोभायात्रा शिव बारात नगर में करीब ३ घंटे पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद रात्रि में पंचमुखी शिव मंदिर पहुंची। जहां पर बारातीयों का घराती के रूप में उपस्थित शिव भक्तों ने भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद विधि विधान से मंत्र उच्चारण कर विवाह सम्पन्न कराया गया। जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न किया। विवाह संपन्न होने के बाद सभी शिवभक्तों ने भोजन किया।

आर्केस्ट्रा ने मचाई धूम

शिव पार्वती विवाह के दौरान पंचमुखी शिव मंदिर विवाह कार्यक्रम में आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। जिसमें श्री कान्हा म्यूजिकल ग्रुप सिवनी के द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी गई। जिसमें बाहर से आये कलाकारों के द्वारा एक से बढकर एक भगवान शिव भगवान कृष्ण वीर हनुमान सहित अन्य भक्ति गीतों एवं भजनो की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वहीं शिव पार्वती विवाह संपन्न होने पर बधाई गीत गाये गये। इस दौरान पूरे कार्यक्रम में झांकी आकर्षण का केंद्र रही जो आर्केस्ट्रा गीतों पर आकर्षक प्रस्तुति देते रहे जिसका उपस्थित जनों ने जमकर आनंद उठाया। इस विवाह स्थल पर आर्केस्ट्रा की प्रस्तुतियों पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,विधायक विवेक पटेल सहित अन्य भी उपस्थित भक्तों के साथ थिरकते नजर आयें।

शिव बारात में यह हुये शामिल

शिव पार्वती विवाह कार्यक्रम में बराती के रूप में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, संदीप मिश्रा, विक्की ऐडे ,मनोज दांदरे ,सुदेश सोनी ,प्रबल जायसवाल, मिलिंद नगपुरे ,अभिषेक नेवारे ,हरी क्षिरसागर ,विजय सोहाने ,श्रीराम सोहाने ,चिंटू जैन, तनिस्क सोहाने ,कार्तिक सोहाने ,पंकज जैन, वीरेंद्र सोहाने ,कमलेश सोहाने ,भय्यु अग्रवाल,मोनू लिमजे, अभिषेक नेवारे, आकाश लोधे, विशाल लोधे ,अंकित लिमजे, अनूप चौरसिया सहित नगर के गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधि सहित शिवभक्तों ने अपनी बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज करवाई।

भगवान शिव से हमें सदैव सकारात्मक सोच मिलती है-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा की वारासिवनी नगर की एक अलग ही पहचना है। शिव की बारात से पूरा नगर भक्तिमय हो गया भगवान महादेव सभी के दुखों को हमेशा दूर करते है और सम्पूर्ण विश्व का कल्याण करते है। भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की कृपा से समस्त जगत का कल्याण हो देवधिदेव महादेव की कृपा से घर आंगन सर्वदा धन्य धान से भरा रहता है। भगवान शिव से हमें सदैव सकारात्मक सोच मिलती है।

भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद सदैव क्षेत्र में बना रहे-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि वारासिवनी में भगवान भोलेनाथ माता पार्वती का विवाह में इतनी बड़ी बारात और जन समुदाय को संभालना भोलेनाथ का ही काम है। समुद्र मंथन हुआ जिसमें से अमृत और विश दोनों निकले विश महादेव ने पिया अपने गले में धारण किया जिससे वह नीलकंठेश्वर कहलायें। विश की ऊष्मा इतनी ज्यादा थी कि उनके शरीर में गर्मी बढ़ रही थी जिसे वह शांत करने के लिए समुद्र में चले गये। जिसके लिए सभी भगवानों में केवल भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जाता है। क्योंकि गर्मी के समय प्यासे को यदि एक गिलास पानी पिलाओ तो वह मुंह से ना बोले मगर आत्मा से आशीर्वाद देता है उसी प्रकार भगवान शिव भी आशीर्वाद देते हैं। भगवान शिव माता पार्वती का आशीर्वाद हमारे क्षेत्र में सदैव बना रहे।

महाशिवरात्रि पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने विभिन्न शिव धामों में किए दर्शन-पूजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र में भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी दिन भर विभिन्न प्रमुख शिव मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन एवं जलाभिषेक करते रहे। उन्होंने प्रत्येक स्थल पर क्षेत्रवासियों की सुख.शांति और समृद्धि की कामना की तथा उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक गौरव पारधी ने झरिया पहाड़ी पर स्थित प्राचीन और आस्था के केंद्र झरिया महादेव पहुंचकर विधिवत पूजन.अर्चन किया और शिवलिंग पर जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए उपस्थित होते रहे। विधायक पारधी ने मंदिर परिसर में भक्तों से संवाद भी किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि झरिया महादेव क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां हर वर्ष महाशिवरात्रि पर दूर.दूर से लोग पहुंचते हैं। वहीं महाशिवरात्रि के अवसर पर बिसापुर महादेव में आस्था का अलग ही दृश्य देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पारंपरिक नांदिया लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कई भक्त दूर.दराज के गांवों से पैदल यात्रा करते हुए नांदिया में पवित्र जल भरकर लाए थे। मंदिर परिसर में हर हर महादेव के जयघोष के बीच भक्तों ने विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। विधायक पारधी ने इस दौरान श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनकी आस्था एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि नांदिया लेकर पहुंचने की यह परंपरा हमारी संस्कृति और श्रद्धा की गहराई को दर्शाती है। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों के उत्साह ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। महाशिवरात्रि के अवसर पर रमरमा महादेव में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही श्रद्धालु जल, दूध और पूजन सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। मंदिर परिसर में लगातार मंत्रोच्चार और भजन.कीर्तन चलता रहा जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। विधायक गौरव पारधी ने पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना की और उपस्थित श्रद्धालुओं से भेंट की। उन्होंने कहा कि रमरमा महादेव क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है,जहां महाशिवरात्रि पर हर वर्ष बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र की सुख.शांति की कामना की। विधायक गौरवसिंह पारधी ने हरदौली महादेव तथा नवेगांव ख स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव का पूजन किया। यहां भी भक्तों का उत्साह उल्लेखनीय रहा। विधायक पारधी ने सभी श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें महाशिवरात्रि की बधाई दी। कटंगी नगर में निकली भव्य शिव बारात में विधायक पारधी शामिल हुए और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। इसके पश्चात उन्होंने सेरपार महादेव में भक्तों के साथ पूजा अर्चना कर क्षेत्र की उन्नति और शांति की कामना की।

राज्य शासन से अधिवक्ताओं ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग

अधिवक्ताओं ने प्रतिवाद दिवस मनाकर शिवपुरी घटना का विरोध किया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अधिवक्ता संघ वारासिवनी के द्वारा कार्य से विरत रहकर प्रतिवाद दिवस मना कर शिवपुरी में हुई घटना का विरोध किया गया। वहीं न्यायालय से एसडीएम कार्यालय तक आक्रोश रैली निकाल नारेबाजी कर ज्ञापन देकर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने मांग की गई। इस दौरान अधिवक्ताओं के द्वारा जमकर आक्रोश व्यक्त कर मांगे पूर्ण नही होने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार १४ फरवरी को अधिवक्ता संघ करेला जिला शिवपुरी के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना को कुछ अपराधियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से पूरे प्रदेश में अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है तो वही राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के द्वारा समस्त अधिवक्ता संघ को राज्य शासन से एडवोकेट प्रोटेक्शन की मांग के लिए आव्हान किया गया था। जिसके तहत अधिवक्ता संघ वारासिवनी के द्वारा न्यायालय परिसर में सभी अधिवक्ता एकत्रित हुए। उनके द्वारा प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश को ज्ञापन सौंप कर न्यायालय के समस्त अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से विरत रहकर प्रतिवाद दिवस मनाने के लिए सूचित किया गया। वहीं न्यायालय परिसर से नारेबाजी करते हुए आक्रोश रैली निकाली गई जो एसडीएम कार्यालय पहुंची। जहां अधिवक्ता संघ के द्वारा प्रधानमंत्री भारत सरकार मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम का ज्ञापन नायाब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया को सौंपा गया। ज्ञापन में अधिवक्ताओ ने बताया कि राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के माध्यम से प्रदेश के समस्त अधिवक्ता संघ के द्वारा राज्य शासन से एडवोकेट प्रोटेक्शन की मांग की जा रही है। किंतु राज्य शासन द्वारा आज तक मांग पर कोई विचार नहीं किया गया है ,हाल ही में अधिवक्ता संघ करेला जिला शिवपुरी के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की १४ फरवरी को अपराधियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई है। अधिवक्ताओं के द्वारा प्रदेश में लगातार अपराधी तत्वों द्वारा हमले किए जा रहे हैं। जिससे हम अधिवक्ताओं में अत्यधिक आक्रोश हैं हम समस्त अधिवक्ता शासन से मांग करते हैं कि अधिशीघ्र हम अधिवक्ताओं के हित में हमारी सुरक्षा हेतु एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट मध्य प्रदेश लागू किया जावें। ताकि हम अधिवक्ता स्वयं अपने आप को न्यायालय कार्य करने में सुरक्षित महसूस कर सके। यदि राज्य शासन अभिलंब एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू नहीं करता है तो हम अधिवक्तागणों को भविष्य में चरणबद्ध आंदोलन करने पड़ेंगे इसके लिए पूर्णता राज्य शासन की जवाब दे ही होगी। इस दौरान सभी अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित रहे परंतु न्यायालय इन कार्यवाही से विरत रहे। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ पदाधिकारी सदस्य सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

शासन से हम मांग करते हैं कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें-दिनेश कातरे

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दिनेश कातरे ने बताया कि करेला जिला शिवपुरी में हमारे वकील है उन्हें अज्ञात लोगों ने सामने से गोली मारकर हत्या कर दी। इसी के विरोध स्वरूप स्टेट बार काउंसिल जबलपुर के निर्देशानुसार सारे प्रदेश में प्रतिवाद दिवस अधिवक्ताओं के द्वारा मनाया जा रहा है। शासन से हम मांग करते हैं कि वह एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें जिससे कि अधिवक्ता की सुरक्षा निश्चित हो सके।

अधिवक्ताओं की मांग पुरी नही होने पर चरणबद्ध आंदोलन करना पड़ेगा-भेजेंद्र राहगंडाले

सचिव भेजेंद्र रहाँगडाले ने बताया कि यह घटना बहुत दुखद है हम सभी अधिवक्ता पूरे मध्य प्रदेश में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। राज्य अधिवक्ता परिषद के माध्यम से प्रदेश के अधिवक्ताओं ने अनेकों बार राज्य शासन को अधिवक्ता एक्ट लाने मांग करते रहे हैं। परंतु आज तक कुछ नहीं हुआ है उल्टा अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। इसी के विरोध स्वरूप प्रतिवाद दिवस मना रहे हैं कि सभी अधिवक्ता कार्य से विरत है। अति शीघ्र हमारी मांग पूरी कर सुरक्षा को पुख्ता किया जाए अन्यथा हमें चरणबद्ध आंदोलन करना पड़ेगा जिनकी समस्या जवाबदारी राज्य शासन की होगी।

पूर्व जनपद सदस्य ने पीडब्लूडी कार्यपालन यंत्री की प्रमुख सचिव को की शिकायत

चंदन पीएससी भवन निर्माण में ठेकेदार की राशि रोकने का प्रयास

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व जनपद सदस्य एवं शासकीय ठेकेदार छोटू ठाकरे के द्वारा प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग मध्य प्रदेश शासन बल्लभ भवन को शिकायत पत्र दिया गया है। जिसमें बालाघाट लोक निर्माण विभाग भवन में पदस्थ कार्यपालन यंत्री के के सिंगारे के द्वारा अपनी गलती जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं करते हुए मेरे भुगतान में से जबरन १० लाख रूपये काटकर आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाते हुए ठोस व उचित कार्यवाही करने मांग की है। ज्ञापन में पूर्व जनपद सदस्य छोटू ठाकरे ने बताया कि मेरे द्वारा बालाघाट जिले के परसवाड़ा तहसील के अंतर्गत ग्राम चंदना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं दो क्वार्टर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जो अंतिम दौर में पहुंच चुका है। विभाग में १२ वां चलित देयक भुगतान सब इंजीनियर ने प्रस्तुत किया २९ लाख २७ हजार ३३३ रुपए का बिल था। कार्यपालन यंत्री के के सिंगारे के द्वारा उसमें मेरी बिना अनुमति या बिना मेरे से पूछे १० लाख ३२ हजार रुपए की बड़ी राशि रोक ली गई। पूछने पर बताया गया कि यह आपके सप्लीमेंट्री आवंटन स्वीकृत नहीं है । जबकि एनआईटी में कोई आइटम नहीं है उसे स्वीकृत करवाना कार्यपालन यंत्री की जवाबदारी है ठेकेदार की नहीं। इन्होंने काम तो करवा लिया और आश्वासन दिया था कि भवन स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित करना है तो काम करें भुगतान हम करेंगे। बिल आया तो १० लाख ३२ हजार रुपए इन्होंने काट लिए वर्तमान में मुझे बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि बाजार से मैंने रुपए लिए थे अब उन्हें देना है वह लोग मुझे परेशान कर रहे हैं मैं आर्थिक रूप से बहुत परेशान हूं। इस विषय की शिकायत मेरे द्वारा मध्य प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग रघुवीर सिंह को भोपाल में जाकर की गई है और मामले से अवगत भी करवाया गया है। उन्होंने कार्यवाही कर आश्वासन भी दिया है ऐसे कार्यपालन यंत्री जिससे हर ठेकेदार परेशान है इनकी जांच करवा कर निलंबित कर देना चाहिए। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री से सम्पर्क किया गया लेकिन नही हो पाया।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

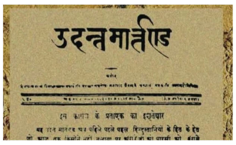

एक लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता के साथ अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) को मंजूरी दिया जाना देश के शहरी भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम साबित हो सकता है। लेकिन इसकी सफलता राज्य सरकारों, स्थानीय निकाय और निजी क्षेत्र के प्रयासों पर निर्भर करेगी।

अमल की असल चुनौती

ऐसे समय में, जब गांवों से शहरों की ओर पलायन, औद्योगिक व सेवा क्षेत्र का विस्तार और बेहतर जीवन सुविधाओं की तलाश ने शहरों पर अभूतपूर्व दबाव डाला हुआ है, तब केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता के साथ अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) को मंजूरी दिया जाना देश के शहरी भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम साबित हो सकता है। देश की लगभग 35 फीसदी आबादी शहरों में रहती है और अनुमान है कि 2047 तक यह आंकड़ा 50 फीसदी तक पहुंच जाएगा। यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का इंजन माने जाने वाले शहर, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 60 फीसदी से अधिक योगदान भी देते हैं, बुनियादी सुविधाओं की कमी, अव्यवस्थित यातायात, जलभराव, प्रदूषण, कचरा प्रबंधन और आवास संकट जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत योजना से कुछ चीजें बेहतर हुई हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर निवेश की कमी और स्थानीय निकायों की वित्तीय कमजोरी प्रगति की राह में अड़चन बनी हुई है। अर्बन चैलेंज फंड इन्हीं कमियों को दूर करने का प्रयास है। इस फंड के तहत, केंद्र सरकार परियोजना की कुल लागत का 25 फीसदी तक केंद्रीय सहायता के रूप में देगी, लेकिन शर्त यह है कि कम से कम 50 फीसदी राशि बाजार से जुटाई जाए। हालांकि किसी भी योजना की कामयाबी केवल धन के आवंटन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसके क्रियान्वयन की क्षमता पर भी निर्भर करती है। भारत के अधिकांश नगर निगम वित्तीय रूप से कमजोर हैं और उनकी आय के स्रोत भी सीमित हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2026 के अनुसार भारतीय शहर अपने राजस्व से सकल घरेलू उत्पाद का 0.6 फीसदी से भी कम प्राप्त करते हैं। दूसरी चुनौती समावेशिता की है, क्योंकि अगर फोकस केवल बड़ी परियोजनाओं पर रहा, तो असमानता बढ़ सकती है। निष्पादन और पारदर्शिता का भी सवाल है। ऐसे में, परियोजना की मजबूत निगरानी और स्वतंत्र ऑडिट को शामिल करना भी महत्वपूर्ण होगा, ताकि परियोजनाएं वाकई लोगों की जरूरतों के अनुरूप बन सकें। इसके अतिरिक्त, देश के कई शहर बाढ़, हीटवेव और प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। लिहाजा, शहरी नियोजन में पर्यावरणीय पहलुओं की अनदेखी महंगी पड़ सकती है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है निजी निवेश की भागीदारी, जिसे सरकार शुरुआती प्रोत्साहन तो दे सकती है, लेकिन शहरी बुनियादी ढांचे की विशाल जरूरतों को पूरा करने के लिए पीपीपी मॉडल को मजबूत करना होगा। पारदर्शी नीतियां, समयबद्ध मंजूरी और जोखिम साझेदारी की स्पष्ट व्यवस्था निवेशकों का भरोसा बढ़ा सकती है। वस्तुतः, अर्बन चैलेंज फंड की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय और निजी क्षेत्र कितनी गंभीरता और समन्वय से काम करते हैं।

रणनीतिक हितों पर आंच नहीं

-विनय सैलावत
(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं बरिष्ठ अधिवक्ता)

ताजा अधिनियम का मूल उद्देश्य भारत के परमाणु ऊर्जा तंत्र पर रणनीतिक नियंत्रण बनाए रखना है। भले ही यह क्षेत्र निजी भागीदारी के लिए खुल रहा है, अधिनियम यह सुनिश्चित करता है कि महत्वपूर्ण कार्य संप्रभु निगरानी में ही रहें।

हाल ही में संसद द्वारा पारित सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) विधेयक को मंजूरी दे दी है। विधेयक में असैन्य परमाणु क्षेत्र से संबंधित सभी कानूनों को शामिल किया गया है। भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम अब तक परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 2010 के अंतर्गत आता रहा है। 1962 के अधिनियम ने भारत के परमाणु कार्यक्रम की नींव रखी थी। इससे सरकार को शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा को विनियमित करने का अधिकार मिला और परमाणु सामग्री के अनुसंधान, विकास और उपयोग पर कड़ा नियंत्रण सुनिश्चित हुआ। नए अधिनियम में भारत के परमाणु कानूनी ढांचे को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाया गया है। इससे नियामक निगरानी के तहत परमाणु क्षेत्र में सीमित निजी भागीदारी संभव हो सकेगी।

इसमें परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड को वैधानिक मान्यता प्रदान की गई है। यह अधिनियम निजी कंपनियों को भारत के परमाणु क्षेत्र में, संयंत्र संचालन, बिजली उत्पादन, उपकरण निर्माण और परमाणु ईंधन निर्माण, जिसमें यूरेनियम-235 का रूपांतरण, शोधन और संवर्धन शामिल है, में भाग लेने की अनुमति देता है। हालांकि, कुछ संवेदनशील गतिविधियों पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में रहेंगी। यह भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के दीर्घकालिक लक्ष्य का समर्थन करता है। भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम ने विद्युत मिश्रण में एक स्थिर भूमिका बनाए रखी है और अब विस्तार के लिए तैयार है। वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता 8.78 गीगावाट है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग से विकसित किए जा रहे स्वदेशी 700 मेगावाट और 1000 मेगावाट रिएक्टरों के साथ, 2031-32 तक क्षमता 22 गीगावाट से अधिक होने का अनुमान है। शांति अधिनियम भारत की परमाणु यात्रा के अगले चरण को आकार देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत को उम्मीद है

कि वह 2033 तक स्वदेशी लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) चालू कर देगा। सरकार आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के तहत इस क्षेत्र को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। इस दौरान विदेशी निर्माता नवगठित निजी संस्थाओं को अपनी तकनीकें आक्रामक रूप से बेचेंगे। परमाणु क्षमता स्थापित करने की इच्छुक भारतीय निजी कंपनियां और औद्योगिक उपभोक्ता लगभग एक दशक तक अप्रमाणित स्वदेशी डिजाइनों का इंतजार नहीं करेंगे। उन्हें अन्य बाजारों में पहले से ही व्यावसायिक उपयोग में लाए जा रहे विदेशी विकल्प कम जोखिम भरे प्रतीत हो सकते हैं। एकल-संचालक मॉडल परमाणु ऊर्जा के विस्तार में मूलभूत बाधा रहा है। न्यूक्लियर पावर

कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को अन्य सभी विकास प्राथमिकताओं के साथ पूंजी के लिए प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। शांति अधिनियम परिष्कृत नीतिगत संरचना का उदाहरण है, जिसमें चार स्तरीय न्यायनिर्णय तंत्र है। यह नियामक निश्चितता सुनिश्चित करता है। यह एक सूक्ष्म दायित्व ढांचा है, जो सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखते हुए निवेश योग्य परियोजनाएं तैयार करता है। इसमें रणनीतिक सीमांकन है, जो व्यावसायिक अवसरों और सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करता है।

हालांकि परमाणु परियोजनाओं के समय-सीमा निर्धारण में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। रिएक्टर निर्धारित समय से वर्षों देरी से चालू होते हैं, जिससे लागत में वृद्धि आम बात है। %शांति% अधिनियम इन चुनौतियों का समाधान नहीं करता, बल्कि दूसरों को उन क्षेत्रों में प्रयास करने के लिए कानूनी गुंजाइश प्रदान करता है। ऊर्जा परिवर्तन के इस

चरण में देश अपने परमाणु ढांचे की नींव की समीक्षा कर रहा है, ताकि यह वर्तमान जरूरतों और भावी महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हो सके। दशकों से, भारत के परमाणु कार्यक्रम की तकनीकी क्षमताएं मजबूत हुई हैं। इसके स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य व्यापक हुए हैं। इन सबने एक ऐसे आधुनिक, व्यापक कानून की आवश्यकता पैदा की है, जो आज की वास्तविकताओं और भविष्य की आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करे।

शांति अधिनियम एक श्रेणीबद्ध जवाबदेही ढांचा स्थापित करता है, जिसके तहत, संचालकों की जवाबदेही की सीमाएं विधेयक की दूसरी अनुसूची में विस्तार से बताई गई हैं। यह अधिनियम स्वास्थ्य सेवा, कृषि, उद्योग, अनुसंधान और अन्य शांतिपूर्ण अनुप्रयोगों में परमाणु और विकिरण प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए एक नियामक ढांचा प्रदान करता है। यह अनुसंधान, विकास और नवाचार से संबंधित कार्यों जैसी सीमित गतिविधियों के लिए लाइसेंस में छूट प्रदान करता है। यह अधिनियम सुरक्षा, सुरक्षा उपायों, गुणवत्ता आश्वासन और समन्वित आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए प्रणालियों में सुधार करता है।

इसके अलावा, यह अधिनियम परमाणु गतिविधियों से संबंधित विशिष्ट मामलों में केंद्र सरकार को अनन्य अधिग्रहण अधिकार प्रदान करता है। अधिनियम विवादों के निवारण के लिए एक परमाणु ऊर्जा निवारण सलाहकार परिषद की स्थापना का प्रावधान करता है। विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत स्थापित विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य करेगा, जिसे अधिनियम के प्रावधानों और केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किसी भी अतिरिक्त मामले के तहत अपील सुनने का अधिकार है।

यह अधिनियम केंद्र सरकार को परमाणु क्षति से संबंधित मुआवजे के दावों के निपटारे के लिए दावा आयुक्तों की नियुक्ति का अधिकार देता है और गंभीर मामलों को संभालने और समय पर निपटारे के लिए एक समर्पित आयोग का प्रावधान करता है।

इस अधिनियम का मूल उद्देश्य भारत के परमाणु ऊर्जा तंत्र पर रणनीतिक नियंत्रण बनाए रखना है। भले ही यह क्षेत्र निजी भागीदारी के लिए खुल रहा है, अधिनियम यह सुनिश्चित करता है कि महत्वपूर्ण कार्य संप्रभु निगरानी में ही रहें। कानूनी ढांचे का आधुनिकीकरण और संस्थागत निगरानी को मजबूत करके यह अधिक कुशल, नवोन्मेषी और सुरक्षित परमाणु ऊर्जा तंत्र की नींव रखता है। यह अधिनियम स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा के विस्तार का समर्थन करने के साथ यह सुनिश्चित करता है कि रणनीतिक हित पूरी तरह से सुरक्षित रहें।

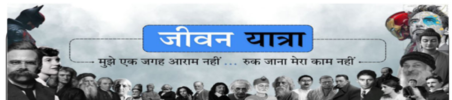

प्रेम एक भ्रम है, जो दूरी में फलता है, लेकिन निकटता में मुरझा जाता है। प्रेम महज एक भावना नहीं है, यह जटिल है। यह आनंद है, लेकिन यातना भी, निकटता है, लेकिन दूरी भी। जीवन है, लेकिन मृत्यु भी।

-फ्रेंज कापका

प्रेम एक भ्रम ही तो है

मैं निरंतर कोई अवर्णनीय बात समझाने और बताने का प्रयास करता रहा हूं, जिसे मैं केवल अपनी आत्मा में महसूस करता हूं और जिसका अनुभव केवल आत्मा के स्तर पर ही हो सकता है। दरअसल, यह वही भय है, जो हर चीज में फैला हुआ है। जरूरी नहीं कि यह भय केवल भय ही हो, यह उस चीज की लालसा भी हो सकती है, जो भय से परे हो। यह एक तरह की अपूर्णता का एहसास है और जब कोई अकेला होता है, तो उसे हर पल इसे सहना पड़ता है। मुमकिन है कि यह अतिशयोक्ति या झूठा एहसास हो। पर एकमात्र सत्य तो यह तड़प ही है। तड़प का सत्य क्या वाकई सत्य है या कई झूठी भावनाओं की सच्ची अभिव्यक्ति? मेरी बात सुनने में विकृत लग सकती है, लेकिन यही है, जो मैं महसूस कर रहा हूं। जब कोई कहता है कि तुम ही हो, जिससे मैं सबसे अधिक प्रेम करता हूं, तो यह कहना झूठ भी हो सकता है। जब मैं कहता हूं कि तुम्हारी तड़प एक छुरी है, जो मुझे भीतर से आहत कर रही है, तो यह सच है। यही प्रेम है। हालांकि मैं जानता हूं कि चाहे तुम कितना भी चाहो, लेकिन मुझसे प्रेम नहीं कर सकतीं। तुम्हारे हृदय में मेरे लिए जो प्रेम है, उससे शायद तुम दुखी भी हो, क्योंकि मेरे प्रति तुम्हारा प्यार, तुम्हें तुमसे दूर कर सकता है। मैं ऐसा ही हूं। मेरी दुनिया बिखर रही है। मैं बिखरने का शोक नहीं मना रहा, मैं तो हमेशा से बिखरता ही रहा हूं। मैं समझता हूं कि कोई दूर बैठे किसी के बारे में सोच सकता है और पास बैठे किसी को थामे रह सकता है। इसके अलावा, सबकुछ मानवीय शक्ति से परे है। सोचता हूं कि काश हम साथ में होते। साथ जीते, साथ मरते। पर यह इच्छा ही है। जब मैं छोटा था, तब अंकगणित की कक्षा में शिक्षक मेरी नोटबुक को ध्यान से पलट रहा होता, और मेरी इच्छा होती कि मैं किसी तरह कक्षा से बाहर आ जाऊं, उस जानी-पहचानी दुनिया में, जहां गणित की कक्षा जैसा तनाव न होता। लेकिन यह इच्छा ही रह गई, कभी पूरी नहीं हुई। सोचता हूं कि तुम्हें पत्र लिखूं, लेकिन इसका मतलब अज्ञात के सामने खुद को उजागर करने जैसा होगा। मुझे अज्ञात के सामने खुद को परोसना अच्छा नहीं लगता। इस अज्ञात तत्व को खत्म करने के लिए ही मनुष्य ने रेलगाड़ी, ऑटोमोबाइल और हवाई जहाज के आविष्कार किए। लेकिन अज्ञात की शक्तियां मजबूत हैं, इसलिए ही डाक के बाद तार, टेलीफोन, बेतार के तार का आविष्कार हुआ। पत्र लिखना मुझे कमजोर और असुरक्षित बनाता है, जो मैं होना नहीं चाहता। प्रेम मेरे लिए एक सपना है, जो जागते ही टूट जाता है। हम दूर हैं, लेकिन जो साथ होते हैं, क्या उनमें प्रेम होता है? प्रेम एक भ्रम है, जो दूरी में फलता है, लेकिन निकटता में मुरझा जाता है। सच्चा प्रेम आत्म-समर्पण है, लेकिन वह समर्पण हमें नष्ट भी कर सकता है। प्रेम महज एक भावना नहीं है, यह जटिल है। यह आनंद है, लेकिन यातना भी, निकटता है, लेकिन दूरी भी। जीवन है, लेकिन मृत्यु भी।

लेटर टु मिलेना पुस्तक के अनूदित अंश

सूत्र- असुरक्षा को स्वीकार करें

प्रेम केवल सुख का मिलन नहीं, बल्कि स्वयं को खोकर सत्य को पाने की तड़प है। प्रेम महज एक भावना नहीं है, यह जटिल है। यह आनंद है, लेकिन यातना भी, निकटता है, लेकिन दूरी भी। अपने भीतर की असुरक्षा को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी शक्ति है। अज्ञात से डरो मत, क्योंकि वहीं अनंत संभावनाएं जीवित रहती हैं।

दूसरा पहलू

सूरदास की दिव्य दृष्टि और कुएं में गिरने का आख्यान

वह कुआं अपने अंदर न जाने कितने आख्यानों को समेटे हुए है। यदि आप महाकवि सूरदास के महात्म्य को नहीं जानते तो कुआं समझ से परे हैं।

सूरदास की दिव्य दृष्टि और कुएं में गिरने का आख्यान में है। पर इससे सब एकमत हैं कि उनकी कर्मस्थली नीरव और शांत वातावरण में वक्त भी जैसे ठहर गया है। जनवरी की अलसाई-सी धूप व नीला दमकता आसमान। जंगल के बीच बनी पगडंडी और दोनों तरफ शांत तपस्या में लीन वृक्ष। सहसा पगडंडी खत्म होती है और सामने है... वह कुआं। अपने अंदर न जाने कितने आख्यानों को समेटे हुए। आगरा-मथुरा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर चलते हुए दाईं ओर लगा सूर सरोवर%का बोर्ड ध्यान खींचता है। लेकिन अगर आप महाकवि सूरदास के महात्म्य को नहीं जानते, तो इस पवित्र स्थान को भी नहीं जान पाएंगे। करीब एक किलोमीटर चलकर रास्ता दो हिस्सों में बंट जाता है। दाईं तरफ जाएंगे तो जंगल से गुजरते हुए सूरकुटी पहुंच जाएंगे। सूरदास का जन्म 1478 ईस्वी के पास आगरा के रुनकता गांव में माना जाता है। कहीं-कहीं यह भी जानकारी दी गई है कि उनका जन्म सीही गांव में हुआ था, जो दिल्ली या फरीदाबाद रुनकता के पास कीठम में यमुना का गऊ घाट रही। लगभग पांच सौ साल पहले का वह समय कैसा होगा, जब इस आख्यान ने जन्म लिया होगा। सूरदास का नाम आते ही कृष्ण स्मरण में आते हैं। सूरकुटी महाकवि सूरदास की कर्मस्थली है। यह वह स्थल है, जहां

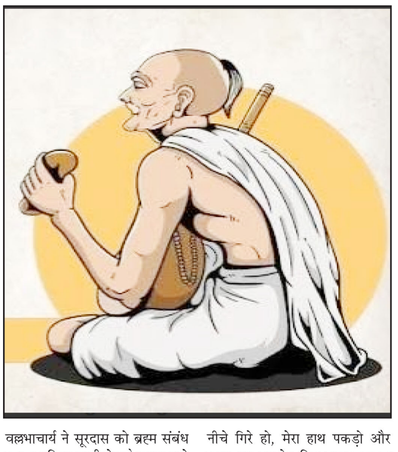

वल्लभाचार्य ने सूरदास को ब्रह्म संबंध का ज्ञान दिया, यानी प्रेम के माध्यम से ईष्ट को पाना। उन्होंने सूरदास से श्रीकृष्ण लीला के पद गाने के लिए कहा। जैसे ही जंगल से निकलकर सूरकुटी पहुंचेंगे, तो सबसे पहले आपकी नजर सामने ही मौजूद कुएं पर पड़ेगी। सूरदास इसी कुएं में गिर पड़े थे। वे अपने आराध्य को पुकारने लगे। सूरदास को बचाने भगवान कृष्ण आए और उन्हें दिव्य दृष्टि मिली। कान्हा आए और कहा, बाबा कहां नीचे गिरे हो, मेरा हाथ पकड़ो और ऊपर आ जाओ। फिर हाथ छुड़ाकर जाने लगे, तो सूरदास ने कहा, कर छुटकाए जात हो, निबल जानि कर मोहि, हृदय से जब जाओ तो सबल जानूंगा तोए। यानी आप मेरा हाथ छोड़कर चले जाते हैं, मुझे निर्बल जानकर, मेरे हृदय से जाएं तो आपको बलशाली मानूंगा। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने सूरदास की कवित्व शक्ति के बारे में लिखा है, सूरदास जब अपने प्रिय विषय का वर्णन करते हैं, तो मानो अलंकार शास्त्र उनके पीछे-पीछे हाथ जोड़कर दौड़ता है। उपमाओं की बाढ़ आ जाती है और रूपकों की वर्षा होने लगती है। कृष्ण के बालरूप का अद्भुत चित्रण इसे साबित करता है, मैया कबहि बढ़ेगी चोटी, किति बार मोहि दूध पियत भई, यह अजहूं है छोटी। सूरकुटी की मौजूदा हालत बहुत अच्छी नहीं है। यहां दृष्टिबाधितों के लिए विद्यालय भी है। पास में ही सूरदास की प्रतिमा और मंदिर है। सामने है यमुना की धारा और गऊघाट। वही जहां आंखें नहीं होने पर भी उन्होंने कृष्ण की अद्भुत बाललीला देखी। यही तो है दिव्य दृष्टि का आख्यान।

सूरकुटी महाकवि सूरदास की कर्मस्थली है। यही वह स्थल है, जहां वल्लभाचार्य ने सूरदास को ब्रह्म संबंध का ज्ञान दिया।

सूरकुटी पहुंचेंगे, तो सबसे पहले आपकी नजर सामने मौजूद कुएं पर पड़ेगी। सूरदास इसी कुएं में गिर पड़े थे। वे अपने आराध्य को पुकारने लगे। सूरदास को बचाने भगवान कृष्ण आए और उन्हें दिव्य दृष्टि मिली।

- भूपेंद्र कुमार

मुद्दा

दलित-विमर्श समकालीन विमर्शों का मूल है। सभी विमर्शों को मिला लें, तो यह अस्सी फीसदी से अधिक आबादी की रचनात्मक अभिव्यक्ति है।

मोहल्ले का झगड़ा नहीं दलित विमर्श

विगत माह हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य समकालीन विमर्श विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में साहित्य, सिनेमा, सांस्कृतिक और राजकीय सेवाओं में वंचितों के प्रतिनिधित्व पर चर्चा हुई। इन पंक्तियों के लेखक द्वारा बीज वक्तव्य देने के बाद हिंदू कॉलेज से सेवानिवृत्ती प्रोफेसर राय साहब ने हिंदी साहित्य में चार दशकों से चल रहे विमर्शों को इन मुहावरों में समेट दिया, स्त्री विमर्श घरों के झगड़े हैं और दलित-आदिवासी विमर्श मोहल्लों के झगड़े हैं। इसलिए संवाद स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श की पृष्ठभूमि से ही शुरू करना पड़ा। विविधता पूर्ण अभिव्यक्तियां विमर्शों की आत्मा हैं। दलित-विमर्श समकालीन विमर्शों का मूल है। सभी विमशों को मिला कर देखें, तो यह देश की अस्सी फीसदी से अधिक आबादी की रचनात्मक अभिव्यक्ति है। हालांकि संत साहित्य में जन्म-जाति को लेकर समता, स्वतंत्रता मूलक मूल्यों की पृष्ठभूमि है, जिसमें ईश्वर की दृष्टि से समानता की बात होती है। यह विमर्श अमेरिका और अफ्रीका के ब्लैक पैंथर से मराठी के दलित पैंथर में आया और हिंदी पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसका उद्देश्य मनुष्य से मनुष्य की मुक्ति के लिए अन्याय और अपमान का अंत कर आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित समता मूलक सभ्य समाज बनाना है। आज से ठीक तीस साल पहले 25 फरवरी, 1996 को संपादक मूलचंद गौतम की पत्रिका की ओर से ओम प्रकाश वाल्मीकि को परिवेश सम्मान दिया गया था। तब मुख्य अतिथि काशीनाथ सिंह ने कहा था-यदि दलितों द्वारा लिखा हुआ ही दलित साहित्य माना जाएगा, तो घोड़े पर लिखने के लिए घोड़ा होना पड़ेगा। यह सुनकर वाल्मीकि विचलित थे। इसे परंपरा से चले आ रहे हिंदी लेखकों के संस्कारों में समाई वर्चस्व की भावना या सामंती स्वभाव की ठसक भी कह सकते हैं। डॉ. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक अनटचेबल्स में अशरीरी अस्पृश्यता को रेखांकित किया। यह दासप्रथा से भी अधिक अमानवीय और अन्यायपूर्ण है। संविधान ने अस्पृश्यता निवारक कानून अमल में लाकर ऐसी कुप्रथाओं का अंत कर दिया। लोकतांत्रिक स्वभाव के अनुसार, नैतिक उपक्रम करने की वंचितों की दस्तक एक जैसी रही है। विमर्श का विस्तार साहित्य और सिनेमा में एक जैसा दिखाई पड़ता है। गांधीवादी प्रभाव में बनी अछूत कन्या जैसी फिल्में संविधान और आंबेडकर के प्रभाव तक आते-आते आयुष्मान खुराना की आर्टिकल 15, अमिताभ बचन और मनोज वाजपेई की आरक्षण तक आया दिखता है।

कालांतर में मराठी दलित निर्देशकों ने सिनेमा में अपनी उपस्थिति दर्ज की। नागराज मंजुले की सैराट (2016) और फंद्री फिल्म के बाद नीरज घेवान के निर्देशन में आई होम बाउंड ऑस्कर तक पहुंची है। लेकिन नीरज कहते हैं, आज भी किरदारों के नाम उच जाति सूचक ही होते हैं। दलित-आदिवासियों को लेकर मुस्लिम निर्देशकों के नजरिये में भी कोई अंतर नहीं है, उन्हें भी दलितों में नायक दिखाई नहीं पढ़ते। वे भी लगान में कचरा के दम पर ऑस्कर पाना चाहते हैं। साहित्य और सिनेमा की जो प्रवृत्तियां लोकतंत्र की प्रक्रिया में आड़े आती हैं, उनमें खास है परंपरागत जाति पूर्वाग्रह। यह इस हद तक गहरे पैठा कि, न केवल नीरज, बल्कि दलित प्रतिभाएं पहले भी जाति छिपाने को विवश होती रही हैं। डॉ. आंबेडकर को जातिगत पूर्वाग्रह का दंश झेलना पड़ा था। 1960 में दया पवार ने अछूत आत्मकथा में हिकारत के प्रसंगों की भरमार कर दी। सारिका मई 1975 में कमलेश्वर ने बाबूराव बागुल का लेख छाप कर हिंदी मानस की गहरी तंद्रा तोड़ दी थी। जब नीरज घेवान कहते हैं कि सिनेमा जगत में मैंने 35 साल तक अपनी जाति छिपा कर काम किया, तो लगता है हम फिर वहीं खड़े हैं। डॉ. आंबेडकर के आधुनिक विचारों ने मनुष्य को मनुष्य की दृष्टि और स्थिति में भी समान होने का प्रश्न बनाया। एक बार अब्राहम लिंकन ने कहा था, मेरा अनुभव कह रहा है कि जिन लोगों में कोई दुर्गुण नहीं होता, उनमें सद्गुण भी बहुत कम होते हैं।

श्यौराज सिंह बेचैन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पूछपरख कमजोर रहने से सोमवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूत रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव की सुस्तता से भावों में नरमी रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। दलहनों में चना पूछपरख से मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4050-4120, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1780, राजकोट तेलिया 2770-2780, सोया साल्वेंट 1285-1290, सोया रिफाइंड 1340-1350, कपास्या 1290-1300, धूलिया 1300, कड़ी 1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725-1750, मुम्बई पाम 1300, मुम्बई सोया 1380,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6000-6200, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5300-5350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5000-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार पूर्वस्तर पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 247000, चॉंदी (99) 246500, टंच 246000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 158300,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.73 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर मामूली वृद्धि और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट का भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.63 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि फिर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही। आज निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82

फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

एआई ने बदल दी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की दुनिया

नई दिल्ली। एजेंसी। एक इक्विटी ट्रेडिंग फर्म के डेवलपर बताते हैं कि दो साल पहले एआई से काम के घंटे बचाने की उम्मीद थी। शुरुआती उद्देश्य था कोडिंग में तेजी लाना और बचा समय नई तकनीकों का अध्ययन करने में लगाना। लेकिन अब उत्पादन समय-सीमा घटकर एक सप्ताह से केवल एक दिन रह गई है, जिससे डेवलपर लंबे घंटे काम करने को मजबूर हैं। बेंगलूरु के डॉटनेट आर्किटेक्ट राघव शेट्टी का कहना है कि जो इंजीनियर एआई का कुशल उपयोग जानते हैं, उनके लिए काम आसान हो गया है। बेहतर प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग से पहले 2ङ्क3 दिन में होने वाला काम अब एक ही दिन में पूरा किया जा सकता है। हालांकि एआई अभी भी मानवीय हस्तक्षेप की मांग करता है-त्रुटियों को सुधारने, समाधानों को अनुकूलित करने और सही आउटपुट चुनने के लिए। महाजन के अनुसार, डेवलपर्स अब 90 फीसदी कोडिंग नहीं कर रहे, उनका समय मुख्यत: एआई प्रॉम्प्ट तैयार करने और समीक्षा में जाता है। एंथ्रोपिक के क्लाउड को-वर्क और नए प्लग-इन के कारण निवेशकों में चिंता है कि पारंपरिक सॉफ्टवेयर लेयर की जरूरत घट सकती है। इससे कई आईटी कंपनियों के शेयरों और मूल्यांकन में गिरावट आई है।

केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था। उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है। घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-2680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया। भारतीय गेहूं की वैश्विक कीमत 270-280 डॉलर/टन, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 197-270 डॉलर/टन है।

मेष- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपको किसी से काम को लेकर कोई सलाह लेने से बचना होगा और यदि आपने किसी योजना में धन लगाया, तो उससे आपको कोई नुकसान होने की संभावना है। किसी सरकारी काम को लेकर भी आपकी भागदौड़ बनी रहेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। मित्रों के साथ आप कुछ समय व्यतीत करेंगे। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें, नहीं तो आपकी आदत परिवार के सदस्य के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। बड़े सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपनी आय और व्यय में भी संतुलन बनाकर चलना होगा और आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई कुछ खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा। पठन-पाठन में खूब मन लगेगा। आप अपने कर्जों को भी काफी हद तक उतारने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपका कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से पेंडिंग था, तो वह भी पूरा हो सकता है। बिजनेस में पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करें, क्योंकि उनसे आपकी कहासुनी होने की संभावना है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने कामों से एक अच्छा मुकाम हासिल होगा। आपको नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपके मन में आज यदि किसी काम को लेकर यदि संशय हो, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहेगी, जिससे आपके रुके हुए काम भी आसानी से पूरे होंगे। राजनीति में आपको किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है, लेकिन फिर भी आप अपने आसपास रह गए शत्रुओं को पहचानने की कोशिश करें, क्योंकि वह आपके मित्र के रूप में हो सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर रहेगी और आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे, लेकिन उन्हें नौकरी में मनपसंद काम ना मिलने से थोड़ी टेंशन बनी रहेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए रहेगा। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके कामों को पूरा करने की आवश्यकता है, तभी वह आसानी से पूरे हो सकेंगे। आपको किसी से कोई बात सोच समझकर बोलनी होगी, लेकिन आपको कोई काम को लेकर कार्यक्षेत्र में शाबाशी मिलेगी और आपके प्रमोशन की बात भी आपके साथ बढ़ सकती हैं।

धनु- आज का दिन सिंगल लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। उनकी अपने साथी से मुलाकात होगी। आपको अपने खर्चों का थोड़ा लेखा-जोखा रखना होगा, तभी वह पूरे हो सकेंगे। आपकी किसी पुरानी गलती से आज पर्दा उठ सकता है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी होगी, लेकिन आपको किसी इन्वेस्टमेंट को अनुभवी व्यक्तियों की सलाह से करना बेहतर रहेगा और आप अपने बिजनेस के कामों में कोई बदलाव न करें, नहीं तो वह आपके लिए बढ़ सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा और आप अपने किसी लिए गए निर्णय के लिए परेशान रहेंगे। परिवार के सदस्यों में यदि किसी बात को लेकर आपसी मन मनमुटाव हो, तो आपको उसे दूर करने की आवश्यकता है।

कुंभ- आज आपका मन भगवान की भक्ति में खूब लगेगा और आप किसी धार्मिक आयोजन में भी सम्मिलित हो सकते हैं। आप अपने बॉस की बातों को इग्नोर ना करें, नहीं तो इससे आपके प्रमोशन पर रोक लग सकती है। आपकी कार्य क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप अपने किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलकर काफी खुश होंगे और घर परिवार के कामों पर आप थोड़ा ध्यान दें।

मीन- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर थोड़ी समझदारी दिखानी होगी। आपको किसी बात को लेकर कठिनाइयां बनी रहेगी।

शब्दजाल - 8173

शब्दजाल में मनीषा कोइराला की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	क्रि	मी	न	ल	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	न	बा	दी	छ	मि	आ	ब	सौ	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ल	ल	दा	क
डि	आ	यु	ल	य	चा	न	क्रो	न	ग	च
या	ल	ग	र	रा	ल	ली	ती	ण	र	र
द	सिं	पु	ग	ट्रे	न	गा	स	बा	व	दु
क	ह	रु	ई	द	ब	क	र	चो	श	हिं
रा	म	ष	ला	रा	म	स	या	औ	र	दु
बों	गॉ	ल	प	लि	खा	मो	शी	म	प	स्ता
बे	ड	क	र्क	या	क	र्त	य	दु	श्म	नी

हिंदुस्तानी, बोंबे, मन, दुश्मनी, सौदागर, क्रिमीनल, यलगार, मिलन, युगपुरुष, खामोशी

शब्दजाल - 8172 का हल

अ	ज	ग	र	द	शा	व	ता	र	र	क
दा	वि	ल	ग	श	जी	ग	द	इ	द	ली
द	स्ता	ना	ल	र	छ	ची	द	रा	स्त	क
री	ज	र	दो	थ	ज	न	ह	न	र	क
क	खु	दे	भा	लू	लं	का	न	ग	ख्वा	क
जी	द	श	ल	य	ख	पू	ना	हि	न	को
ती	लो	क	ड़ी	ब	प	र	श	र	र	द
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	दे	क	गो	लो	श	र्श
ने	बा	म	न्न	ब्रा	हे	लू	री	श	प	नी
तें	दु	आ	प	व	ज	र्त	ऐ	बें	हा	य
क	द	स्ता	वे	ज	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7117

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नहीं' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7116

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		शा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.18 बजे से
चंद्र	मकर में	मीन	07.54 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.25 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.03 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.17 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.45 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.55 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृश्चिक	00.10 ब.से
		धनु	02.26 बजे से
		मकर	04.31 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 48 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अमावस्या 17.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 21.16 बजे को समाप्त।
योग परिघ 00.29 बजे रात्र को समाप्त।
करण नाग 17.31 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 05.18 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872623
जूलियन दिन 2461088.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 28
विशेष दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सहयोग की भावन

एक दिन स्वामी रामकृष्ण परमहंस के पास एक धनी व्यक्ति हजारों स्वर्ण मुद्राएं लेकर आया और उन्हें देने लगा। परमहंस नाराज होकर बोले, 'मुझे इन स्वर्ण मुद्राओं से क्या काम ? इन्हें किसी गरीब व जरूरतमंद को दे दो।' किंतु धनी व्यक्ति अपने धन का अभिमान दिखाते हुए वहीं खड़ा रहा। स्वामी जी उसे पकड़कर गंगा-तट पर ले आए और बोले, 'यदि तुम्हें मुद्राएं मुझे ही देनी हैं तो इन्हें गंगा को समर्पित कर दो।' स्वामी जी का जवाब सुनकर वह व्यक्ति दु:खी मन से एक-एक मुद्रा निकालकर गंगा में फेंकता रहा। उसे इस कार्य में काफी समय लग रहा था। कुछ देर बाद परमहंस वहां पर आए और उन्होंने उस व्यक्ति से स्वर्ण मुद्राओं की पोटली लेकर गंगा में फेंक दी और कहा, 'इन स्वर्ण मुद्राओं को एक साथ न फेंककर तुमने जिस तरह उन्हें गिन-गिन कर फेंका, उससे दो बातें स्पष्ट हो गईं। एक तो यह कि स्वर्ण मुद्राओं से तुम्हें बेहद लगाव था और दूसरा यह कि जिस जगह तुम मात्र एक कदम उठाकर पहुंच सकते थे, वहां पहुंचने के लिए तुमने बेकार में हजारों कदम उठाए। इसका अर्थ यह है कि तुम सच्चे मन से मुझे यह नहीं दे रहे थे। तुम मुझे ये मुद्राएं देकर स्वयं को दूसरों की नजर में श्रेष्ठ साबित करना चाहते थे। व्यक्ति को नि:स्वार्थ भाव से मदद करनी चाहिए। अगर तुम्हारे भीतर मदद करने का सच्चा भाव है तो लाचार लोगों की सेवा करो।' उस व्यक्ति ने स्वामी जी से क्षमा मांगी और परोपकार के कार्य में जुट गया।

सूडोकु नवताल- 7426

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7425 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8641

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल, वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय, वोट-2
9. तकरार, कहासुनी-4
11. अंधकार, अंधेरा-3
12. सरल, आसान-3
13. चील, ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली, क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य, काज-2
23. बाण, तीर-2
24. दबाना, कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा, रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा, विश्वास-3
4. दीदी, भगिनी-3
5. समान, एक जैसा-2
8. अंधेरा, अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब, जलाशय-4
15. तमीज, शिष्टता-3
16. मछली, एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन, विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा, अभिमान-2
23. पार्थिव देह, लाश-2

शब्द पहेली -8640 का हल

गी	ला		गा	य	क		दी	प
ति		बा	ल		चा	बी		व
का	ज	ल		भा		ना	खू	न
	ल		बा	व	न		न	
स	म	त	ल		ख	ट	ख	ट
	ह		क	रा	रा		रा	
प	ल	क		वी		शा	बा	श
र		ला	ल		आ	प		ह
ख	त		ता	जु	ब		ती	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिवरात्रि पर कोटेश्वर महादेव में हुआ शिव महोत्सव का भक्तिपूर्ण आयोजन

मंदिर धाम से झांकियों के साथ निकाली भव्य पालकी यात्रा, शिव विवाह से शिव तांडव तक -लोक एवं शास्त्रीय संगीत की जीवंत प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। लांजी। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिले के लांजी स्थित कोटेश्वर महादेव धाम परिसर में महादेव महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिला प्रशासन बालाघाट के सहयोग से आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में शिव-शक्ति की विविध कलात्मक अभिव्यक्तियाँ एक मंच पर साकार हुईं। शिव विवाह से लेकर तांडव और मोक्ष तक की आध्यात्मिक यात्रा को लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया गया। पूरा मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति और कला के सुरम्य संगम से आलोकित हो उठा। इसी सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व नगर में भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया गया। जहां कोटेश्वर महादेव के मुखोटे को एक भव्यतम पालकी में सजाकर, जीवंत झाकियों, आतिशबाजी बैण्ड बाजो डीजे ढोल नगाड़ो के साथ नगर का भ्रमण करवाया गया। यह पालकी यात्रा विधायक राजकुमार कर्राहे के नेतृत्व में मॉ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति एवं अन्य धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों गणमान्य गणो, के सहयोग से आयोजित की गई। पालकी यात्रा का शुभारंभ नये श्री राम मंदिर गुजरी चौक से प्रारंभ हुआ जो कि माँ लंजकाई माता के दर्शन करते हुये मेन रोड़, नेताजी सुभाष चौक, बस स्टैण्ड होकर सालेटेकरी मार्ग होते हुये कोटेश्वर धाम पंहुची। संपूर्ण पालकी यात्रा मार्ग पर लोगो के द्वारा शिवजी के मुखोटे का दर्शन लाभ लिया गया। बतादे कि यह पालकी यात्रा इस बात का संदेश है कि कोटेश्वर महादेव जिनकी यह धर्म नगरी लांजी है अपनी लांजी नगर के भ्रमण निकलते है तथा आशीर्वाद प्रदान करते है इस आस्था एवं श्रृद्धा के साथ यह पालकी यात्रा का भाव जुड़ा हुआ है। संध्या करीब 7ः30 बजे यह पालकी यात्रा कोटेश्वर धाम पंहुची जहां विशेष आरती पूजन के पश्चात कोटेश्वर महादेव के मुखोटे को यथा स्थान विधि पूर्वक स्थापित किया गया।

शिव विवाह से तांडव तकः कोटेश्वर धाम लांजी में संस्कृति विभाग का विशेष आयोजन

महाशिवरात्री पर्व पर कोटेश्वर महोत्सव का आयोजन विधायक राजकुमार कर्राहे एवं सहयोगियों के द्वारा किया जाता है। विगत वर्ष विधायक कर्राहे के द्वारा कहा गया था कि कोटेश्वर महोत्सव को मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के कला पंचांग में शामिल करने का पूरा प्रयास होगा। जिस पर अमलीजामा पहनाते हुये मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं संस्कृति विभाग के मंत्री धर्मेन्द्र लोधी के द्वारा कोटेश्वर महोत्सव को संस्कृति विभाग में शामिल किया जाकर इसे महादेव महोत्सव का नाम दिया गया

तथा महाशिवरात्री के पावन अवसर पर संध्या बेला में लोक संस्कृति, नृत्य नाटिका, शिव भक्ति में केन्द्रीत विशेष सांस्कतिक आयोजन किये गये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, जनपद अध्यक्ष कल्याण सिंह राणा, नगर परिषद अध्यक्ष लांजी रेखा ताराचंद कालबेले, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, जिपस ज्योति उमरे, ,जिपस डॉली कावरे, जिपस मीना सिंघनदुपे, जिपस चेतना अजय कुर्राहे, पूर्व सरपंच योगेश रामटेक्कर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, किशोर रामटेक्कर, बारेलाल बडघैया, गौरव बैस, अनीस चौहान, योगेश कुर्राहे, संस्कृति विभाग से रूप कुमार बनवाले, अन्य सहयोगी, एसडीएम कमलचंद सिंहसार, तहसीलदार हिम्मतसिंह भवेदी, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, सीईओ रामगोपाल यादव, सीएमओ मयूर वाहने सहित नगर परिषद लांजी के अधिकारी कर्मचारी, राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबधित विभाग एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य एवं जनता की उपस्थिती में संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा दीप प्रज्जवलितक कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत छतरपुर के लोकगायक रामसिंह राय के मधुर लोकगायन से हुई। उन्होंने करवे सब की खबरिया कोटेश्वर बाबा भोलेनाथ जी... से मंगलाचरण करते हुए वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इसके बाद शिव शंकर दूल्हा बन आये, नोनी बनी बारात चलो देखने चलिए...गीत के माध्यम से शिव विवाह की रम्य छटा का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात भोपाल की सुश्री विधिका मिष्ठी एवं उनके दल ने ओडिसी नृत्य पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर शिव कथा को सजीव कर दिया। प्रस्तुति का आरंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसमें लंकापति रावण द्वारा रचित शिव तांडव स्तोत्र 卐जटाटवी गलज्जल प्रवाह पावितस्थलेज्卐 पर प्रभावशाली नृत्य संयोजन प्रस्तुत किया गया। इस रचना का निर्माण पद्मविभूषण गुरु केलुचरण महापात्र द्वारा तथा संगीत संयोजन पंडित भुवनेश्वर मिश्रा द्वारा किया गया है। एकताल में निबद्ध इस प्रस्तुति ने शिव के जटाजूट से प्रवाहित गंगा, मस्तक पर अर्धचंद्र और प्रचंड तांडव की छवि को प्रभावपूर्ण ढंग से उकेरा।

राग भूपाली और एकताल में निबद्ध इस प्रस्तुति ने ओडिसी नृत्य परंपरा की गंभीरता और सौंदर्य को प्रकट किया। नाट्यशास्त्र की परंपरा के अनुसार शिव द्वारा तांडु को प्रदान किए गए नृत्य तत्वों की झलक इसमें दृष्टिगोचर हुई।

समारोह की अंतिम कड़ी में जबलपुर के गायक ईशान मिनोचा एवं उनके साथियों ने भक्ति गायन प्रस्तुत किया। गणेश वंदना से आरंभ हुई प्रस्तुति में महाकाल की बस्ती, ? नमः शिवाय,मेरा भोला है भंडारी, भांग तेरी शिव नाथ जी, भोले का दीवाना और उठा के कांवड़ चले रे कांवडि?ज् जैसे भजनों ने पूरे परिसर को शिवमय बना दिया। इस प्रकार कोटेश्वर धाम में आयोजित महादेव महोत्सव ने लोक परंपरा, शास्त्रीय नृत्य और भक्ति संगीत की त्रिवेणी के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक एकत्व का अद्भुत अनुभव कराया। कार्यक्रम ने न केवल कला के विविध आयामों को मंच प्रदान किया, बल्कि शिव भक्ति की गहन अनुभूति से समूचे वातावरण को आलोकित कर दिया।

कोटेश्वर मंदिर में जारी है अखण्ड सीताराम महामंत्र संकीर्तन सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के कोटेश्वर मंदिर परिसर के सामने शिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में मां एग्रो इंडस्ट्रीज के राजेश अग्रवाल के द्वारा 15 फरवरी से 20 फरवरी तक अखण्ड सीताराम महामंत्र संकीर्तन सप्ताह का आयोजन किया गया है। उक्त अखण्ड सम्पन्न होगा। इस इस संबंध में आचार्य पं.रामचरित्र शास्त्री ने जानकारी में बताया कि मां एग्रो इंडस्ट्रीज के संचालक राजेश अग्रवाल के सानिध्य में यह अखंड जाप किया जा रहा है। लांजी नगर में कोटेश्वर धाम परिसर के सामने शिवरात्रि पर्व पर 15 फरवरी को संध्या में अखण्ड सीताराम महामंत्र का संगीतमय संकीर्तन प्रारंभ किया गया है जो कि सप्ताह भर चलेगा। जिसका समापन 20 फरवरी को सुबह 10ः00 बजे लघु हवन पूजन कर संपन्न किया जाएगा। अखण्ड सीताराम महामंत्र संकीर्तन सम्पन्न कराने में पंडित रामचरित्र शास्त्री, राजा भैया मिश्रा, चंद्रिका पाण्डे, रामभान बड़गैया, योगेन्द्र जी, शंतलाल शुक्ला, शुभम पाण्डे, विजय द्विवेदी जी द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

सीताराम महामंत्र संकीर्तन का जाप आचार्य रामचरित्र शास्त्री के सानिध्य में श्री राम धार्मिक अनुष्ठान केन्द्र सुखदास उमरिया से आये राम भक्तों द्वारा किया जा रहा है। शिवरात्रि पर्व पर अखण्ड सीताराम महामंत्र संकीर्तन का जाप किया जा रहा है जो कि 20 फरवरी 2026 को

शिवरात्रि पर ब्रम्हकुमारीज सेवा केन्द्र में शिव जयंती महोत्सव मनाया गया

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, एरीगेशन रोड़ सेवा केंद्र पर 90 वी त्रिमूर्ति शिव जयंती के पावन पर्व पर शिव ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष रेखा कालबेले विशेष रुप से उपस्थित रहीं। साथ ही पार्षद मुकेश रणदिवे व सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कल्याणी बहनजी ने मिलकर शिव ध्वज फहराया। अतिथियों ने सभी को शिव जयंती की बधाईयां दी। इस अवसर पर सभी को ब्रह्माकुमारी कल्याणी बहन ने सदा मीठे बोल बोलने, सर्व के प्रति शुभभावना - शुभकामना रखने की प्रतिज्ञा भी कराई। इस शुभ अवसर पर परमपिता परमात्मा शिव की यादगार शिवलिंग व लक्ष्मीनारायण, राधे कृष्ण की सुंदर झांकी सजाकर रैली के माध्यम से लॉजी के मुख्य स्थानों कोटेश्वर द्वार, काली मंदिर, दुर्गा मंदिर, लंजकाई मंदिर, मनेरी फाटक, भिलाई रोड़ शिव संदेश देते हुए ले जाया गया। सभी को परमात्मा शिव द्वारा सिखाये जा रहे राजयोग और उससे होने वाली प्राप्तियों के बारे में बताया गया। झांकी व रैली में बड़ी संख्या में संस्था के सदस्यों ने भाग लिया।

एडवेंचर पब्लिक स्कूल में मनाया वार्षिक महोत्सव एवं मातृ-पितृ पूजन दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम भानेगांव में संचालित एडवेंचर पब्लिक स्कूल में 10वॉ वार्षिक महोत्सव एवं मातृ पितृ पूजन दिवस का गरीमामयी माहौल में आयोजन किया गया। स्व. महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति द्वारा विद्यालय के प्रांगण में उक्त संपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें विद्यालय के संचालक ए. आर. कुशले, प्रधानपाठिका श्रीमतो ममता कुशले व रामकुमार ठाकरे सरपंच ग्राम पंचायत भानेगांव की अध्यक्षता में सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर माँ सरस्वती जी की वंदना की गई। सांस्कृतिक एवं सांस्कारिक कार्यकम में मुख्य अतिथि के रूप में लॉजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक सम्मानिय राजकुमार कर्राहे व विशिष्ट अतिथि लॉजी किरनापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पुलिस उप अधीक्षक संतोष पटेल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति उमरे, जनपद सभापती रेवाराम करहाटकरे, पूर्व जनपद सदस्य लीलाधर रावते, से.नि. शिक्षिका श्रीमती सुशिला ढोमड, से.नि. नर्स श्रीमती मालती ठाकरे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष सीताराम रावते, समाज सेवक पुरनलाल मेश्राम, जागेश्वर रावते सांदिपनी विद्यालय के प्राचार्य बी.आर गुरदे की गरिमामयी उपस्थिती में सांस्कृतिक एवं सांस्कारिक कार्यक्रम में विद्यालय शिक्षको के द्वारा रागान, राष्ट्रगीत व मध्यप्रदेश गान के साथ छात्र-छात्राओं के द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत गीत, लोकगीत, शिव पार्वती विवाह, माता पिता पर आधारित गीत धार्मिक झाकीयों की मनमोहक प्रस्तुती दी गई। मातृ पितृ पूजन में विद्यालय के अध्ययनरत समस्त छात्रों के द्वारा अपने माता-पिता का पूजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने कार्यकम की सराहना करते हुये एडवेंचर स्कूल माता-पिता को समर्पित कार्यकम मातृ-पितृ पूजन में माता पिता का आदर सत्कार कर भारतीय संस्कृति को बढावा दे रहे है। पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने बच्चो को बताया कि माता-पिता का आदर करने से सारे तिर्थ का फल मिलता है व माता पिता और गुरू का स्थान सबसे सर्वोच्च है जिस प्रकार भगवान गणेश जी ने अपने पिता भगवान शंकर जी व माँ पार्वती की परिक्रमा कर देवताओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था वैसे ही शिक्षा के क्षेत्र में कठिन परिस्थितीयों में हार न मानकर निरंतर मेहनत करने से सफलता एक दिन अवश्य मिलती है। पुलिस उप अधीक्षक संतोष पटेल ने कहा कि एडवेंचर स्कूल ने मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया जिसके माता पिता खुश होते है उससे ईश्वर प्रसन्न रहता है सच्चे और पहले भगवान माँ पिता ही है। कार्यक्रम के अध्यक्ष रामकुमार ठाकरे सरपंच भानेगांव न कहा की जिस प्रकार आज भानेगांव में एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल अपने बेहतर परीक्षा परिणाम के साथ-साथ नवोदय विद्यालय, इंस्पायर अवार्ड, युसीमास के लिए अतिरिक्त तैयारिया करवाकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहा है।

संस्था के संचालक आशाराम कुशले ने इस आयोजन को लेकर कहा कि विद्यालय प्रतिवर्ष अपना वार्षिक उत्सव कार्यकम 14 फरवरी को ही इसलिए मनाता है क्योंकि आज के दिन ही मातृ पितृ पूजन दिवस आता है जिसमें अध्ययनरत बच्चें इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुती के साथ साथ अपने माता पिता के साथ आकर सभी सामोहिक रूप से पूजन करते है व एक दूसरे का अनुसरण करते है। साथ हि एडवेंचर के लोगो में लिखे शब्दों का अर्थ बताते हुये कहा कि हम बच्चों के पढाई लिखाई के साथ साथ उनकी प्रतिभाओं को निखारने के लिए उनके भविष्य में एक साहसिक व्यक्तिव निर्माण करने का वादा करते है।अंत में 14 फरवरी 2019 के पुलवामा हमले में शहीद हुये हमारे देश के विर जवानों को श्रृद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में स्व. महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के सचिव राजाराम कुशले. पालक संघ अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया सचिव भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे सहसचिव दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सुजाता रामटेके सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सीमा इनवाती सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने पूर्व पालक संघ समिति से हरिषचन्द्र बारबुधे, ओमप्रकाश बापुरे, राजेश तुरकर, श्रीमती रीना गोस्वामी, श्रीमती छाया पटले, श्रीमती खेमलता बिसेन, श्रीमती संगीता अवसरे, श्रीमती अंजली किसान ।साथ ही ग्राम के गणमान्य लक्ष्मण नाकतोड़े, प्रकाश आठोड़े. बेनीराम लक्षिणे, लक्की आसटकर, विक्की किसान, भुषण राहंगडाले, चन्द्रशेखर अनमोले, गजेन्द्र बुराडे, रवि दोनाडकर, चन्द्रशेखर रावते, प्रभुशंकर भरें, रोशनलाल दह्लेमाल, दिनेश धनवले, विश्वेश्वर ऐडे, रामराज खेरे, मदनलाल बडघैया, युगलकिशोर कलपुरे, खेमचन्द कलपुरे, गणेश कुशले, भुपेश कर्राहे, पुरूषोत्तम कलपुरिया, रूपचन्द कुशले, संतोष कुशले, श्रीमती लता कुचलाहे एवं पत्रकारो मे रूपेश रावते, मयूर सुले, दिनेश रामटेक्कर, संजय टेम्भरे, पवन कश्यप की उपस्थिती रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं पालक शिक्षक संघ के सदस्यों का योगदान रहा। संपूर्ण कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती पूनम ढोमने एवं रोहित चंदेल के द्वारा

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मध्य प्रदेश में डेवलपमेंट के नाम पर लील गए जंगल

- बीते 5 साल में 60 हजार एकड़ वन भूमि हुई कम

भोपाल। मध्य प्रदेश में जंगलों की कीमत पर विकास की गति आगे बढ़ रही है। सड़क, रेल लाइन और खनन जैसे कामों के लिए पिछले 5 सालों के दौरान मध्य प्रदेश का 60 हजार एकड़ जमीन का वन क्षेत्र कम हुआ है। यह आंकड़ा देश में सबसे ज्यादा है। केन्द्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 5 सालों के दौरान पूरे देश में 97 हजार 50 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्सन कर दिया गया। इनमें मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वन भूमि का डायवर्सन हुआ है। एमपी के बाद दूसरे नंबर पर ओडिशा राज्य है।

केन्द्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक देश भर में पिछले 5 सालों में जल विद्युत, सिंचाई परियोजनाओं, खनन, विद्युत लाइनों और सबसे ज्यादा सड़कों के लिए जंगल का एरिया कम हुआ है। पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्यमंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में इसकी जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक देश में सबसे ज्यादा 22 हजार 233 हेक्टेयर वन

भूमि सिर्फ सड़कों को बनाने के लिए ली गई है। पिछले 5 सालों में देश में 97 हजार 50 हेक्टेयर यानी 2 लाख 39 हजार 815 एकड़ वन भूमि कम हुई है। यह वन भूमि का प्लांटेशन के अलावा दूसरे कामों के लिए डायवर्सन किया गया। वन भूमि के डायवर्सन के मामले में देश में मध्य प्रदेश सबसे टॉप पर है।

वन भूमि डायवर्सन के मामले में एमपी टॉप पर

देश में सबसे ज्यादा वन भूमि का डायवर्सन एमपी में हुआ है। पिछले 5 सालों में प्रदेश में 24 हजार 346 हेक्टेयर (यानि 60 हजार एकड़) वन भूमि का डायवर्सन किया गया है। साल 2024-25 में ही 3236 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्सन किया गया। जबकि साल 2023-24 में 9219 हेक्टेयर वन भूमि, 2022-23 में 2045 हेक्टेयर भूमि, 2021-2022 में 3492 हेक्टेयर भूमि और 2020-21 में 6352 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्सन कर दिया गया। यानी इस वन भूमि पर पौधों को लगाने या दूसरे वन से जुड़े काम नहीं, बल्कि दूसरे विकास के काम हुए हैं।

नुकसान की भरपाई सिर्फ पौधे लगाने से नहीं होगी

रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी सुदेश वाघमारे के मुताबिक विकास कार्यों के लिए ली जाने वाले वन भूमि के मामले में कैंपा फंड के रूप में राशि मिलती है, जिसका उपयोग वन प्रबंधन पर होना चाहिए, लेकिन कई मामलों में यह भी देखने में आया है कि कैंपा फंड की राशि का उपयोग भवन आदि बनाने में कर लिया गया। सीएजी की रिपोर्ट में भी इसको लेकर पूर्व में आपत्ति जताई जा चुकी है। वन भूमि डायवर्सन के बाद इन स्थानों पर सालों पुराने पेड़ काटे जाते हैं, ऐसे में इसकी भरपाई सिर्फ पौधे लगाने से नहीं होगी, बल्कि यह बड़ी जिम्मेदारी है कि पौधों को बड़ा होने तक जिम्मेदारी भी उठाई जाए। उधर भारत राज्य वन रिपोर्ट 2023 के मुताबिक देश में सबसे ज्यादा 371.54 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वन आवरण में परिवर्तन हुआ है। 2021 की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश में वन आवरण 77 हजार 444 वर्ग किलोमीटर था, जो 2023 में घटकर 77 हजार 073 वर्ग किलोमीटर रह गया।

केन्द्र से मिलती है राज्यों को राशि

विकास परियोजनाओं के लिए वन भूमि का उपयोग बदलने की क्षतिपूर्ति के रूप में केन्द्र सरकार द्वारा संबंधित राज्य को कैम्पा फंड मिलता है। इसका उपयोग वनों में पौधे लगाने, वन्यजीव प्रबंधन आदि पर किया जाता है। डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद द्वारा हाल ही में क्षतिपूर्ति वनरोपण कोष यानी कैंपा फंड की वार्षिक परिचालन योजना 2025-25 के तहत 1478.38 करोड़ रुपए में से 1038 करोड़ रुपए के उपयोग की मंजूरी दी है। इसके तहत इस राशि का 80 फीसदी वन और वन्यजीव प्रबंधन पर और 20 फीसदी वन और वन्यजीव संबंधी अवसंरचना का मजबूत करने के लिए खर्च किया जा रहा है।

स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी 24 को करेंगे भोपाल कूच

महासंघ ने किया चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण का ऐलान

भोपाल। अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी 24 फरवरी को भोपाल कूच करेंगे। इससे पहले 16 और 17 फरवरी को जिला मुख्यालयों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। लंबित मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज़ समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ ने चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण का ऐलान किया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियमित, एनएचएम संविदा, एड्स नियंत्रण समिति, आउटसोर्स, रोगी कल्याण समिति, गैस राहत और आयुष विभाग से जुड़े कर्मचारियों की 14 सूत्रीय तथा आयुष की 9 सूत्रीय मांगें लंबे समय से लंबित हैं। कई मांगें गैर-आर्थिक और सैद्धांतिक हैं, जिन पर सहमति बनने के बावजूद आदेश जारी नहीं हुए। इससे कर्मचारियों में आक्रोश है। महासंघ ने चेताया है कि 24 फरवरी को हजारों कर्मचारी भोपाल में एकत्र होकर 'न्याय यात्रा' निकालेंगे और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद भी समाधान नहीं हुआ तो हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया जाएगा। संगठन ने साफ किया कि ऐसी स्थिति की जिम्मेदारी विभाग की होगी। कर्मचारियों का कहना है कि वे मानव सेवा से जुड़े महत्वपूर्ण विभाग में काम करते हैं, लेकिन मांगों की अनदेखी से आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। अब सबकी निगाहें सरकार की अगली प्रतिक्रिया पर टिकी हैं। स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में चिकित्सकों की तरह रात्रिकालीन आकस्मिक चिकित्सा भत्ता, रेडियोग्राफर व संबंधित कर्मचारियों को रेडिएशन जोखिम भत्ता, सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर्स को समान वेतन वृद्धि, विभिन्न कैडरों के पदनाम परिवर्तन व ग्रेड पे संशोधन, एनएचएम व एड्स नियंत्रण समिति के संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण/नीति लागू करने की मांग, आउटसोर्स व रोगी कल्याण समिति कर्मचारियों के लिए ठोस सेवा सुरक्षा नीति एवं सातवें वेतनमान का लाभ 2016 से लागू करने सहित विभागीय विसंगतियों का समाधान आदि मांगें शामिल है।

वकील की हत्या का विरोध, अधिवक्ताओं की हड़ताल

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग, कोर्ट में काम प्रभावित

भोपाल। शिवपुरी के करेरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की हत्या के विरोध में भोपाल के वकीलों ने सोमवार को न्यायालय में काम बंद रखा। उन्होंने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। भोपाल में अधिवक्ताओं ने तत्काल प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है।

वहीं, कोर्ट में काम बंद होने के कारण लोग परेशान नजर आए। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय चौधरी ने बताया कि समय-समय पर एडवोकेट्स के साथ वारदातें होती हैं। लिहाजा उनके लिए अडवोकेट प्रोक्शन एक्ट लागू किया जाना अति अवश्यक हो चुका है। पूर्व में भी इसकी मांग उठी लेकिन सरकार ने वकीलों की मांग को नजरअंदाज किया। एडवोकेट देवेंद्र रावत मुताबिक भोपाल के अधिवक्ता वकील की हत्या के बाद आक्रोशित हैं। हमारी मांग है कि हत्या के आरोपियों के खिलाफ फास्टट्रेक कोर्ट में केस को चलाया जाए। केस की जांच किसी स्पेशल एजेंसी से कराई जानी चाहिए।

बेटे की जमानत के लिए हलाकान होती दिखी मां

भोपाल कोर्ट में तुलसी राय ने बताया कि उनके बेटे को धोखाधड़ी के आरोप में जेल भेजा गया है। जिसकी जमानत पर आज सुनवाई होना थी। कोर्ट में आते ही पता लगा कि आज नयायालय में काम बंद है। हालांकि इस परेशान मां को आस थी कि कुछ घंटों में काम शुरू होगा और शायद उनके बेटे केस में सुनवाई हो जाए। लिहाजा वह अपने वकील की टेबल पर बैठी इंतेजार करती रहीं। इधर, साथी वकील की हत्या से गुस्साए वकीलों ने कोर्ट परिसर में जमकर नारेबाजी की। वकील अपनी कुर्सियों पर काम बंद कर बैठे हुए नजर आए। 14 फरवरी को करेरा अभिभाषक संघ के सदस्य अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे कोर्ट जा रहे थे जब पुराने विवाद के चलते भाड़े के शूटरों ने उन्हें निशाना बनाया। शिवपुरी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शूटरों और साजिशकर्ता युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने किया फेसलेस रजिस्ट्री सिस्टम का शुभारम्भ

75 दस्तावेज अब संपदा-2 पर होंगे ऑनलाइन : विदेश में बैठ कर भी करा सकेंगे रजिस्ट्री

भोपाल। मध्य प्रदेश में रजिस्ट्री की प्रक्रिया अब डिजिटल दौर में प्रवेश कर चुकी है। राजधानी भोपाल में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने साइबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ कर फेसलेस रजिस्ट्री सिस्टम की शुरुआत कर दी। इसके तहत अब पहले चरण में 75 प्रकार के दस्तावेज अब पूरी तरह ऑनलाइन और वीडियो केवाईसी के माध्यम से पंजीकृत किए जा सकेंगे। हालांकि प्रॉपर्टी की सेल डीड को फिलहाल इस व्यवस्था से बाहर रखा गया है। सरकार का दावा है कि इस प्रक्रिया में भीड़, इंतजार और भ्रष्टाचार के आरोपों में कमी आएगी।

अधिकारियों ने बताया कि राजधानी स्थित पंजीयन मुख्यालय के बेसमेंट से अब पूरे प्रदेश के लिए, साइबर सब-रजिस्ट्रार रजिस्ट्री करेंगे। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद तीन साइबर सब-रजिस्ट्रार तैनात कर दिए गए हैं। बता दें प्रदेश में कुल 141 प्रकार के दस्तावेज पंजीकृत होते हैं, जिनमें से 75 को पहले चरण में ऑनलाइन किया गया है। इसे अभी वैकल्पिक रखा गया है, लेकिन आगे चलकर अनिवार्य करने की तैयारी है।

खत्म हो जाएगी दस्तावेज के गुमने की समस्या

साइबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि साइबर पंजीयन बदलते दौर का संकेत है। मध्य प्रदेश डिजिटल क्रांति में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब लोगों को उप-पंजीयक कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी। घर बैठे बैंक, पंजीयन और अन्य काम संभव होंगे। इससे भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी रोक लगेगी और दस्तावेजों की सुरक्षा बढ़ेगी। कागज गुम होने या खराब होने की समस्या खत्म होगी। गलती की संभावना भी कम होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभवतः मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां इस तरह का साइबर पंजीयन कार्यालय शुरू हुआ है।

विदेश में भी बैठ कर करा सकेंगे रजिस्ट्री

वित्त मंत्री और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि आज से पूरे प्रदेश में साइबर पंजीयन सुविधा शुरू हो गई है। इसके तहत अभी 75 दस्तावेज ऑनलाइन किए जा सकते हैं। संपदा-1, संपदा-2 और अब साइबर पंजीयन कार्यालय जैसे नवाचारों से आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप मध्य प्रदेश कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। अब कोई व्यक्ति जिले या विदेश में बैठकर भी इस प्रक्रिया में शामिल हो सकता है।

इस तरह होगी ऑनलाइन रजिस्ट्री

सबसे पहले संपदा-2 पोर्टल पर पंजीकरण और ई-केवाईसी करना होगा। फिर जरूरी दस्तावेज स्कैन कर अपलोड किए जाएंगे। उसके बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। फिर वीडियो पंजीयन के लिए तारीख चुनी जाएगी। तय समय पर साइबर सब-रजिस्ट्रार वीडियो कॉल के जरिए पहचान और सहमति की पुष्टि करेंगे। वेरिफिकेशन के बाद डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र ई-मेल और व्हाट्सएप पर जारी किया जाएगा। नई व्यवस्था से रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और सुविधाजनक बनने की उम्मीद है। सरकार का भी मानना है कि इससे समय, खर्च और विवाद तीनों में कमी आएगी।

तीन साल का रोलिंग बजट पेश करेगी सरकार

बढ़ते कर्ज से फूल रहा राज्य की अर्थव्यवस्था का दम

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप देने में जुटी है। 18 फरवरी को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा विधानसभा में अगले तीन वर्षों का रोलिंग बजट पेश करेंगे। इस बार राज्य का बजट आकार करीब 4.85 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 15 फीसदी ज्यादा रहने की संभावना है। लेकिन, चिंताजनक बात यह है कि राज्य पर बजट से ज्यादा कर्ज हो गया है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था का दम फूल रहा है। मोहन सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती लगातार बढ़ता कर्ज है। मार्च 2026 तक राज्य पर कुल ऋण करीब 5.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जो गंभीर वित्तीय दबाव का संकेत देता है। सरकार 18 फरवरी को विधानसभा में बजट पेश करेगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य का बजट लगभग 4.21 लाख करोड़ रुपये था। ऐसे में 2026-27 में प्रस्तावित 4.85 लाख करोड़ रुपये का बजट उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

केंद्रीय करों में हिस्सेदारी घटने का असर

केंद्रीय करों में प्रदेश की हिस्सेदारी घटने से भी प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ सकता है। वित्त विभाग के अनुसार, यह हिस्सेदारी 7.850 प्रतिशत से घटकर 7.347 प्रतिशत रह गई है। करीब आधा प्रतिशत की इस कमी से राज्य को लगभग 8,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में प्रदेश को हर साल करीब 7,500 करोड़ रुपये कम प्राप्त हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कमी की भरपाई के लिए राज्य को अपने संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और व्यय प्राथमिकताओं में संतुलन बनाना होगा।

सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं का बढ़ता व्यय

पिछले तीन वर्षों में कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च में तेजी आई है। लाडली बहना योजना के तहत पात्र महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है। शुरुआत में 1,250 रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे, जिसे बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दिया गया है। इस योजना पर सालाना लगभग 19 से 22 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। इसी तरह किसान सम्मान निधि के अंतर्गत लगभग 87 लाख किसानों को सहायता दी जाती है, जिस पर करीब 5 हजार करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय होता है। स्कूटर और लैपटॉप जैसी प्रोत्साहन योजनाएं भी वित्तीय भार बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, कुल बजट का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा वेतन, भत्तों और पेंशन पर खर्च किया जा रहा है, जिससे राजकोष पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है।

तीन साल के अग्रिम अनुमान होंगे

इस बार सरकार बजट प्रक्रिया में 'रोलिंग बजट' प्रणाली लागू करने जा रही है। इसके तहत 2026-27 के साथ-साथ 2027-28 और 2028-29 के लिए भी अग्रिम अनुमान और वित्तीय रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।

राकेश शर्मा ने मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) का कार्यभार सम्भाला

भोपाल। राज्य प्रशासनिक सेवा के 2016 बैच के अधिकारी राकेश शर्मा ने मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) का कार्यभार सम्भाल लिया है।

श्री शर्मा ने बताया कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एक उपभोक्ता उन्मुखी कंपनी है। कंपनी के कार्मिकों की भूमिका को प्रभावी बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्मिकों के नियमानुसार हकों और प्रकरणों को समय-सीमा में हल किया जाएगा। कार्मिकों तथा कंपनी प्रबंधन के बीच औद्योगिक संबंध की स्वस्थ परंपरा का निर्वाह किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी की औद्योगिक शांति एक मिसाल है इसको कायम रखा जाएगा तथा प्रबंधन और कार्मिकों के समन्वय से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करेंगे।

बीजेपी जॉइन करने की अटकलों पर कांग्रेस विधायक का जवाब - नितेन्द्र बोले

भोपाल। एमपी में कमलनाथ सरकार गिरने के बाद से कांग्रेस के विधायकों को लेकर कई बार अफवाहें और कयास लगते रहते हैं। टिमरनी विधायक अभिजीत शाह आरएसएस के हिन्दू सम्मेलन में शामिल हुए तो उनको लेकर अटकलें चलने लगी थीं। हालांकि विवाद तेज होने के बाद विधायक अभिजीत शाह ने अपने इंस्टाग्राम से हिन्दू सम्मेलन में शामिल होने वाला वीडियो डिलीट कर दिया था। अब कांग्रेस के ही एक और युवा विधायक के बीजेपी में शामिल करने की चर्चाएं सोशल मीडिया और मीडिया में चल रहीं हैं। पृथ्वीपुर से कांग्रेस विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर को लेकर स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया में ये खबरें आई कि वे बीजेपी जॉइन कर सकते हैं। इन चर्चाओं को लेकर विधानसभा पहुंचे नितेन्द्र सिंह राठौर ने दैनिक भास्कर से चर्चा की। नितेन्द्र सिंह राठौर ने कहा कि ये निराधार बातें हैं जिनका कोई औचित्य नहीं हैं। कोई समाचार पत्र यदि किसी फंक्शन में जाने की तस्वीर छाप दे। या मुख्यमंत्री जी जो प्रदेश के मुखिया हैं उनसे सत्ता पक्ष के विधायक भी मिलते हैं और विपक्ष के विधायक भी मिलते हैं। क्योंकि, जनता ने चुनकर भेजा है तो हम क्षेत्र के काम मांगने या जनता की समस्याओं से अवगत कराने के लिए किसके पास जाएंगे? विपक्ष का विधायक यदि प्रदेश के मुखिया से मिलता है तो इसीलिए मिलता है ताकि जनता के हितों का ध्यान रख सके। क्योंकि, मुझे जनता ने चुनकर भेजा है।

जरूरत पड़ेगी तो जनता के काम के लिए प्रधानमंत्री से मिलूंगा

पृथ्वीपुर विधायक ने कहा- मैं तो कहता हूं कि जनता के लिए मुझे प्रधानमंत्री जी से मिलना पड़े या किसी केन्द्रीय मंत्री से मिलना पड़े तो उनसे भी मिलूंगा। इसमें क्या गलत है? लेकिन, इन मुलाकातों को गलत तरीके से प्रस्तुत करना। ये बहुत दुखद और निराधार है। मैं इतना ही कहूंगा कि ऐसी खबरों से पत्रकारों को बचना चाहिए। क्योंकि इससे एक जनप्रतिनिधि जो जनता के द्वारा चुनकर आता है उसकी छवि खराब करने का प्रयास है। जनता के काम के लिए और विकास कार्यों के लिए, किसी से भी काम के लिए मिलना होगा मैं मिलूंगा।

मध्य प्रदेश में पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों की नहीं होगी वार्षिक परीक्षा

- सतत एवं समग्र आकलन पद्धति के आधार पर किया जाएगा मूल्यांकन

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस वर्ष भी पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा नहीं होगी। उनका मूल्यांकन दक्षता के आधार पर किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि इन कक्षाओं के बच्चों का मूल्यांकन सतत एवं समग्र आकलन पद्धति के आधार पर किया जाएगा।

छोटे बच्चों पर परीक्षा का दबाव कम करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। वहीं तीसरी, चौथी, छठवीं और सातवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं नौ मार्च से शुरू होकर 14 मार्च तक संचालित होंगी। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक है। स्कूलों को परीक्षा के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

तीनों भाषाओं का चयन करना होगा

राज्य शिक्षा केंद्र ने भाषा विषयों के चयन को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार यदि कोई विद्यार्थी प्रथम भाषा के रूप में हिंदी, उर्दू या मराठी का चयन करते हैं तो द्वितीय भाषा के रूप में अंग्रेजी लेना अनिवार्य होगा। वहीं यदि प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी चुनी जाती है तो द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना आवश्यक रहेगा। इसके अलावा जिन विद्यार्थियों ने प्रथम भाषा के रूप में उर्दू या मराठी का चयन किया है, उनके लिए तृतीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन अनिवार्य किया गया है।

15 साल की सेवा के बाद भी 900 आईटीआई अतिथि शिक्षक 'बेरोजगार'

भोपाल। मप्र के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अपने पसीने से सींचने वाले लगभग 900 मेहमान प्रवक्ता (अतिथि शिक्षक) आज सड़क पर आने को मजबूर हैं। शासन द्वारा 1120 पदों पर प्रशिक्षण अधिकारियों की निकाली गई नियमित भर्ती ने इन अनुभवी शिक्षकों के भविष्य पर डेथ वारंट जैसा वार किया है। आलम यह है कि 15 वर्षों से न्यूनतम मानदेय पर काम कर रहे ये शिक्षक आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

स्कूल शिक्षा में 50 प्रतिशत आरक्षण, आईटीआई में शून्य मेहमान प्रवक्ता का स्पष्ट आरोप है कि मध्यप्रदेश सरकार दोहरी नीति अपना रही है। स्कूल शिक्षा विभाग में अतिथि शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा अतिथि विद्वानों को 25 प्रतिशत आरक्षण का लाभ तथा तकनीकी शिक्षा के अन्य अंगों में भी अतिथि विद्वानों को अनुभव के अंक और आयु सीमा में छूट का प्रावधान है। लेकिन आईआईटी मेहमान प्रवक्ता को न तो नियमित भर्ती में कोई आरक्षण मिला, न अनुभव के अंक दिए गए और न ही आयु सीमा में कोई राहत मिली।

फाइलों में दफन हुई संविदा नीति

हैरानी की बात यह है कि तत्कालीन विभागीय मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के कार्यकाल में इन अतिथि शिक्षकों को संविदा नीति में शामिल करने की योजना बनी थी। ड्राफ्ट तैयार हुआ, उम्मीदें जागीं, लेकिन वह योजना आज तक लागू नहीं हो सकी। वर्तमान विभागीय मंत्री माननीय गौतम टेटवाल जी से भी संगठन ने कई बार मुलाकात कर अपना दुखड़ा सुनाया, दर्जनों ज्ञापन दिए, लेकिन सिवाय आश्वासनों के इन मेहमान प्रवक्ताओं के हाथ कुछ नहीं लगा।

लगभग 900 परिवारों के सामने अंधेरा

आईटीआई मेहमान प्रवक्ता संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि हमने अपनी जवानी के 15 साल विभाग को दिए, जब विभाग के पास स्टाफ नहीं था तब हमने आईटीआई को जीवित रखा। आज जब नियमित भर्ती की बारी आई, तो हमें कचरे की तरह बाहर फेंका जा रहा है। यह दर्द है उन शिक्षकों का जो अब ओवर-एज होने की कगार पर हैं। बिना किसी अनुभव लाभ के वे नई उम्र के अभ्यर्थियों से सीधी प्रतिस्पर्धा कैसे करेंगे?

संघ की प्रमुख मांगें

स्कूल शिक्षा की तर्ज पर नियमित भर्ती में अनुभवी अतिथि शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए।

ठेकों से पहले 'हाफ प्राइस' शराब

- भोपाल में 50 प्रतिशत तक छूट, सिस्टम पर उठे सवाल

भोपाल । नए वित्तीय वर्ष से पहले शराब ठेकों की अवधि खत्म होने में अभी समय है, लेकिन राजधानी भोपाल सहित देवास, नर्मदापुरम और एक दर्जन से अधिक शहरों में शराब 30 से 50 फीसदी तक छूट पर बेची जा रही है। दो हफ्ते पहले तक महंगी शराब की शिकायतें थीं, अब कई दुकानों पर एक के साथ एक फ्री और लागत मूल्य के आसपास बिक्री हो रही है। बाजार में आई इस अचानक गिरावट ने आबकारी नीति, प्रतिस्पर्धा और सिस्टम तीनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकार बताते हैं कि आम तौर पर 31 मार्च से ठीक पहले स्टॉक क्लियरेंस के लिए सीमित छूट दी जाती है, लेकिन इस बार दो महीने पहले ही भारी डिस्काउंट शुरू हो गया। भोपाल में एक बड़े समूह द्वारा 50 प्रतिशत तक छूट दिए जाने की चर्चा है। शहर में दो प्रमुख समूह सक्रिय हैं। एक के पास 62 और दूसरे के पास 25 दुकानें बताई जाती हैं। जिन जिलों में ठेकेदारों का सिंडिकेट मजबूत है, वहां कीमतें नियंत्रित और छूट सीमित है। जहां सिंडिकेट नहीं, वहां आपसी प्रतिस्पर्धा ने कीमतों को तेजी से नीचे ला दिया है। मध्य प्रदेश आबकारी विभाग की आबकारी नीति 2025-26 में स्पष्ट है कि शराब की बिक्री एमआरपी से अधिक और एमएसपी से कम दर पर नहीं की जा सकती। ठेकेदारों का तर्क है कि हर माह कम से कम 85 प्रतिशत स्टॉक उठाना अनिवार्य है। तय मात्रा न लेने पर भारी पेनॉल्टी लगती है। ऐसे में लाइसेंस अवधि समाप्त होने से पहले स्टॉक निकालना उनके लिए व्यावसायिक मजबूरी बन जाता है। सवाल यह है कि अगर बिक्री एमएसपी से नीचे नहीं हो सकती, तो 50 प्रतिशत तक की छूट किस आधार पर दी जा रही है।

भोपाल में मौजूदा वित्तीय वर्ष में 14 ठेकेदारों पर प्रकरण दर्ज किए गए हैं। 13 में एमआरपी से अधिक और एक में एमएसपी से कम दर पर बिक्री के मामले सामने आए। विभाग के पास एमआरपी और एमएसपी उल्लंघन पर कार्रवाई का अधिकार है और दंडात्मक कदम उठाए भी गए हैं। फिर भी, बाजार में जारी बड़े पैमाने की छूट यह संकेत देती है कि या तो निगरानी पर्याप्त नहीं है या फिर नियमों के भीतर रहकर कीमतें घटाने के रास्ते निकाले जा रहे हैं। राज्य को आबकारी से सालाना 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिलता है। नए वित्तीय वर्ष में 19,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य संभावित बताया जा रहा है। भोपाल जिले में मौजूदा साल का ठेका करीब 1100 करोड़ रुपये में गया।

श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया, निसंका ने टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया

पल्लेकेले। टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को तीसरे मैच में श्रीलंका ने 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। अब उसकी उम्मीदें जिम्बाब्वे की हार पर टिकीं हैं।

पल्लेकेले स्टेडियम में ग्रुप बी के इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 182 रन का टारगेट 18 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। पथुम निसंका ने 52 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया। कुसल मेंडिस ने 51 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया से ट्रेविस हेड ने 56 और मिचेल मार्श ने 54 रन की पारी खेली। दोनों ने शतकीय साझेदारी की। जोश इंग्लिस ने 27 और ग्लेन मैक्सवेल ने 22 रन बनाए। दुषन हेमंथ ने 3 विकेट झटके। दुष्मंथा चमीरा को 2 विकेट मिले।

वैभव बोर्ड परीक्षा नहीं देंगे, आईपीएल पर ही ध्यान देंगे

पटना । हाल ही में अंडर-19 विश्वकप में धमाकेदार बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय टीम के 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल पर ही ध्यान देंगे और इस बार दसवी की सीबीएसई परीक्ष में नहीं बैठेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वैभव ने ये फैसला इसलिए लिए है क्योंकि उनकी बोर्ड परीक्षा की तैयारी नहीं हुई है। ऐसे में वह इस बार परीक्षा नहीं देते हुए आईपीएल के लिए अभ्यास करेंगे। वैभव ने ट्रेनिंग, कैंप और टूर्नामेंट्स के व्यस्त कार्यक्रम के कारण इस बार बोर्ड परीक्षा छोड़ने का फैसला किया है.

वैभव बिहार के ताजपुर के मोडेस्टी स्कूल में पढ़ते हैं और उनकी परीक्षा 17 फरवरी से 11 मार्च तक होनी थी। रिपोर्ट के अनुसार लगातार क्रिकेट खेलने के कारण वैभव घर और स्कूल से दूर रहे, जिससे उनकी परीक्षा की तैयारी नहीं हो पायी है। वहीं इससे पहले

स्कूल के डायरेक्टर ने कहा था कि वैभव का परीक्षा फॉर्म जमा हो गया था. उनका एडमिट कार्ड भी जारी कर दिया गया था। परीक्षा केंद्र के तौर पर पोदार इंटरनेशनल स्कूल तय किया गया थ पर वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी से चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया कि वह इस साल परीक्षा नहीं देंगे।

वैभन अब आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी खेलते दिखेंगे। वह अंडर-19 विश्वकप में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 62.71 की औसत और 169.49 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए, जिसमें एक शतक, तीन अर्धशतक और 175 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। वैभव ने टूर्नामेंट में 30 छक्के लगाकर रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2022 में दक्षिण अफ्रीका के डेवॉल्ड ब्रेविस के 18 छक्कों से काफी ज्यादा है। अब वह विश्वकप इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

जिम्बाब्वे से जब-जब हारी है ऑस्ट्रेलिया, भारतीय टीम बनी है विजेता

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया हैं। उससे भारतीय प्रशंसकों में उत्साह है और उन्हें लग रहा है कि इस बार भी भारतीय टीम खितेगीजीतेगी। इस कारण एक अजब संयोग हैं जो जिम्बाब्वे की कंगारुओं के खिलाफ जीत से जुड़ा है । इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे से हारी है तो उसका लाभ भारतीय टीम को मिला है। साल साल 1983 के एकदिवसीय विश्वकप जिम्बाब्वे की टीम ने 13 रन से

ऑस्ट्रेलिया के हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विस्ट इंडीज को हराकर पहली बार खिताब जीता था। वहीं साल 2007 के टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने 5 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जब भी भारतीय टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीती थी। वहीं इस बार भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर पहला उलटफेर किया है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी को सिर्फ 146 रन पर समेट दिया। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 में में पहुंचना तक कठिन हो गया है। वह ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी हैं। 19 साल बाद किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया है।ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज हावी हो गये। ब्लेसिंग मुजाराबानी ने जोश इंग्लिस को जल्दी आउट कर शुरुआत की, वहीं ब्रैड इवांस ने कैमरून ग्रीन और ट्रैविस हेड को पेवेलियन भेजा था। टिम डेविड भी बिना खाता खोले मुजाराबानी का शिकार बने, जिससे ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

वेस्टइंडीज सुपर 8 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी- होप

मुम्बई। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में पहुंचने पर खुशी जतायी है। होप ने कहा कि पहले उनकी टीम को दावेदार नहीं माना जा रहा था पर उन्होंने शुरुआत से ही तय कर रखा था कि टीम जीत के इस सिलसिले को बनाये रखने उतरेगी। उन्होंने कहा कि सुपर 8 में पहुंचकर टीम ने पहला पढ़ाव हासिल कर लिया है। अब टीम अगले दौर के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेस्टइंडीज नेपाल को 9 विकेट से हराकर धमाकेदार तरीके से सुपर 8 में प्रवेश किया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम है। मैच में कप्तान शाई होप का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं इस मैच में हार से नेपाल की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। यह इस मुकाबले में इंडीज टीम हावी रही और उसने तय ओवरों से पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान ने टीम के गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा की और कहा कि गेंदबाजों ने नेपाल को कम स्कोर पर रोक कर जीत में अहम भूमिका निभाई।

कप्तान ने मैथ्यू फोर्ड के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से विरोधी टीम पर दबाव बनाया। फोर्ड के बात करते हुए उन्होंने कहा, आपको उन्हें श्रेय देना ही होगा, वह सटीक गेंदबाजी कर रहे थे। वह गेंद की स्विंग का भरपूर फायदा उठाते हैं।होप ने कहा कि टॉस जीतने का भी उन्हें लाभ मिला। । पिच पर थोड़ी नमी थी और ऐसे में पहले गेंदबाजी का उन्हें लाभ मिला। उन्होंने कहा कि जीत में योगदान देना हमेशा एक सुखद अहसास होता है। उन्होंने माना कि अब टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण समय शुरू हो गया है। एक बल्लेबाज के तौर पर वे सुपर 8 के बड़े मैचों में भी अपनी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। होप ने कहा कि वे अपनी टीम की विशेष शैली की क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने उन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने की जरूरत बताई जिनपर आम तौर पर खेल के दौरान ध्यान नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि टीम जीत के सिलसिले को टूर्नामेंट के अंत तक ले जाना चाहते हैं।

पाकिस्तान की हार से पहले से ही स्टेडियम से निकले पीसीबी प्रमुख नकवी का उड़ रहा मजाक

कोलंबो। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी भारतीय टीम के खिलाफ खिलाफ टी20 विश्वकप मैच में अपनी टीम का मनोबल बढ़ाने कोलंबो पहुंचे थे पर पाक की हार तय होते ही वह भाग खड़े हुए। नकवी ने इस बार भारत से हार से बचने के लिए विश्वकप में ये मैच खेलने से इंकार कर दिया था पर आईसीसी की फटकार और दबाव के चलते हुए ये मैच खेलना पड़ा। भारतीय टीम ने मैच में पाक को 61 रनों से हराकर एक बार फिर दिखाया है कि वह उससे कहीं आगे है।

आर प्रेमदासा क्रिकेट स्टेडियम में मैच समाप्त होने से पहले ही नकवी काले रंग की कार में स्टेडियम से निकल गए। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नकवी मोहम्मद नवाज के आउट होते ही निराश होकर स्टेडियम से निकल गये थे। तब पाक की आधी टीम 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 77 रन पर ही सिमट गयी थी।

मैच खत्म होने से पहले ही स्टेडियम से जाने के कारण सोशल मीडिया पर नकवी का मजाक उड़ रहा है। कुछ प्रशंसकों ने लिखा कि वह हार होने से पहले ही भाग गए। नकवी ने जब से पीसीबी और एशियन क्रिकेट परिषद (एसीसी) की कमान संभाली है। वह भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। पिछले साल एशिया कप में भी नकवी भारतीय टीम की जीती हुई ट्रॉफी को लेकर निकल गये थे। इससे पहले भारतीय टीम ने फानल में जीत के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसके बाद से ही ये ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय में है।

काफी पढ़े-लिखे हैं पाक के नये कप्तान आगा

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा टीम के अन्य खिलाड़ियों से काफी अलग अंजाज के लिए जाने जाते हैं। पाक के जहां अन्य क्रिकेटर काफी कम पढ़े-लिखे हैं वहीं आगा ने उच्च शिक्षा ली है। लाहौर के एक पंजाबी परिवार में जन्मे आगा ने खेल के साथ-साथ अपनी स्कूली शिक्षा भी पूरी की है। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई लाहौर के एक स्थानीय स्कूल से पूरी की। वह बचपन से ही पढ़ाई में औसत थे पर खेल के प्रति उनका रुझान जबरदस्त था. उन्होंने स्कूल के दिनों से ही अंडर-16 और स्कूल लेवल की क्रिकेट टीमों में अपनी जगह बना ली थी। पाक मीडिया के अनुसार गा ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद कॉलेज में प्रवेश लिया था। उन्होंने इसके बाद अपनी डिग्री पूरी की। उन्होंने 'हायर एजुकेशन कमीशन' (एचईसी) की टीम के लिए घरेलू क्रिकेट खेला है।

टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद देश भर में जश्न का माहौल

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में भारतीय टीम की पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद से ही देश भर में जश्न का माहौल है। भारतीय टीम ने इस मैच में 61 रनों से बड़ी जीत दर्ज करते हुए सुपर 8 में प्रवेश किया है। भारती टीम की जीत के साथ ही देश में क्रिकेट प्रेमी खुशी मनाने के लिए सड़कों पर उतर आये। प्रशंसक पटाखे फोड़ते और मिठाई बांटते दिखे। जीत से उत्साहित एक प्रशंसक ने कहा, हमारी टीम इंडिया की बल्लेबाजी बहुत अच्छी थी। यह कोई आसान पारी नहीं थी पर खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

अभिषेक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हुए

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस साल की शुरुआत से ही खामोश है, पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही आउट हो गये। अभिषेक अब तक टी20 विश्कवप में भी रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो मेच खेले हैं पर वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं। दोनों ही मैचों में वह अपना खाता भी नहीं खो पाये। इससे एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले वे भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं।अभिषेक ने 7 फरवरी को टी20 विश्व कप में डेब्यू किया। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद दिल्ली के नामीबिया के खिलाफ वह खेल नहीं पाये। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करते हए भी उनसे धमाकेदार पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि माना जा रहा था कि जिस प्रकार उन्होंने पिछले साल रन बनाये थे ।उसी प्रकार वह इस बार भी बनायेंगे। साल 2026 में यह चौथी बार है, जब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में खाता नहीं खोल पाये हैं। पिछले 6 मैचों में वह 4 बार शून्य पर आउट हुए हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड संजू सैमसन का है, जो पिछले साल 2025 में 5 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

अभिषेक इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे और चौथे मुकाबले में भी शून्य पर ही आउट हो गये थे। कुल मिलाकर अभिषेक शर्मा का टी20 क्रिकेट में पांचवां शून्य है, क्योंकि टी20 क्रिकेट में उनकी शुरुआत ही जीरो के साथ हुई थी।

इस जीत से मनोबल बढ़ा है, मुझे अपने पर भरोसा था

कोलंबो। पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में आक्रामक पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने से उत्साहित ईशान किशन ने कहा है कि उन्हें हमेशा से ही अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा था। ईशान ने पाक के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए 40 गेंदों पर ही 77 रन बनाये थे जिससे भारतीय टीम एक अच्छे स्कोर तक पहुंचने में सफल रही थी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा है कि पाक के खिलाफ मिली इस शानदार जीत से टीम का मनोबल और भी अधिक बढ़ा है। इशान ने स्पिनरों की सहायक पिच पर 40 गेंद में 10 चौके और तीन छक्के लगाकर पाक की गेंदबाजी को धवस्त कर दिया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 87 रन जोड़े। तिलक ने भी 25 रन बनाये। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाने के बाद पाकिस्तान को तय ओवरों से पहले ही 114 रनों पर समेट कर टीम को 61 रनों से जीत दिला दी। ईशान ने कहा, 'शुरुआत में इस विकेट पर खेलना आसान नहीं था पर उन्होंने अपने पर भरोसा बनाये रखा जिससे उन्हें सफलता मिली। उन्होंने अपने मजबूत पक्षों का भी ध्यान रखा। अपने ऑफ-साइड खेल पर मेहनत करने के साथ ही चीजों को सरल बनाये रखा।' वह चाहते थे कि टीम 160 से 170 रन तक पहुंच जाये।

वह जानते थे कि इतने रन बनाने पर टीम अच्छी स्थिति में रहेगी। उन्होंने कहा, 'भारत और पाक का मुकाबला हमेशा ही विशेष होता है। केवल हमारे लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ये जीत मायने रखनती है। अब हम इस जीत के सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे।' उन्होंने जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'जब शाहीन गेंदबाजी कर रहे थे तो मुझे नहीं लगा कि तेज गेंदबाजों के लिए पिच से ज्यादा सहायता मिल रही है, पर बुमराह और पंड्या ने उन दो ओवरों में ही हालात बदल दिये। ' भारत टीम इस इस मैच में मिली आसान जीत के साथ ही सुपर आठ में प्रवेश कर लिया है। पाक की ओर से उस्मान खान 44 और शाहीन शाह अफरीदी नाबाद 23 ही भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पाये बाकि सभी विफल रहे।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद सूर्यकुमार का पोस्ट जमकर वायरल हुआ

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्वकप में मिली जीत के बाद किया पोस्ट जमकर वायरल हो रहा है। भारतीय टीम ने विश्वकप में पाक के खिलाफ आठवीं जीत दर्ज की है। इस मैच में जीत के बाद सूर्यकुमार ने जो पोस्ट किया है। उसी को लेकर प्रशंसकों ने पाकिस्तान का मजाक उड़ाया है। सूर्यकुमार ने मैच के बाद टीम की कुछ तस्वीरें साझा कर लिखा था, 'हर हर महादेव।' जीत के बाद सूर्यकुमार की पोस्ट को लेकर कई प्रशंसकों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'बढ़िया रणनीति सूर्या भाई।' वहीं, एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, 'हर हर महादेव यही होगा पता था धन्यवाद सूर्य दादा रविवार अच्छा बनाने के लिए।'

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट जिला बालाघाट (म.प्र.) 481001

क्र. एफ/सामा./भंडार शाखा/50-2/2026 शाखा/50-2/2026/14400 बालाघाट, तारीख 13/02/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है-

क्र.	टेंडर आईडी नं.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_4765242-2	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में कार्यालयीन उपयोग हेतु वाहन किराये पर लिये जाने के संबंध में	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 07.00 लाख	2000=00 0.35 लाख	26/02/2026
2.	2026_UAD_481152-1	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में फैलेक्स प्रिटीग एवं फेम स्टालेशन कार्य	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 15.00 लाख	2000=00 0.75 लाख	13/03/2026
3.	2026_UAD_481442-1	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में स्टेशनरी क्रय	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 10.00 लाख	2000=00 0.50 लाख	26/02/2026
4.	2026_UAD_481173-1	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में फुलमाला व्यवस्था	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 08.00 लाख	3000=00 0.40 लाख	26/02/2026
5.	2026_UAD_481427-1	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में कम्प्युटर क्रय	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 10.00 लाख	3000=00 01.00 लाख	26/02/2026
6.	2026_UAD_481468-1	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में फोटोग्राफी एवं वीडियों शूटिंग	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 03.00 लाख	1000=00 0.15 लाख	26/02/2026
7.	2026_UAD_481159-1	वित्तीय वर्ष-2026-2027 में मुद्रण संबंधी कार्य	कार्य आदेश से 01 वर्ष-365 दिन 10.00 लाख	2000=00 0.50 लाख	26/02/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की बेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, बालाघाट

अपनी ही पार्टी के नेताओं से नाराज हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अब अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने इस दौरान तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर, वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और जयराम रमेश का नाम लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने दावा कर दिया कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। खास बात है कि कांग्रेस नेता अय्यर ने हाल ही में कहा था कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। मणिशंकर के बयान से कांग्रेस ने किनारा किया था।

एक इंटरव्यू में अय्यर ने पार्टी नेता पवन खेड़ा के बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं उन्हें कठपुतली करार दिया है। उन्होंने कहा, खेड़ा ने दो साल पहले कह दिया था कि मैं कांग्रेस का किसी भी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करता हूं। तब यह नया नहीं है। वह कांग्रेस की कठपुतली हैं, वह प्रवक्ता नहीं है। वह कुंठित आईएएस अफसर हैं, जो यहां आए हैं और बीते दो साल से मुझे गालियां दे रहे हैं। कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस जीतेगी। क्योंकि कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे वामपंथियों से ज्यादा एक दूसरे से नफरत करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अय्यर ने सांसद थरूर को पाकिस्तान विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह (थरूर) अगले विदेश मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश को अपनी नौकरी बचानी है।

दरअसल अय्यर ने एक इंटरव्यू में भरोसा जताया कि माकपा नेता पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। उन्होंने भारत को लेकर महात्मा गांधी के नजरिए को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक इसतरह के देश की कल्पना की थी, जहां सबसे गरीब भी देश के प्रति अपनापन महसूस करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां भारत की मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसलिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, जिनके पद पर बने रहने का मुझे पूरा विश्वास है, मैं अपनी अपील दोहराता हूं, केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज वाला राज्य बनाने के लिए, राज्य कानून में व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइजैक की अंतर्दृष्टि, मेरे द्वारा अध्यक्षता की गई पांच खंडों वाली रिपोर्ट और बीके रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रसारित नोट के आधार पर संशोधन किया जाना चाहिए।

मैं नेहरू और राजीववादी हूं, पर राहुलवादी नहीं कांग्रेस नेता अय्यर अपने विवादित बयानों से सोमवार को फिर पार्टी को असहज कर दिया। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वे गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हैं, लेकिन राहुलवादी नहीं हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसा कि वे भूल गए कि अय्यर पार्टी के सदस्य हैं। अय्यर ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी का हवाला दिया। आज कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली हुई है। पवन खेड़ा जैसे आदमी को पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता बना रखा है। आखिर पार्टी इतनी बड़ी मूर्खता कैसे कर सकती है, वे एक कठपुतली हैं।

अय्यर ने कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कांग्रेस की हालत क्या है। वेणुगोपाल जैसे शख्स को वह जिम्मेदारी दी गई है, जो कभी सरदार पटेल के पास थी। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आखिर इसतरह के दल को कौन वोट देना चाहेगा, जिसमें नेता आपस में लड़ रहे हैं। एक-दूसरे के गले काटने को तैयार हैं। क्या ये चीजें जनता को नहीं पता हैं। अय्यर ने कहा कि एक समय पर वह कांग्रेस भी थी, जब किसी फैसले को माना जाता था। नेहरू पीएम बने, तब सभी ने स्वीकार किया। यदि सुभाष चंद्र बोस की विमान हादसे में मौत नहीं होती, तब वे शायद राष्ट्रपति बनते।

इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के नेता एमके स्टालिन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने सूट-बूट की सरकार या फिर वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे नहीं दिए। उन्होंने जरूरी मुद्दे उठाकर सरकार बनाई। यही नहीं अय्यर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष यदि किसी नेता को बनना चाहिए, तब वे स्टालिन ही हो सकते हैं। तंज कसते हुए अय्यर ने कहा कि यदि पवन खेड़ा ही मुझे कांग्रेस से बाहर करते हैं, तब मैं खुद ही बाहर निकल जाऊंगा और खेड़ा को पीछे से लात मारूंगा।

काला हिरण शिकार केस में सलमान, सहित तमाम लोगों को राहत...जस्टिस संधू ने खुद को किया अलग

-प्रकरण को अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के निर्देश

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में बहुचर्चित कांकाणी काला हिरण शिकार मामले में सोमवार को राजस्थान हाई कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर प्रकरण को अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। अदालत के इस निर्णय के बाद अब मामले की सुनवाई किसी दूसरी बेंच में होगी। इस फैसले के बाद अभिनेता सलमान खान सहित अन्य संबंधित पक्षों को फिलहाल राहत मिली है।

गौरतलब है कि 5 अप्रैल 2018 को जोधपुर की ट्रायल कोर्ट ने 1998 के कांकाणी शिकार प्रकरण में सलमान को दोषी मानकर पांच वर्ष की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देकर उन्होंने हाईकोर्ट में अपील दायर कर रखी है, जिस पर सुनवाई लंबित है। उनके अधिवक्ता हस्तीमल सारस्वत ने अदालत से सभी संबंधित अपीलों पर एक साथ सुनवाई करने का आग्रह किया था, इस पूर्व में स्वीकार कर लिया गया था।

इस मामले में सह-अभियुक्तों में अभिनेता सैफ अली खान, तब्बू, नीलम, सोनाली बेंद्रे और स्थानीय निवासी दुष्यंत सिंह को ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में बरी किया था। राज्य सरकार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देकर 'लीव टू अपील' याचिका दायर की थी, जिस पर भी सुनवाई प्रस्तावित थी। हालांकि ताजा घटनाक्रम में राज्य की अपील को अस्वीकार कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, 15 अक्टूबर 1998 को लूणी थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट से संबंधित अन्य मामले की अपील 21 मार्च 2022 को हाईकोर्ट में स्थानांतरित की जा चुकी है। यह मामला भी काला हिरण शिकार प्रकरण से जुड़ा हुआ है और उस पर भी सुनवाई होनी शेष है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि नई पीठ कब गठित होगी और अपीलों पर सुनवाई की अगली तारीख क्या तय की जाती है। यह मामला लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में है और देशभर में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है।

क्या है काला हिरण शिकार का पूरा मामला?

साल 1998 में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग जोधपुर के आसपास ग्रामीण इलाकों में चल रही थी। इसी दौरान आरोप लगा कि सलमान सहित अन्य कलाकारों ने काले हिरणों का शिकार किया।

इस घटना के बाद सलमान के खिलाफ हिरण शिकार के तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए, जबकि एक मामला अवैध हथियार रखने से जुड़ा था। निचली अदालत ने दो मामलों में उन्हें पांच-पांच वर्ष की सजा सुनाई, जबकि एक अन्य मामले में एक वर्ष का कारावास दिया। अब हाईकोर्ट में एक साथ होने वाली सुनवाई से इस लंबे मामले में अहम मोड़ आने की उम्मीद की जा रही है।

आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र की नीति 'जीरो टॉलरेंस' की

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के पास हुए आतंकी हमले और देश में नक्सलवाद के मुद्दे पर महत्वपूर्ण बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि चाहे संसद पर हमला रहा हो या कुछ दिनों पहले लाल किले के पास हुआ आतंकी हमला, हर चुनौती के सामने दिल्ली पुलिस ने अत्यंत कौशल और तत्परता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने बताया कि देश से नक ?सलवाद का खात ?मा अब बहुत करीब पहुंच चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने दिल्ली पुलिस की सराहना कर कहा कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई नई पहल हो रही हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की 10 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। इसके तहत दिल्ली को 10 हजार नए सीसीटीवी कैमरों से जोड़ने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। पहले चरण में 2100 कैमरे लाइव हो चुके हैं, जबकि पहले से लगे 15 हजार से अधिक कैमरों को भी इस नेटवर्क से जोड़ने का काम पूरा किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 'सेफ सिटी' योजना आने वाले समय में दिल्ली की सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शाह ने नक्सलवाद के मुद्दे पर बड़ा दावा कर कहा कि केंद्र माओवादी हिंसा से देश को पूरी तरह मुक्त कराने के लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच चुकी है। मोदी सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा बलों की रणनीतिक कार्रवाई और विकास कार्यों के कारण नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में लगातार कमी आई है। उन्होंने भरोसा जताया कि 31 मार्च 2026 तक भारत को माओवादी हिंसा से मुक्त होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने दो टूक कहा कि आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की नीति 'जीरो टॉलरेंस' की है। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र और सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी राहत, अभी जेल में रहेगा डॉन

नई दिल्ली। डॉन अबू सलेम की सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के मुंबई बम धमाकों के मामले में रिहाई वाली याचिका खारिज कर दी है यानी अबू सलेम कानूनी कार्यवाही जारी रहने तक हिरासत में ही रहेगा। 4 नवंबर, 1993 को मुंबई बम विस्फोट मामले में मुंबई पुलिस द्वारा दायर पहली चार्जशीट में अबू सलेम को एक फरार आरोपी के रूप में नामित किया गया था।

पुलिस ने दावा किया था कि सलेम को हथियार ले जाने और छिपाने का काम सौंपा गया था और वह धमाकों की साजिश से जुड़ा था। उसी साल 12 मार्च को दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह द्वारा समन्वित एक आतंकवादी हमले में मुंबई में एक दर्जन बम विस्फोट किस गए, जिसमें 257 लोग मारे गए थे। सलेम बम धमाकों के साथ-साथ 1995 में मुंबई के एक बिल्डर जैन की हत्या के मामले में भी आरोपी बना रहा। बताया जाता है वह देश छोड़कर भाग गया था और अन्य आरोपी के खिलाफ मुकदमा शुरू होने और खत्म होने तक फरार रहा।

बता दें 2002 में ही जांचकर्ताओं को एक बड़ी सफलता मिली और सलेम को पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में हिरासत में लिया गया। उसने अपना रूप बदलने के लिए प्लास्टिक सर्जरी भी करवाई थी, लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद उसके फिंगरप्रिंट के आधार पर उसकी पहचान की गई। एक साल बाद पुर्तगाली सरकार ने 1993 के आतंकवादी हमले समेत भारत में हुए अपराधों में उसकी कथित भूमिका से संबंधित उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर अबू सलेम के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। सलेम ने सरकार के आदेश के खिलाफ पुर्तगाल की अदालतों में अपील की और तत्कालीन उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने आश्वासन दिया कि उसे मृत्युदंड या 25 साल से ज्यादा की जेल की सज़ा नहीं दी जाएगी। 11 नवंबर, 2005 को सलेम को भारत प्रत्यर्पित कर दिया गया।

वीडियोकॉन ग्रुप से जुड़े मोज़ाम्बिक ऑयल डील मामले में सभी 13 आरोपियों को नोटिस जारी

नई दिल्ली। वीडियोकॉन ग्रुप से जुड़े मोज़ाम्बिक ऑयल डील मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 18 दिसंबर 2024 को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत वी.एन। धूत और 12 अन्य आरोपियों/संस्थाओं के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। यह चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष कोर्ट में दायर हुई। 10 फरवरी 2026 को अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध का संज्ञान लेते हुए सभी 13 आरोपियों को नोटिस जारी कर दिए हैं।

इस मामले की शुरुआत सीबीआई की जांच से हुई थी। सीबीआई ने 23 जून 2020 को एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें वी.एन। धूत, कुछ अज्ञात बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे।

जबलपुर की वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. हेमलता का निधन...60 करोड़ की संपत्ति किसकी, उठे सवाल

जबलपुर । जबलपुर की वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव का निधन हो गया। इसके साथ ही उनकी करोड़ों की संपत्ति को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद डॉक्टरों की टीम ने उनकी छोटी बहन शांति मिश्रा को शव सौंप दिया।

डॉ. श्रीवास्तव के घर पर गायत्री परिवार के अलावा आईएमए के सदस्य भी मौजूद हैं। डॉ. हेमलता के निवास पर बाउंसर तैनात हैं। इन्हें यहां किसने लगाया, अभी इसकी जानकारी नहीं आई है।

तहसीलदार संदीप जायसवाल ने बताया कि कलेक्टर और एसडीएम के निर्देश पर डॉ. हेमलता के शव को उनके निवास लाया गया है। कुछ ही देर में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

डॉ. श्रीवास्तव की संपत्ति के वारिस को लेकर उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच एसडीएम स्तर पर की जा रही है। प्रशासन तथ्यों के आधार पर निर्णय करेगा।

बता दें कि राइट टाउन निवासी डॉ. श्रीवास्तव को करीब एक माह पहले अस्पताल में भर्ती किया था, जहां उनकी तबीयत में सुधार भी हुआ था, लेकिन रविवार को अचानक उनका निधन हो गया। उनके पति और बेटे का पहले ही देहांत हो चुका था। संपत्ति हड़पने के आरोप में डॉ. सुमित जैन, पत्नी प्राची जैन, उनकी बहन व जीजा पर मामला दर्ज है।

एसडीएम और पुलिस की मौजूदगी में हेमलता का पोस्टमॉर्टम किया गया। कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर जब उन्हें कार से बाहर ले जाया जा रहा था, तभी उनकी करोड़ों की संपत्ति होने की जानकारी सामने आई, जिस पर अलग-अलग लोग दावा कर रहे हैं। डॉ. जैन के अनुसार 14 जनवरी को उनके जन्मदिन पर हेमलता उनके साथ थीं, जबकि इससे 12 दिन पहले 2 जनवरी को उन्होंने अपनी इच्छा से करीब 11 हजार वर्गफीट जमीन ससुर और बेटे के नाम मेमोरियल अस्पताल के लिए दान की थी।

कपास के किसानों की खुली किस्मत, वैज्ञानिकों का ये आविष्कार बचाएगा लाखों रुपये!

भोपाल। आज किसानों के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी आई है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के वैज्ञानिकों ने कमाल किया है। उन्होंने एक ऐसी कपास हार्वेस्टिंग मशीन तैयार की है, जो खेती का तरीका बदल देगी। अब तक कपास की तुड़ाई हाथों से करनी पड़ती थी, जिसमें बहुत मेहनत और पैसा लगता था, लेकिन यह मशीन इस काम को मिनटों में और बेहद कम खर्च में पूरा करेगी। खुद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मशीन की तारीफ कर किसानों के लिए एक बड़ा वरदान बताया है।

पीएम मोदी ने 'एआई इंपैक्ट समिट 2026' का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आज सोमवार से "एआई इंपैक्ट समिट 2026' का शुभारंभ हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समिट और इंडिया एआई एक्सपो का उद्घाटन किया तथा विभिन्न पवेलियनों का अवलोकन कर एआई आधारित नवाचारों की सराहना की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे।

यह विकासशील देशों में आयोजित अपनी तरह का पहला एआई इंपैक्ट समिट बताया जा रहा है। समिट का मूल मंत्र 'जन, ग्रह और प्रगति' है, जिसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को समावेशी विकास, पर्यावरणीय संतुलन और सतत प्रगति से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक एआई गवर्नेंस पर होने वाली चर्चाओं में ग्लोबल साउथ की आवाज को प्रभावी स्थान मिले। सुबह से आयोजित विभिन्न सत्रों में हेल्थकेयर, एजुकेशन, चाइल्ड सेफ्टी, फार्मा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई की भूमिका पर विस्तृत पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने बताया कि किस प्रकार एआई तकनीक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और दवा अनुसंधान को तेज करने में सहायक हो सकती है।

समिट के मुख्य फोकस में समावेशी विकास को गति देने के लिए एआई का उपयोग, सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना और सतत नवाचार को प्रोत्साहित करना शामिल है। आयोजकों के अनुसार, यह मंच इस बात पर केंद्रित है कि एआई केवल कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने। एआई इंपैक्ट समिट 2026 में 45 से अधिक देशों के मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान 500 से ज्यादा सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 3,250 से अधिक वक्ता और पैनलिस्ट शामिल होंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि समिट और एक्सपो में कुल 2.5 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय एआई स्टार्टअप 'सर्वम एआई' सहित विभिन्न प्रदर्शनी का अवलोकन कर विशेषज्ञों से संवाद किया और तकनीकी नवाचारों को भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी

मुरादाबाद । फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। वह समन भेजने के बावजूद कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही थी। अभिनेत्री पर 2017 में शादी समारोह में कार्यक्रम के नाम पर 14.50 लाख रुपये लेने के बाद भी नहीं आने का आरोप है। आयोजक पवन वर्मा ने कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया था। डबल फाटक निवासी एक इवेंट कंपनी के मालिक पवन वर्मा ने बताया कि 16 नवंबर 2017 को आयुष अग्रवाल की शादी में अभिनेत्री अमीषा पटेल को बुलाया गया था। उन्होंने 14.50 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया था। शहर के दिल्ली रोड हॉलीडे रीजेंसी होटल में ठहरने और भोजन की व्यवस्था भी की थी। फिर भी अभिनेत्री अमीषा पटेल मुंबई से मुरादाबाद नहीं पहुंचीं। बातचीत करने पर उन्होंने पूरी राशि वापस करने का वादा किया था। इस बीच अभिनेत्री की तरफ से 10 लाख रुपये नकद और 4.50 लाख रुपये का चेक दिया गया लेकिन वह बाउंस हो गया था। इस मामले में पवन वर्मा ने कोर्ट में मुकदमा दायर किया। इस मामले में अतिरिक्त सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट ने अमीषा पटेल को उपस्थित होने के लिए कई बार समन भेजा था लेकिन वह हाजिर नहीं हुईं। अब कोर्ट ने कोर्ट में हाजिर होने के लिए गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। पवन वर्मा का कहना कि अमीषा पटेल न्याय से बचने का प्रयास कर रही हैं। अमीषा पटेल के अधिवक्ता अभिषेक शर्मा का कहना कि यह 2017 का पुराना विवाद है। समझौते के बाद अभिनेत्री ने पूरा पैसा वापस लौटा दिया था। पवन वर्मा केस का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अमीषा पटेल शीघ्र ही कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगी।

सीधी में पूजा करके लौट रहे पुजारी की गला रेतकर हत्या

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 75 साल के पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की जघन्य हत्या की गई। कुसमी तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर में द्विवेदी लंबे समय से सेवा दे रहे थे। उनपर तब हमला हुआ, जब वे रोज की तरह पूजा-अर्चना कर घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, आरोपी ने बाइक से जा रहे पुजारी की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद भी हमलावर नहीं रुका और उनके सीने पर लगातार प्रहार किए। मृतक के भतीजे ने बताया कि उनके चाचा बेहद शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और किसी से कोई दुश्मनी नहीं रखते थे। चाचा बाइक से मंदिर से कुछ आगे बढ़े और तभी आरोपी लाला केवट ने अचानक गर्दन पर वार कर दिया। जिससे वह गिर पड़े, इसके बाद आरोपी ने सीने में करीब 8 बार वार किए, घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई! वहीं मामले को लेकर एक वकील ने आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी ब्राह्मण समाज के प्रति बैर रखता था।

असम में सियासी ड्रामा...भूपेन बोरा ने खरगे को भेजा इस्तीफा, फिर वापस लिया

असम। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा सौंपने के कुछ घंटों बाद वापस ले लिया। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने इस्तीफे में दावा किया था कि पार्टी नेतृत्व की ओर से नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा था, मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। मैंने अपना इस्तीफा पहले ही केंद्रीय नेतृत्व को भेजा है। यह फैसला आत्मसम्मान की रक्षा के लिए किया। कांग्रेस के कामकाज के प्रति नाराजगी जाहिर कर बोरा ने कहा कि पार्टी आलाकमान संगठन के मामलों पर अहम फैसले लेने में नाकाम रहा है। बोरा के इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, भंवर जितेंद्र सिंह और प्रद्युत बोरदोलोई, रायजोर डोल प्रमुख अखिल गोगोई के साथ भूपेन बोराह के गुवाहाटी स्थित आवास पर उनके बातचीत करने पहुंचे थे।

असम कांग्रेस प्रभारी सिंह ने कहा, मैं भूपेन को अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए धन्यवाद देता हूं। सीनियर कांग्रेस लीडर भूपेन बोरा कांग्रेस परिवार के अहम सदस्य हैं। उन्होंने अपना इस्तीफा खरगे जी को भेजा था। कभी-कभी कांग्रेस परिवार में मतभेद हो जाते हैं। कांग्रेस प्रेसिडेंट ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। राहुल गांधी सहित पार्टी लीडरशिप ने बोरा से लंबी बातचीत की।

इसके पहले भूपेन बोरा ने लगातार अंदरूनी मुद्दों और लीडरशिप की कमजोरी की ओर इशारा किया। उनका कहना था कि पार्टी में बने रहना मुश्किल हो गया था। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कई मौकों पर चिंता जताने के बावजूद, टॉप लीडरशिप की ओर से कोई मतलब का जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा, यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है। मैंने इसके बारे में ध्यान से सोचा है। उधर कांग्रेस से इस्तीफा देने के तुरंत बाद भूपेन को बीजेपी ने ऑफर दिया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बोरा के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के दरवाजे खुले हैं।

लालू-राबड़ी के खिलाफ दिल्ली की कोर्ट ने तय किए आरोप

जमीन के बदले नौकरी मामले में करेंगे मुकदमे का सामना

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी मामले में आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। इस दौरान उनके खिलाफ खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। दूसरी ओर लालू-राबड़ी ने खुद को बेगुनाह बताया है। दरअसल, इस मामले में लालू-राबड़ी ने कोर्ट में कहा है कि वे बेकसूर है। उन्होंने कहा कि वे ट्रायल का सामना करेंगे। यह मामला उम्मीदवारों को जमीन के बदले रेलवे ग्रुप सी की नौकरी दिलाने के कथित अपराध से जुड़ा है। दिल्ली की स्पेशल जज विशाल गोगने ने मामले में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय किए। इस मामले में मीसा भारती ने कहा कि कोर्ट ने उनकी उम्र और सेहत को देखते हुए उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने के लिए कहा है। इस मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू से पूछा कि क्या वे आरोप स्वीकार करते हैं तो लालू और राबड़ी ने आरोपों को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वो मुकदमा लड़ेंगे।

जज पर लगाए थे पक्षपात के आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट और सेशंस जज के सामने एक अर्जी दी थी। इसमें व्यक्तिगत पेशी में छूट की मांग की गई थी। इस मामले में राबड़ी देवी जज विशाल गोगने पर पक्षपात करने के आरोप लगा चुकी है, गौरतलब है कि उस समय उन्होंने जज बदलने की मांग भी की थी। बता दें कि ये लैंड फॉर जॉब का यह पूरा मामला साल 2004 से 2009 के बीच का है, उस समय देश के रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव थे। इस मामले में सीबीआई की तरफ से जो कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई है उसमें आरोप है कि रेलवे में ग्रुप-सी नौकरियां देने के बदले उम्मीदवारों के परिवारों ने जमीन के छोटे-छोटे प्लॉट लालू परिवार या उनसे जुड़े लोगों के नाम ट्रांसफर किए हैं।

मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हुए भगवंत मान

मोहाली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को एक बार फिर मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कल भी वो नियमित चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल गए थे। फिलहाल उन्हें थकान महसूस हो रही है और उन्हें निगरानी और सहायक देखभाल के लिए भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे चिकित्सा दल की निगरानी में हैं।

बालाघाट
मंगलवार 17 फरवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बिछुआ में दर्दनाक सड़क हादसा- चाचा की मौत- भतीजा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बिछुआ में सोमवार सुबह एक हृदयविदारक सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसका भतीजा मामूली रूप से घायल हो गया। हादसा सुबह लगभग 9ः30 बजे बिछुआ-लिंगापौनार मार्ग पर हुआ।मृतक मयूर पिता रतनलाल राहंगडाले 22वर्ष ग्राम बिछुआ निवासी का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 फरवरी को सुबह 9ः30 बजे बिछुआ निवासी मयूर राहंगडाले अपने भतीजे गौरव राहंगडाले के साथ बाइक से नाश्ता करने के लिए लिंगापौनार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सड़क के एक मोड़ पर अचानक एक पालतू मवेशी बाइक के सामने आ गया। मवेशी को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर सीधे खेत में जा गिरी। जिससे दोनों युवक घायल, इस दुर्घटना में मयूर को गंभीर चोटें आई थी।हादसे की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को घायल को तत्काल कटंगी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मयूर को मृत घोषित कर दिए। गौरव को मामूली चोटें आई हैं और उसका उपचार किया गया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल कटंगी के शव विच्छेदन गृह भेजा गया। जहां आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

जांच समिति ने मामले से जुड़े दस्तावेज और अभिलेख तलब किया, सीएमओ से प्रतिवेदन भी मांगा

नपाअध्यक्ष भारती ठाकुर के खिलाफ अनियमितता मामले में हाईकोर्ट से जारी नोटिस के बाद कार्यवाही तेज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष के खिलाफ की गई अनियमितता की शिकायत के मामले में जांच प्रक्रिया अब गति पकड़ रही है। गठित जांच समिति ने नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी से विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की निर्धारित समय-सीमा जल्द ही समाप्त होने वाली है। समिति ने मामले से जुड़े दस्तावेज और अभिलेख भी तलब किए हैं, ताकि शिकायत में लगाए गए आरोपों की बिंदुवार जांच की जा सके। जांच समिति के एक सदस्य ने स्पष्ट किया है कि प्रतिवेदन प्राप्त होते ही आगे की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। इसके तहत संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे और आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा।

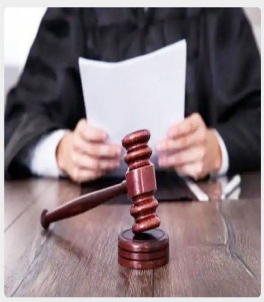

नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के खिलाफ दायर शिकायतों के मामले में न्यायालय के निर्देश के बाद जांच प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। डीजल प्रकरण सहित तीन से चार अन्य मामलों में अनियमितता के आरोप लगाते हुए उन्हीं की पार्टी के कुछ पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधियों ने न्यायालय की शरण ली थी। शिकायतकर्ताओं में भारतीय जनता पार्टी के दो वरिष्ठ पदाधिकारी, सत्ता पक्ष के पार्षद राज हरिनखेड़े और सुधीर चिले, साथ ही पार्षद प्रतिनिधि सौरभ जैन और केवल सोनेकर शामिल हैं। इन शिकायतों पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने याचिका स्वीकार कर राज्य सरकार को 90 दिनों के भीतर जांच पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राज्य सरकार ने एक अध्यक्ष एवं दो सदस्यों की जांच समिति गठित की है, जिसे 15 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना है। जांच समिति के सदस्य एवं शहरी परियोजना अधिकारी बालाघाट राहुल नायक ने दूरभाष पर चर्चा में पुष्टि की कि उन्हें समिति में सदस्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि जबलपुर संभाग के सयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकाश संभाग जबलपुर के परमेश जलोटे इस जांच समिति के अध्यक्ष हैं और उनके मार्गदर्शन में जांच प्रारंभ कर दी गई है। राहुल नायक ने बताया कि तीन से चार दिन पूर्व नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी कतरोलिया से पूरे मामले में विस्तृत प्रतिवेदन मांगा गया है। इसके लिए उन्हें चार दिन की समय-सीमा दी गई है, जो एक-दो दिनों में पूर्ण होने वाली है। प्रतिवेदन प्राप्त होते ही शिकायतकर्ताओं और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। मामले को लेकर नगर पालिका के राजनीतिक एवं प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। अब सभी की निगाहें जांच समिति की कार्रवाई और आगामी निष्कर्षों पर टिकी हैं।

नपा.के अन्य प्रकरण शामिल नहीं होंगे

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के खिलाफ चल रही जांच को लेकर नया मोड़ सामने आया है। जांच समिति के सदस्य एवं परियोजना अधिकारी राहुल नायक ने स्पष्ट कर दिया है कि समिति केवल उन्हीं मामलों की जांच करेगी, जो न्यायालय में याचिका के माध्यम से प्रस्तुत किए गए हैं। बीते दिनों याचिकाकर्ता सुधीर चिले द्वारा यह कहा जा रहा था कि वे न्यायालय में दर्ज प्रकरणों के अतिरिक्त कुछ पुराने मामलों को भी जांच में शामिल कराने की मांग करेंगे। राहुल नायक ने साफ किया कि समिति का कार्यक्षेत्र न्यायालय के आदेश तक सीमित है और अन्य मामलों को इस जांच में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

हमें सूचना नहीं दी जा रही हैं

इधर वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद एवं शिकायतकर्ता सुधीर चिले ने दूरभाष पर चर्चा में कहा कि जांच समिति ने अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है, लेकिन अब तक याचिकाकर्ताओं को न तो औपचारिक सूचना दी गई है और न ही किसी प्रकार का संपर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि जांच प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही और उन्हें पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया, तो वे पुनः इन्हीं मामलों को लेकर डबल बेंच में न्यायालय की शरण लेंगे। उनका कहना है कि शिकायतकर्ताओं को जांच की प्रगति से अवगत कराना आवश्यक है, अन्यथा इससे संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

बालाघाट में न्यायालयीन कार्यों से विरत रहे अधिवक्ता

अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की सरकार से की जा रही मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिवपुरी में अधिवक्ता की हत्या की घटना के विरोध में जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट ने अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की मांग को लेकर एकदिवसीय विरोध प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप अधिवक्ताओं ने पूरे दिन न्यायालयीन कार्य का बहिष्कार किया और न्यायालय में कोई कार्य नहीं किया। दोपहर लगभग 3 बजे अधिवक्ता रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे ज्ञापन किसी अन्य अधिकारी को नहीं, बल्कि स्वयं कलेक्टर को ही सौंपेंगे। इसी मांग को लेकर अधिवक्ता करीब 45 मिनट तक कलेक्टर कार्यालय परिसर के गेट के सामने धरने पर बैठ गए और प्रदर्शन किया। बाद में कलेक्टर बालाघाट के पहुंचने पर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया।

शिवपुरी जिला के करेरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी को गोली मारकर की गई हत्या के विरोध में प्रदेशभर के अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। घटना के बाद राज्य अधिवक्ता संघ जबलपुर द्वारा 15 फरवरी को विशेष आपातकालीन बैठक आयोजित की गई, जिसमें 16 फरवरी को मध्यप्रदेश के सभी अधिवक्ताओं द्वारा न्यायालयीन कार्य से विरत रहते हुए प्रतिवाद दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट ने भी 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य का पूर्ण बहिष्कार किया। सुबह 11 बजे न्यायालय परिसर में सभी अधिवक्ता एकत्रित हुए, जहां शिवपुरी की घटना की जानकारी साझा की गई। अधिवक्ताओं ने अपने-अपने पक्षकारों को विरोध स्वरूप कार्य न किए जाने की सूचना दी, जिसके बाद अधिकांश पक्षकार वापस लौट गए। दोपहर 3 बजे जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य पैदल रैली निकालते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीना को ज्ञापन सौंपने की मांग की। उस समय कलेक्टर के कार्यालय में उपस्थित न होने पर अधिवक्ताओं ने लगभग 45 मिनट तक कलेक्टर कार्यालय परिसर के अंदर गेट के सामने बैठकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। बाद में कलेक्टर के पहुंचने पर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रवेश मलेवार ने बताया कि यह प्रदर्शन शिवपुरी की घटना के विरोध के साथ-साथ अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता लंबे समय से इस कानून की मांग कर रहे हैं, किंतु अब तक सरकार द्वारा इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं पर बढ़ते हमलों को देखते हुए सरकार को शीघ्र अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करना चाहिए। जब तक यह कानून लागू नहीं होता, तब तक संघ आंदोलन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी आवाज उठाता रहेगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे और एकजुटता का परिचय दिया।

45 मिनट गेट पर बैठकर किया प्रदर्शन

जिला अधिवक्ता संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर को सौंपने के लिए लगभग आधा सैकड़ा अधिवक्ता एवं संघ पदाधिकारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे ज्ञापन सीधे कलेक्टर को ही सौंपेंगे। कलेक्टर मृणाल मीना की अनुपस्थिति में प्रशासनिक अधिकारियों ने डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन लेने का प्रस्ताव रखा, किंतु अधिवक्ता संघ ने इसे अस्वीकार कर दिया। संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को मौके पर बुलाने की मांग की और इसी जिद पर अड़े रहे। इसके बाद अधिवक्ता कलेक्टर कार्यालय परिसर के अंदर स्थित गेट के सामने ही जमीन पर बैठ गए और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब 45 मिनट तक गेट के रास्ते पर बैठकर उन्होंने अपना प्रदर्शन जारी रखा । बाद में कलेक्टर के पहुंचने पर अधिवक्ताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला मंजू चौधरी घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेंगाटोला चौक सड़क दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला मंजू पति राजकुमार चौधरी 35 वर्ष ग्राम छिंदीटोला जागपुर थाना वारासिवनी निवासी है। जिन्हें बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंजू चौधरी आशा कार्यकर्ता के पद पर पदस्थ है। 16 फरवरी को मंजू चौधरी अपने गांव के मनोज चौहान के साथ मोटरसाइकिल में वारासिवनी अपने विभाग के काम से गई थी। वारासिवनी में अपना काम निपटाना के बाद शाम 5ः00 बजे मंजू चौधरी, मनोज चौहान के साथ मोटरसाइकिल में वारासिवनी से अपने घर छिंदीटोला। जागपुर लौट रही थी। गर्रा से दिनी रोड पर स्थित ग्राम रेंगाटोला चौक मैं गर्रा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल ने मनोज चौहान की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस मोटरसाइकिल की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल में बैठी आशा कार्यकर्ता मंजू चौधरी और मनोज चौहान दोनों मोटरसाइकिल सहित गिर गए।इस दुर्घटना में आशा कार्यकर्ता मंजू चौधरी गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। दुर्घटना के बाद मोटरसाइकिल सवार युवक भाग रहे थे। जिन्हें भीड़ ने पकड़ लिया। गंभीर रूप से घायल मंजू चौधरी को प्राइवेट वाहन से ही बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

2 किलो अवैध गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए बालाघाट पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 2.1 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर में संचालित नशामुक्ति अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थों के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व के दौरान थाना कोतवाली पुलिस बस स्टैंड, अवंती बाई चौक, भटेरा खैरी, कुम्हारी स्थित शिव मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत गश्त कर रही थी। इसी दौरान ग्राम धापेवाड़ा के आगे एक व्यक्ति काले रंग का बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में जाता दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखकर वह मुख्य मार्ग छोड़कर जोधीटोला की ओर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसका पीछा कर जोधीटोला मोबाइल टावर के पास रोककर पूछताछ की। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत वैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के पिट्ठू बैग से 2.1 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 40 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तेजराम वर्मा पिता मोहर सिंह वर्मा, निवासी घाट, परासिया, थाना कुण्डीपुरा, जिला छिंदवाड़ा के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध थाना कुण्डीपुरा, जिला छिंदवाड़ा में भी पूर्व में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है। पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

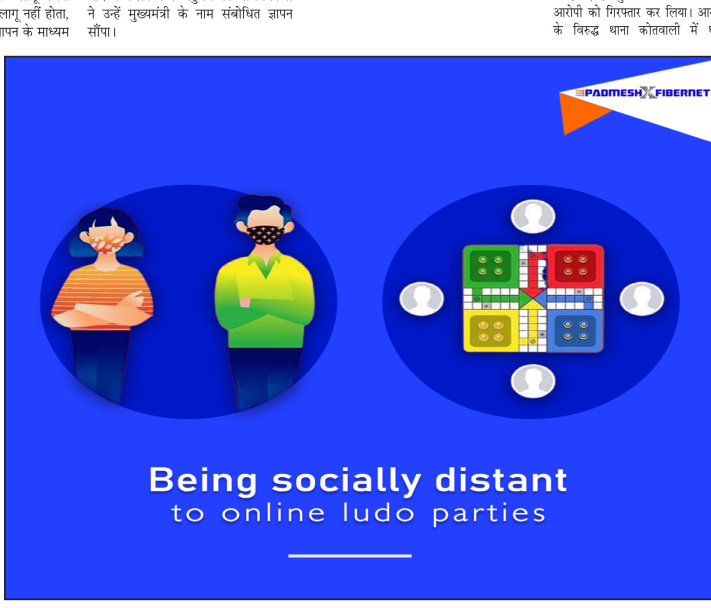

14 फरवरी को ग्राम कामथी खमरिया में हरि ऊँ सत्संग मंडल द्वारा पुज्य संत श्री आशारामजी बापूजी की पावन प्रेरणा से प्रोजेक्टर विडियो द्वारा मातृ-पितृ पुजन दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें विशेष सहयोग सरपंच श्री साहेबलाल देशमुख जी, रवि देशमुख, दिलीप उईके, भारत चौधरी, युवराज शरणागत, भागचंद सोनवाने, रमेश सोनी, दिलीप सिंह चुके, डॉ. बावने जी, हेमराज शरणागत एवं समस्त ग्रामीण बंधुओं का रहा।

हरि ऊँ सत्संग मंडल कामथी

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट